राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 92 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,06 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

आवास योजना के लाभार्थियों को पीएम मोदी ने सौंपी चाबियां, दीवाली से पहले दिया होमवर्क

लखनऊ । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लखनऊ में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत आयोजित तीन दिवसीय न्यू अर्बन इंडिया कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया. इस मौके पर उन्होंने यूपी के 75 जिलों के 75,000 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) के तहत निर्मित घरों की चाबियां डिजिटली सौंपीं.

पीएम मोदी आवास पाने वालों को दिये होमवर्क-उन्होंने कहा कि इस दीवाली पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर पाने वाले नौ लाख परिवार अपने घरों में दो-दो दिए जलाएं. मैं सभी से अपील करता हूं कि वो इस रोशनी की स्पर्धा में शामिल हों. उन्होंने पीएम आवास पाने वाले परिवारों से कहा कि दिवाली के दिन अपने घर पर दो दीये जरूर जलाएं. उस दिन अयोध्या में साढ़े सात लाख दीये जलेंगे. उधर अयोध्या में दीये जलेंगे, इधर नौ लाख घरों में दो-दो दीयों का प्रकाश होगा, 18 लाख दीये जलेंगे. यह देखकर भगवान राम भी प्रसन्न होंगे.

प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही सात शहरों के लिए सिटी बस सेवा के तहत 150 इलेक्ट्रिक बसों का उद्घाटन कर ई-बस सेवा योजना की शुरूआत की. पीएम मोदी ने 4737 करोड़ की 75 परियोजनाओं का उद्घाटन किया और शिलान्यास किया. इस मौके पर अपने सम्बोधन में उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि विरोधी, विरोध में ही अपनी ऊर्जा खपाते हैं, हमने

घर बनाकर तीन करोड़ गरीबों को लखपति बना दिया. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यू अर्बन इंडिया कानक्लेव में कहा कि मुझे इस बात की भी खुशी होती है कि देश में पीएम आवास योजना के तहत जो आज जो 75,000 घर दिए जा रहे हैं, उनमें 80 प्रतिशत से ज्यादा घरों पर मालिकाना हक महिलाओं का है या फिर वो ज्वाइंट ओनर हैं. यह नारी का सच्चा सम्मान है. 2014 के बाद से हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरों में 1 करोड़ 13 लाख से ज्यादा घरों के निर्माण की मंजूरी दी है. इसमें से 50 लाख से ज्यादा घर बनाकर, उन्हें गरीबों को सौंपा भी जा चुका है. प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरे जो साथी, झुग्गी-झोपड़ी में जिंदगी जीते थे, उनकी पास पक्की छत नहीं थी, ऐसे तीन करोड़ परिवारों को लखपति बनने का अवसर मिला है. प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश में जो करीब-करीब 3 करोड़ घर बने हैं, आप उनकी कीमत का अंदाजा लगाइए. यह लोग लखपति बने हैं.

उन्होंने कहा कि लखनऊ ने अटल जी के रूप में एक विजनरी, मां भारती के लिए समर्पित राष्ट्रनायक देश को दिया है. आज उनकी स्मृति में, बाबा साहब भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी में अटल बिहारी वाजपेयी चेयर स्थापित की गई है. मुझे विश्वास है कि यह चेयर अटल जी के विजन, उनके एक्शन, राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान को विश्व पटल पर लाएगी, जैसे भारत की 75 वर्ष की विदेश नीति में अनेक मोड़ आए लेकिन अटल जी ने उसे नई दिशा दी. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगरा की विमलेश पीएमएवाई-यू घरों की चाबियां डिजिटल रूप से सौंप डिजिटल माध्यम से संवाद किया. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनका राधे-राधे से संबोधन किया. इस दौरान प्रधानमंत्री ने उनके काम-काज के साथ घर परिवार के लोगों के बारे में भी जानकारी ली. प्रधानमंत्री मोदी ने विमलेश से कहा कि आप अब नया घर मिलने पर अपने काम को बढ़ाएं और बच्चों को खूब पढ़ाएं.उन्होंने बताया कि यूपी में 2017 से पहले गरीबों के लिए आवास बनाने के लिए हमें यहां की सरकार से मिन्नतें करनी पड़ती थी, पर योगी जी के आने के बाद यूपी मे शहरी गरीबों को नौ लाख घर बनाकर दिए गए हैं. इन घरों में बिजली, पानी, गैस और शौचालय की भी सुविधा है. पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज पीएम आवास योजना के तहत जितने घर बना रहा है उसकी संख्या कई देशों की जनसंख्या से भी अधिक है. जब मैंने बड़े प्रोजेक्ट की बात की तो कुछ लोग आदतन सोचते थे कि यह कैसे हो पायेगा लेकिन आज उनकी सफलता को दुनिया देख रही है. मैं यूपी की जनता का विशेष आभार प्रकट करता हूं कि मुझे देश की जनता की सेवा करने का मौका दिया और मुझे संसद तक पहुंचाया.

एक नज़र...

उच्च न्यायालयों के 15 न्यायाधीशों का तबादला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विभिन्न उच्च न्यायालयों के 15 न्यायाधीशों का मंगलवार को तबादला कर दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भारत के मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना के परामर्श पर मंगलवार को राजस्थान, दिल्ली, इलाहाबाद, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मद्रास आदि उच्च न्यायालयों के 15 न्यायाधीशों के स्थानांतरण पर मुहर लगा दी। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग ने न्यायाधीशों के तबादलों के संबंध में शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी की। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश विवेक अग्रवाल को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में स्थानांतरित किया गया है।

क्रूज ड्रग्स पार्टी में अब तक 16 गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुंबई में क्रूज शिप पार्टी के मामले में मंगलवार सुबह गिरफ्तार किए गए चार और लोगों को कोर्ट ने 11 अक्टूबर तक नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की हिरासत में भेज दिया है। इस मामले जिन चार और लोगों को मंगलवार गिरफ्तार किया है उसमें अब्दुल कादिर शेख, श्रेयस नायर, मनीष दरिया, एविन साहू का नाम शामिल है। गिरफ्तारी के बाद एनसीबी ने एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया था जहां से इन्हें एनसीबी ने कस्टडी में लिया है। इन चार लोगों की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में एनसीबी अब तक 16 गिरफ्तारी कर चुकी है। वहीं क्रूज रेव पार्टी के आयोजकों को भी हिरासत में लिया गया है।

चिराग, पारस गुट को अलग-अलग नाम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को अंतरिम उपाय के तौर पर चिराग पासवान व पशुपति कुमार पारस के गुटों को पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए। आयोग ने हाल ही में इन पर लोजपा या पार्टी के चुनाव चिह्न 'बंगले' के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। पासवान और पारस को लिखे अलग-अलग पत्रों में निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसने चिराग पासवान गुट को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) नाम और चुनाव चिह्न हेलीकॉप्टर आवंटित किया है। आयोग ने पारस से कहा, आपके अनुरोध पर विचार करने के बाद आयोग ने आपके समूह के लिए राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी नाम और चुनाव चिह्न सिलाई मशीन का आवंटन किया है।

सुप्रीम कोर्ट से अजीम प्रेमजी दंपती को राहत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने उद्योगपति विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी और उनकी पत्नी को 45 हजार करोड़ रुपए की संपत्ति स्थानांतरित करने के एक आपराधिक मामले में निचली अदालत के समन पर रोक लगाने के अपने आदेश को दो दिसंबर तक के लिए आगे बढ़ाकर उन्हें राहत प्रदान की है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ने मंगलवार को कहा कि अजीम प्रेमजी (76) एवं उनकी पत्नी अयाशमीन प्रेमजी एवं अन्य पर आरोप लगाने वाली स्वयंसेवी संस्था (एनजीओ) के खिलाफ कर्नाटक उच्च न्यायालय में अवमानना के एक मामले में सुनवायी चल रही है।

मनसुख मांडविया को पीएचडी की उपाधि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को डाक्टर ऑफ फिलॉसफी - पीएचडी की उपाधि से विभूषित किया गया है। श्री मांडविया ने बताया कि यह पीएचडी की यात्रा मुझे स्थूल ज्ञान से सूक्ष्म ज्ञान की तरफ ले गई है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय, मेरे गाइड तथा मेरी शोधयात्रा में मेरा सहयोग देने वाले सभी का धन्यवाद करता हूँ। श्री मांडविया ने महाराजा कृष्णकुमार सिंह जी भावनगर विवि से 'सामुदायिक विकास और भविष्य की चुनौतियों में ग्राम विद्यापीठों की भूमिका' पर पीएचडी की उपाधि हासिल की है।

लखीमपुर खीरी में तीन किसानों का किया गया अंतिम संस्कार

एक किसान की अंत्येष्टि रोकी पीएम रिपोर्ट पर अड़े परिजन

लखीमपुर खीरी (ब्यूरो/एजेंसी)। लखीमपुर खीरी में मारे गए चार किसानों में तीन किसानों का अंतिम संस्कार हो गया जबकि बहराइच के एक किसान गुरविंदर सिंह का दोबारा पोस्टमार्टम होगा। इन तमाम घटनाक्रम के बीच सबसे ज्यादा सवाल पुलिस की भूमिका पर उठ रहे हैं कि मंत्री के बेटे पर हत्या का मामला दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने अब तक गिरफ्तारी तो दूर पूछताछ तक नहीं की। मंत्री के बेटे की गिरफ्तारी में देरी पर पुलिस अधिकारी ने दी सफाई, पोस्टमार्टम, अंतिम संस्कार में व्यस्त थे। उधर, मारे गए किसानों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर तमाम तरह के सवाल हैं। चार किसानों का पोस्टमार्टम होने के बाद भी प्रशासन ने पोस्टमार्टम रिपौर्ट नहीं दिखाई। जब लवप्रीत समेत चारों किसानों के परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया तब जाकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट उनके परिजनों को बंद कमरे में दिखाई गई।

परिजनों ने मंत्री के बेटे को बचाने का आरोप लगाते हुए पोस्टमार्टम में गड़बड़ी की बात कही है। परिजनों का ये भी आरोप है कि पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी नहीं की गई है।परिजनों ने मांग

की है कि किसी अन्य राज्य में गुरविंदर के शव का पोस्टमार्टम करवाया जाए। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि बहराइच के किसान तो गोली मारे जाने की आशंका है इसीलिए हम नए सिरे से पोस्टमार्टम कराना चाहते हैं। कई अस्पतालों के डॉक्टरों कै पैनल पोस्टमार्टम करेगा। वही हिंसक झड़प में नामजद आशीष मिश्रा का बचाव करते हुए केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री और स्थानीय सांसद अजय मिश्र टेनी ने मंगलवार को दावा किया कि उनका पुत्र घटनास्थल पर मौजूद नहीं था और यदि उसकी मौजूदगी का प्रमाणिक साक्ष्य देता है तो वह इस्तीफा देने को तैयार हैं।

एसआईटी गठित, जांच के लिए छह सदस्यीय टीम आज बनेगी

लखनऊ, (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी में हुए बवाल की जांच के लिए योगी सरकार ने एसआईटी गठित कर दी है। छह सदस्यों की टीम लखीमपुर कांड की पूरी जांच करेगी। मामले में न्यायिक जांच कमेटी का भी गठन बुधवार तक हो जाएगा। किसानों से हुए समझौते में न्यायिक जांच की बात कही गई थी। लखनऊ की आईजी रेंज लक्ष्मी सिंह ने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा को इस केस में नामजद आरोपी बनाया गया है। विशेष टीम लखीमपुर के एएसपी अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में काम करेगी। वहीं विधायक कमेटी भी हिंसा मामले की जांच करेगी।

एएसपी के नेतृत्व में कमेटी करेगी विवेचना: हादसे में आठ लोगों की मौत के मामले में दर्ज केस की निष्पक्ष विवेचना कराने के लिए पुलिस अफसरों ने सख्ती शुरू कर दी। इस मामले में मंगलवार को आईजी रेंज लक्ष्मी सिंह ने खीरी के पुलिस अधीक्षक अरूण कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष विवेचक कमेटी का गठन किया है। जो केस के हर बिंदुओं की निष्पक्ष व गुणवत्ता पूर्ण विवेचना करेगी। मंगलवार शाम को आईजी रेंज लक्ष्मी सिंह के साथ आला अधिकारी मृतक किसानों लवप्रीत सिंह और क्षत्र सिंह के घर पहुंचे। वहां दोनों के परिजनों को सरकार की तरफ से घोषित की गई 45-45 लाख की राशि का चेक सौंपा।

प्रियंका गिरफ्तार, राहुल आज जाएंगे

सीतापुर के पीएसी गेस्ट हाउस में 31 घंटे से ज्यादा वक्त तक अरेस्ट के बाद अब शांति भंग करने के आरोप में मंगलवार का कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को गिरफ्तार किया गया। उन्हें 107/116 और 151 के तहत गिरफ्तार किया है। उन्हे फिलहाल पीएसी परिसर में ही अस्थायी जेल में रखा गया है। उनके साथ रास सांसद दीपेंद्र हुड्डा और यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू समेत 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ दो कांग्रेसी सीएम चरणजीत चन्नी, भूपेश बघेल, डिप्टी सीएम सचिन पायलट, केसी वेणुगोपाल भी लखीमपुर जाएंगे। वहीं दूसरी और इस घटना का एक वीडियो सोमवार से वायरल हो रहा है जिसमें एक लग्जरी गाड़ी किसानों को रौंदती हुई जा रही है। इसको लेकर काफी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

लखनऊ में आठ तक धारा144 लागू किसान आंदोलन के चलते हुई सख्ती

लखनऊ, (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी में हिंसा के बाद से उप्र में सियासत तेज हो गई है। विपक्षी दलों के तमाम नेता लखनऊ के रास्ते लखीमपुर खीरी पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच राजधानी में आठ नवंबर तक धारा-144 लागू करने का आदेश दिया गया है। ये फैसला कोरोना महामारी, आगामी त्योहारों, किसान संगठनों के प्रदर्शनों को देखते हुए लिया गया है। धारा-144 के तहत पांच से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने की अनुमति नहीं होती है। एक बयान में कहा गया कि लखनऊ पुलिस ने आगामी त्योहारों, विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं और किसानों के विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखने और कोरोना के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए 8 नवंबर तक सीआरपीसी की धारा 144 के तहत प्रतिबंध लगा दिया है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने की ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री एलन टज की बात, भारतीय छात्रों की वापसी का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एलन टज के साथ बातचीत की और वहां पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों की वापसी से जुड़ा मुद्दा उठाया. शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि डिजिटल बैठक के दौरान ऑस्ट्रेलियाई मंत्री ने उन्हें भारतीय छात्रों की ऑस्ट्रेलिया वापसी को सुगम बनाने के लिए वहां की सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी.

उन्होंने कहा कि मंत्रियों ने दोनों ओर से छात्रों की गतिशीलता, शिक्षकों का आदान-प्रदान और अनुसंधान पर जोर देने के साथ ही उच्च शिक्षा में दोनों देशों की बढ़ती साझेदारी को मजबूत बनाने बारे में चर्चा की. प्रधान ने जोर दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 देश के युवाओं की आकांक्षाओं और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा भारत को वैश्विक ज्ञान केंद्र बनाने में अहम भूमिका निभाएगी.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्या है महत्व- पिछले साल जुलाई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दे दी थी, जिससे स्कूली और उच्च शिक्षा दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रूपांतरकारी सुधार के रास्ते खुल गए. यह 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है और यह 34 साल पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई), 1986 की जगह ली है. सबके लिए आसान पहुंच, इक्विटी, गुणवत्ता, वहनीयता और जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर निर्मित यह नई शिक्षा नीति सतत विकास के लिए एजेंडा 2030 के अनुकूल है और इसका उद्देश्य 21वीं सदी की जरूरतों के अनुकूल स्कूल और कॉलेज की शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला बनाते हुए भारत को एक ज्ञान आधारित जीवंत समाज और ज्ञान की वैश्विक महाशक्ति मे बदलना और प्रत्येक छात्र में निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है.

स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर एक समान पहुंच- एनईपी 2020 स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों प्री-स्कूल से माध्यमिक स्तर तक सबके लिए एकसमान पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर देती है. स्कूल छोड़ चुके बच्चों को फिर से मुख्य धारा में शामिल करने के लिए स्कूल के बुनियादी ढांचे का विकास और नवीन शिक्षा केंद्रों की स्थापना की जानी है.

इस नई शिक्षा नीति में छात्रों और उनके सीखने के स्तर पर नज़र रखने, औपचारिक और गैर-औपचारिक शिक्षा सहित बच्चों की पढ़ाई के लिए बहुस्तरीय सुविधाए उपलब्ध कराने, परामर्शदाताओं या प्रशिक्षित सामाजिक कार्यकर्ताओ को स्कूल के साथ जोड़ने, कक्षा 3, 5 और 8 के लिए एनआईओएस और राज्य ओपन स्कूलों के माध्यम से ओपन लर्निंग, कक्षा 10 और 12 के समकक्ष माध्यमिक शिक्षा कार्यक्रम, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, वयस्क साक्षरता और जीवन-संवर्धन कार्यक्रम जैसे कुछ प्रस्तावित उपाय हैं. एनईपी 2020 के तहत स्कूल से दूर रह रहे लगभग 2 करोड़ बच्चों को मुख्य धारा मे वापस लाया जाएगा.

चारधाम यात्रियों की संख्या से बैन हटा

नैनीताल, (एजेंसी)। देश की ऐतिहासिक चारधाम यात्रा पर असीमित संख्या में तीर्थयात्री जा सकेंगे। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने मंगलवार को तीर्थयात्रियों की संख्या पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया। तीर्थयात्रियों के लिये अब पंजीकरण कराना आवश्यक नहीं है। चारधाम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट साथ लाना अनियार्य है। कोर्ट ने सरकार को चारधाम यात्रा में सुविधाओं में बढ़ोतरी करने के भी निर्देश दिये हैं। अब श्रद्धालुओं की संख्या पर कोई रोक नहीं रहेगी।

मामले की सुनवाई मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश आर एस चौहान एवं न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की युगलपीठ में हुई। सरकार की ओर से पिछले सप्ताह एक प्रार्थना पत्र देकर अदालत से पुराने आदेश में संशोधन कर तीर्थयात्रियों की सीमित संख्या पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की गई थी। सरकार की ओर से महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) एसएन बाबुलकर और मुख्य स्थायी अधिवक्ता (सीएसी) चंद्रशेखर रावत की ओर से कहा गया कि तिरुपति बाला जी धाम और सोमनाथ मंदिरों में तीर्थयात्रियों की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं लगा है। तिरुपति धाम में 28 हजार तीर्थयात्री और सोमनाथ मंदिर में 18 हजार से अधिक तीर्थयात्री प्रतिदिन दर्शन को जा रहे हैं।

एसओपी का पूरा ध्यान रखें श्रद्धालु : मुख्यमंत्री धामी

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे कोविड गाइडलाइन को ध्यान में रखते हुए चारधाम के लिए जारी मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पूरा पालन करें और यात्रा पर निकलने से पहले अपने सभी जरूरी दस्तावेज और कोविड-19 निगेटिव रिपोर्ट और वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट को साथ में अवश्य लाएं। मंगलवार सुबह केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण कार्यो का निरीक्षण करने के बाद अपराह्न देहरादून वापस आकर श्री धामी ने अपने आवास स्थित जनता दर्शन हॉल में संवाददाता सम्मेलन में यह अपील की। उन्होंने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय ने चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन निर्धारित सीमा को हटा दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है यात्रा भी चलती रहे और यात्रियों की सुरक्षा भी रहे।

गांधीनगर ननि चुनाव में भाजपा को 41 सीटें

गांधीनगर, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात में भाजपा ने गांधीनगर महानगरपालिका में हुए चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारी जीत हासिल की है।

हालांकि पार्टी ने इसके साथ ही हुए तीन नगरपालिकाओं के चुनाव में से दो में ही में जीत सकी। कांग्रेस ने देवभूमि द्वारका जिले की भानवड़ नपा का चुनाव जीत लिया।

राज्य चुनाव आयोग की ओर से जारी नतीजों के अनुसार भाजपा ने गांधीनगर मनपा के तीन अक्टूबर के चुनाव की सोमवार को हुई मतगणना के दौरान कुल 11 वार्ड की 44 में से 41 सीटों पर जीत हासिल की है। भाजपा की तरह ही सभी 44 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली मुख्य विपक्षी कांग्रेस को मात्र दो सीटें और 40 सीटों पर प्रत्याशी खड़े करने वाली आम आदमी पार्टी यानी आप को मात्र एक सीट पर जीत मिली है।

मनाबे, हैसलमैन और पैरिसी को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम, (एजेंसी)। स्युकुरो मनाबे, क्लाउस हैसलमैन और जियोर्जियो पैरिसी को 2021 के भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया है, जिसका आधा हिस्सा श्री मनाबे और श्री हैसलमैन को तथा बाकी आधा हिस्सा श्री पैरिसी को प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है।

नोबेल पुस्कार प्रदान करने वाली रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने मंगलवार को यह घोषणा की। एकेडमी ने बताया कि श्री मनाबे और श्री हैसलमैन को पृथ्वी की जलवायु की फिजिकल मॉडलिंग और परिवर्तनशीलता की मात्रा निर्धारित करने एवं ग्लोबल वार्मिंग का विश्वसनीय पूर्वानुमान लगाने के लिए तथा श्री पैरिसी को परमाणु से लेकर ग्रहों तक के पैमाने पर भौतिक प्रणालियों में विकार और उतार-

हैसलमैन मनाबे पैरिसी

चढ़ाव की परस्पर क्रिया की खोज के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। एकेडमी ने कहा कि स्युकुरो मनाबे और क्लाउस हैसलमैन ने पृथ्वी की जलवायु और इस पर मानवता के प्रभाव के बारे में हमारे ज्ञान की नींव रखी। जियोर्जियो पैरिसी को अव्यवस्थित सामग्री और अनियमित प्रक्रियाओं के सिद्धांत में उनके क्रांतिकारी योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया है।

एफबी बंद होने से जुकरबर्ग को 45,000 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कई घंटों तक फेसबुक और व्हाट्स एप जैसे सोशल मीडिया एप्लीकेशन बंद होने से जहां फेसबुक फाउंडर मार्क जुकरबर्ग को तो नुकसान हुआ है, वहीं फेसबुक के शेयरों में निवेश करने वाले ग्लोबल इंवेस्टर्स को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

फेसबुक के एक शेयर पर निवेशकों को करीब 1250 रुपए का नुकसान हुआ है। जबकि जुकरबर्ग को कुल 6.11 बिलियन डॉलर यानी 45 हजार करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। एफबी डाउन होने से जुकरबर्ग को हर घंटे 8700 करोड़ का नुकसान हुआ, वे अरबपतियों की लिस्ट में नीचे आ गए।

युद्ध क्षमता एलएसी पर चीन ने तैनात किए विमान, एयर चीफ मार्शल चौधरी बोले- करारा जवाब मिलेगा

अवैध गतिविधि का सामना करने वायुसेना तैयार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (1आईएएफ) के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने मंगलवार को बड़ी जानकारी देते हुए कहा कि चीनी वायु सेना के जवान अभी भी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के तीन एयर बेसों पर मौजूद हैं। अगर वे किसी भी तरह की अवैध गतिविधि करते हैं तो हमारे जवान इसका सामना करने कि लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारतीय वायु सेना की 89वीं वर्षगांठ पर मीडिया को संबोधित करते हुए, एयर चीफ मार्शल ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी वायुसेना के जवान

अभी भी एलएसी के तीन एयर बेसों पर मौजूद है। लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि इनका सामना करने के लिए हमारे जवान भी पूरी तरह से तैयार हैं। वहीं लद्दाख के पास चीनी वायु सेना की क्षमताओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमारे जवानों द्वारा कई ऊंचाई वाले मिशन शुरू करने के बाद चीन की क्षमता कमजोर होगी। चौधरी ने यह भी कहा कि राफेल, अपाचे के शामिल होने से हमा री युद्ध क्षमता में काफी इजाफा हुआ है।

नई युद्ध प्रणालियों पर जोर

उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना यह नई युद्ध प्रणालियों पर जोर दे रही है ताकि वे अपने विरोधियों का मजबूती से सामना कर सके। उन्होंने कहा कि राफेल अपाचे को शामिल करने से हमारी युद्ध क्षमता में काफी वृद्धि हुई है। एकीकरण के साथ हमारी आक्रामण क्षमता और भी अधिक शक्तिशाली हो गई है। हमारे बेड़े में नए हथियारों को भी शामिल किया गया है।

पाक और पीओके में बने हवाई पट्टी से कोई टेंशन नहीं

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान और पीओके के क्षेत्रों में हवाई पट्टी बनने के संबंध में हमें चिंतित नहीं होना चाहिए क्योंकि वे छोटे स्ट्रिप्स हैं जो कुछ हेलीकॉप्टरों को संभालने में सक्षम हैं। पाकिस्तान ने अफगान सीमा की ओर जो हवाई पट्टी बनाई है, वह हो सकता है अपने लोगों को बचाने के लिए हो।

सार समाचार

खार्तूम में सुरक्षा बलों की छापेमारी : चार आतंकवादी ढेर, एक अधिकारी की भी मौत

काहिरा। सूडान के सुरक्षा बलों ने सोमवार को राजधानी खार्तूम में कई जगह छापेमारी के दौरान इस्लामिक स्टेट संगठन के चार संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया। इस अभियान में एक सैन्य अधिकारी की भी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी दक्षिणी खार्तूम के गाबरा में वहीं की गई, जहां पिछले सप्ताह संदिग्ध आईएस आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में पांच खुफिया अधिकारी मारे गए थे। 'जनरल इंटेलिजेंस एजेंसी' (जीआईए) ने एक बयान में बताया कि दो अन्य ठिकानों से बल ने चार अन्य संदिग्ध आतंकवादियों को हिरासत में भी लिया है। आतंकवादियों ने कलाश्निकोव राइफलों, आरपीजी और हथगोले से बलों पर हमला किया था। बयान में बताया गया कि तीन अधिकारी भी घायल हो गए। जीआईए ने बताया कि उसके बलों ने रविवार को खार्तूम के ओमदुरमन में भी एक ठिकाने पर छापा मारा था, जहां से आठ संदिग्ध विदेशी आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया था।

संयुक्त अरब अमीरात में भारतीयों के समूह ने एक करोड़ दिरहम की लॉटरी जीती

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। कतर स्थित हाइपर मार्केट चेन में काम करने वाले 40 सदस्यों के एक समूह ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक लकी ड्रॉ में एक करोड़ दिरहम की लॉटरी जीती है। इस समूह में 38 भारतीय सदस्य हैं। मीडिया में सोमवार को आयी खबरों में यह जानकारी दी गयी। खलीज टाइम्स की खबरों में कहा गया है कि विजेता टिकट, बिग टिकट लॉटरी से भारतीय प्रवासी नाहील निजामुद्दीन के नाम पर अबु धाबी में खरीदा गया था। खबरों के मुताबिक निजामुद्दीन, केरल के रहने वाले हैं। उनसे रविवार शाम से संपर्क नहीं हो सका, इसलिए लॉटरी आयोजकों को इनाम के बारे में सूचना देने के लिए भारत में उनके माता-पिता से संपर्क करना पड़ा।

दक्षिण कोरिया में 10 में से 9 वयस्कों को वैक्सीन की मिली पहली खुराक

सियोल। स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण कोरिया के 10 में से नौ वयस्कों को कोविड-19 वैक्सीन का एक खुराक मिला है, जिससे देश को हर्ड इम्युनिटी बनाने के लक्ष्य के करीब पहुंचने में मदद मिली है। योनहाप समाचार एजेंसी ने कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) के हवाले से बताया कि अब तक कुल 3.91 करोड़ लोगों ने अपनी पहली खुराक ली है, जो देश की 5.13 करोड़ आबादी का 77.4 प्रतिशत या 18 साल से अधिक उम्र के लोगों का 90 प्रतिशत है। केडीसीए ने कहा कि पूरी तरह से टीकाकरण करने वाले लोगों की संख्या 2.72 करोड़ या कुल का 53 प्रतिशत या वयस्क आबादी का 61.6 प्रतिशत है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि देश अक्टूबर के अंत तक 70 प्रतिशत से अधिक आबादी को पूरी तरह से टीका लगाने में सक्षम हो जाएगा। टीकाकरण और सुचारू टीके की आपूर्ति के लिए लोगों की इच्छा के लिए धन्यवाद दिया। टीकाकरण कार्यक्रम के प्रभारी होंग जंग-इक ने कहा, अधिक टीकाकरण दर से लोगों को सामान्य होने में मदद मिलने की उम्मीद है। केडीसीए के अनुसार, फरवरी के अंत में शुरू हुए टीकाकरण अभियान के शुरूआती चरण में बुजुर्गों की आबादी को प्राथमिकता दी गई थी, क्योंकि 60 और उससे अधिक उम्र के लोगों में टीकाकरण की दर उनके 20, 30 और 40 लोगों की उम्र की तुलना में अधिक थी।

पाकिस्तानी धार्मिक संगठन ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता देने की मांग की

पेशावर। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद एक परिवर्तित और प्रबुद्ध चेहरा होने के उसके दावों को दुनिया में मान्यता प्राप्त करने में अभी भी समय लग रहा है। अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार की स्थापना को अभी तक दुनिया भर के किसी भी देश द्वारा मान्यता नहीं मिली है, क्योंकि तालिबान को अभी भी अपने वादों को पूरा करना है। जैसा कि दुनिया को अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार को मान्यता देने में समय लग रहा है, पाकिस्तान ने भी वेट एंड वॉच की अपनी नीति को अपनाने का विकल्प चुना है। एक ऐसा रुख जिसकी अब देश के धार्मिक राजनीतिक दलों द्वारा आलोचना की जा रही है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी धार्मिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी (जेआई) ने प्रधानमंत्री इमरान खान से अफगानिस्तान में तालिबान शासन को तुरंत मान्यता देने की मांग की है, जिसका उद्देश्य युद्धग्रस्त देश और क्षेत्र में शांति का मार्ग प्रशस्त करना है। जेआई के प्रमुख सिराजुल हक ने कहा, इस्लामी देशों को तालिबान सरकार को मान्यता देने के लिए इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की एक बैठक बुलानी चाहिए। हक ने अमेरिका पर भी निशाना साधा और अफगानिस्तान में उसके 20 साल के युद्ध में हजारों लोगों की हत्या के लिए वाशिंगटन से माफी मांगने की मांग की।

वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना के जवानों ने टीटीपी के सामने किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली। पाकिस्तान सेना के कुछ जवानों ने वजीरिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) सशस्त्र मिलिशिया के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पाकिस्तानी मानवाधिकार कार्यकर्ता की ओर से ट्विटर पर साझा किए गए एक बयान में यह जानकारी दी गई है।

पाकिस्तानी मानवाधिकार कार्यकर्ता आरिफ आजाकिया ने एक तस्वीर के साथ ट्विटर पर कहा, आत्मसमर्पण की परंपरा को बनाए रखते हुए.. मिराली, वजीरिस्तान में आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान टीटीपी द्वारा परेड करते हुए आत्मसमर्पण किए गए पाकिस्तानी सेना के जवान।

इन तीन गंभीर संकटों से जूझ रहा चीन, अर्थव्यवस्था डूबने का बढ़ा खतरा

कोलंबो। (एजेंसी)।

चीन देश इस समय तीन गंभीर मुसीबतों से जूझ रहा है। हिंदी ऑनलाइन मीडिया चैनल जागरण के हवाले से लिखी एक खबर के मुताबिक, चीन इस वक्त तीन सबसे बड़े संकटों से जूझ रहा है जिसमें पहला है, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, दूसरा रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड पर वित्तीय संकट और तीसरा बिजली के उत्पादन में कमी। पहले संकंत के अतंगर्त बीआरआइ को लेकर दुनिया के कई देशों में ढांचागत परियोजनाएं निरस्त की जा रही है वहीं, चीन के रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड पर वित्तिय संकट छाया हुआ और और तीसरा बिजली के कम उत्पादन के कारण चीन के शहरों में पालर कट होने का खतरा बढ़ रहा है। बता दें कि इन तीनों में चीन के लिए सबसे बड़ा संकट बीआरआइ है।

क्या है चीन का बीआरआइ संकट

आपको बता दें कि, चीन ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को सरप्लस पूंजी के निवेश के लिए बनाया गया था और पिछले 20 सालों में चीन का निर्यात काफी ऊंचा रहा और इसी के लिए चीन ने यह योजना बनाई थी। इस योजना के लिए चीन ने दुनिया के कई देशों से कर्ज उठाया ताकि अपने देश में बुनियादी संरचना को खड़ा किया जा सके लेकिन चीन की मुसीबत साल 2019 को बढ़ी जब विश्व बैंक ने चीन की बीआरआइ योजना का अध्ययन करना शुरू किया जिसमें पाया गया कि इस परियोजनाओं से स्थानीय देशों को काफी लाभ होगा। हालांकि, चीन की इस योजना में भारी भ्रष्टाचार शामिल है जिसको देखते हुए कई देश इस परियोजना से अपने आपको दुर करने में जुट गए है। बता दें कि मालदीव देश चीन के इस योजना का पूरा समर्थन करता आ रहा था लेकिन पिछले दिनों मालदीव में चुनाव हुए जिसके तहत प्रोग्रेसिव पार्टी को हार का सामना करना पड़ा और मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी ने जीत हासिल की और मालदीव की डेमोक्रेटिक पार्टी चीन के बीआरआइ योजना का हमेशा से विरोध करते नजर आई थी। वहीं मलेशिया के पीएम ने चीन की बीआरआइ योजना को उपनिवेशवाद का नया रूप बताया था। इसके अलावा म्यांमार नइस परिचोजना से हट चुकी है और श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान ने भी परियोजनाओं को नया स्वरूप देने का आग्रह कर रहा है। चीन की बीआरआइ योजना से लाभ तो होगा लेकिन इसमें अभी भी कई खामियां है वहीं तअगर चीन की यह योजना सफल नहीं हो पाई तो इसका डूबना निश्चित है। वहीं भारत को अपनी भूमिका निभाते हुए इस पर बड़ा कदम उठाने की जरूरत है नहीं तो भारत का माल विश्व बजार में चीन की तुलना ज्यादा मंहगा हो जाएगा।

चीन का दूसरा संकट एवरग्रैंड कंपनी

चीन में कोरोना महामारी को देखते हुए कई फ्लैटों की बिक्री में कमी आई है जिससे एवरग्रैंड संकट बढ़ता जा रहा है। देश की इकॉमनी बचाने के लिए चीनी सरकार ने सरकारी इकाइयों को आदेश दिया है

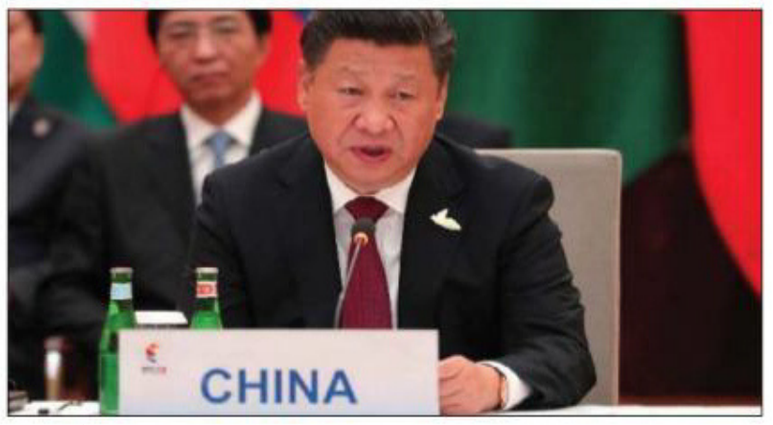

कि,एवरग्रैंड की परियोजनाओं को खरीद लिया जाए। इससे कंपनी को डूबने से बचाया जा सकता है।

चीन का तीसरा संकट बिजली

चीन के पीएम शी ने देश में प्रदूषण को कम करने के लिए थर्मल बिजली संयंत्रों का आदेश सुनाया। इन नियमों का पालन करने के चक्कर में देश के कई बिजली संयंत्रों को बंद करने का ऐलान किया गया, इससे बिजली का उत्पादन कम हो गया। कई बिजली कर्पनियों ने बिजली देनी बंद कर दी, कई शहरों में पावर कट लागू किए गए। चीन का संकट उसकी खुद की गलती है। चीन स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाने में लगा हुआ है जिसके तहत चीन ने यह सख्त कदम उठाया।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कहा, सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार को लेकर बहुत चिंतित हैं

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत ने शांति एवं सुरक्षा को खतरे में डालने वाले सामूहिक विनाश के हथियारों (डब्ल्यूएमडी) और उन्हें ले जाने वाली प्रणाली के प्रसार पर गहरी चिंता जतायी और कहा कि ऐसे हथियारों तक आतंकवादियों की पहुंच बनने की आशंका के कारण वैश्विक समुदाय को इस गंभीर खतरे से निपटने के लिए एक साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है। निरस्त्रीकरण पर सम्मेलन (सीडी), जिनेवा में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पंकज शर्मा ने कहा कि भारत इन खतरों और अपने वार्षिक संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्ताव 'सामूहिक विनाश के हथियारों को हासिल करने से आतंकवादियों को रोकने के उपायों' के जरिए इनसे निपटने पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता की ओर दुनिया का ध्यान खींचता रहा है। उन्होंने

सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र की प्रथम समिति की आम चर्चा में कहा, ''हम सामूहिक विनाश के हथियारों और उनकी डिलीवरी प्रणाली के प्रसार को लेकर बहुत चिंतित हैं जो अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को खतरे में डालती है।

आतंकवादियों के सामूहिक विनाश के हथियारों को हासिल करने की आशंका के कारण सदस्य देशों को इस गंभीर खतरे से निपटने के लिए एक साथ मिल कर काम करने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के हाथों में हथियार अवैध छोटे हथियारों और हल्के हथियारों का सबसे खतरनाक रूप है। उन्होंने कहा, ''अत- भारत आतंकवाद और पारदेशीय अपराध से निपटने के माध्यमों के तौर पर संयुक्त राष्ट्र कार्रवाई कार्यक्रम का पूरी और प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन को अहमियत देता है।'' शर्मा ने प्रथम समिति के सत्र में ये टिप्पणियां की जो निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों से निपटती है। उन्होंने कहा कि भारत सार्वभौमिक, गैर-भेदभावपूर्ण और सत्यापित परमाणु निरस्त्रीकरण के लक्ष्य को लेकर प्रतिबद्ध है। भारतीय राजदूत ने कहा कि भारत परमाणु हथियार संपन्न एक जिम्मेदार देश है और परमाणु हथियार का पहले इस्तेमाल न करने और गैर परमाणु संपन्न देशों के खिलाफ इसका प्रयोग न करने के रुख के साथ अपने परमाणु सिद्धांत को लेकर प्रतिबद्ध है।

चीन और पाकिस्तान के सैनिकों ने एससीओ के तहत आतंकवाद रोधी अभ्यास में हिस्सा लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी ढांचे (आरएटीएस) के तहत पाकिस्तान में आयोजित पहला आतंकवाद-रोधी अभ्यास सोमवार को संपन्न हो गया, जिसमें चीन और पाकिस्तान के सैनिकों नेअपने अनुभव साझा किए।

पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में कहा कि आतंकवाद रोधी संयुक्त अभ्यास (जेएटीई) - 2021 का समापन समारोह उत्तर-पश्चिमी खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी केंद्र, पब्बी में आयोजित किया गया।

बयान में कहा गया, ''अभ्यास अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का मुकाबला करने में सहयोग और एकजुटता बढ़ाने पर केंद्रित है।'' चीन और पाकिस्तान के सैनिकों ने अभ्यास में भाग लिया और उभरते खतरों का मुकाबला करने के लिए उपयोग की जा रही उभरती प्रौद्योगिकियों को लेकर अपने अनुभव साझा किये।

दो सप्ताह तक चला यह अभ्यास 21 सितंबर को शुरू हुआ था, जो इसका दूसरा चरण था। पहला चरण 26 से 31 जुलाई तक आयोजित किया गया था।

जर्मनी में रोजगार अगले साल 2022 में पूर्व-महामारी के स्तर पर पहुंच जाएगा

बर्लिन (एजेंसी)।

रोजगार अनुसंधान संस्थान (आईएबी) ने एक पूवार्नुमान में कहा है कि जर्मनी में रोजगार 2022 में पूर्व-कोविड -19 महामारी के स्तर पर वापस आ सकता है और उससे भी अधिक हो सकता है। समाचार एजेंसी ने पूवार्नुमान के हवाले से कहा कि कोविड -19 संकट के बाद, जर्मनी में सामाजिक सुरक्षा योगदान के अधीन कर्मचारियों की संख्या 2022 में 550,000 से बढ़कर 344.2 लाख हो सकती है। आईएबी के शोध प्रमुख इंजो वेबर ने एक बयान में कहा, यह नई रिकॉर्ड ऊंचाई स्थापित करेगा। हालांकि, सामाजिक सुरक्षा योगदान के अधीन रोजगार अभी भी विकास के रास्ते से काफी दूर है जो संकट के बिना अपेक्षित होता। आईएबी को उम्मीद है कि जर्मन अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों में रोजगार बढ़ेगा। विशेष रूप से वर्ष की दूसरी छमाही में खानपान और पर्यटन के साथ-साथ परिवहन, सांस्कृतिक, खेल और व्यापार मेला क्षेत्रों में रिकवरी की उम्मीद है। कोविड -19 महामारी से आर्थिक सुधार के मद्देनजर श्रम की मांग बढ़ने के साथ, श्रम बाजार में अड़चनें एक बार फिर और अधिक प्रासंगिक हो जाएंगी। वेबर ने कहा, यह वर्तमान में आतिथ्य उद्योग के कुछ हिस्सों जैसे क्षेत्रों को प्रभावित कर रहा है, जिन्होंने लॉकडाउन के दौरान बहुत सारे कर्मचारियों को खो दिया है और जिन्हें अब कम समय में बहाल करने की आवश्यकता है। आईएबी के अनुसार, जर्मनी में बेरोजगारी दर 2022 में मौजूदा 5.4 प्रतिशत से घटकर 5.1 प्रतिशत हो जाएगी, जो 2019 की तुलना में थोड़ा अधिक है।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान ने फिर उठाया कश्मीर मुद्दा, भारत ने लगाई फटकार

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर मुद्दे को फिर से उठाने के लिए पाकिस्तान पर कड़ा प्रहार करते हुए भारत ने कहा कि ऐसे देश से रचनात्मक योगदान की उम्मीद नहीं की जा सकती, जिसके पास आतंकवादियों की मेजबानी करने की एक स्थापित प्रथा है, जो वैश्विक आतंकवाद का ''केन्द्र'' है और दुनिया को अस्थिर करने वाली सबसे बड़ी ताकत है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के सलाहकार, ए. अमरनाथ ने सोमवार को कहा कि भारत को ऐसे देश से सलाह की जरूरत नहीं है, जिसका परमाणु सामग्री एवं प्रौद्योगिकी के अवैध निर्यात का एक सिद्ध इतिहास रहा है। अमरनाथ ने कहा, '' पाकिस्तान की बहुपक्षीय मंचों की शुचिता का हनन करने और झूठ को हवा देने की कोशिशों की हमें मिलकर निंदा करनी चाहिए। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ कई निरर्थक एवं निराधार आरोप लगाए हैं, जिसमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केन्द्र शासित प्रदेशों के संबंध में की गई टिप्पणियां भी शामिल हैं। ये प्रतिक्रिया के योग्य नहीं हैं, क्योंकि ये भारत के आंतरिक मामलों से संबंधित हैं।''

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम द्वारा निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों से संबंधित महासभा की समिति की बैठक के दौरान जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को उठाने के बाद भारत ने अपने उत्तर के अधिकार का प्रयोग किया। अमरनाथ ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर का पूरा केन्द्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा था .. है..और रहेगा। उन्होंने कहा, '' इसमें वे इलाके भी शामिल हैं, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में हैं। हम पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले सभी क्षेत्रों को तुरंत खाली करने का आह्वान करते हैं।

आतंकवादियों की मेजबानी, सहायता और सक्रिय रूप से समर्थन देने के उसके स्थापित अभ्यास को देखते हुए, कोई भी पाकिस्तान से उस समिति के लिए किसी भी रचनात्मक योगदान की उम्मीद कैसे कर सकता है, जो अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के महत्वपूर्ण मामलों से संबंधित है।'' पाकिस्तानी दूत द्वारा नयी दिल्ली में भारत के रक्षा शस्त्रागार का भी जिक्र करने पर पलटवार करते हुए अमरनाथ ने कहा, ''एक जिम्मेदार देश के रूप में, भारत अंतरराष्ट्रीय संधियों के तहत अपने दायित्वों का सख्ती से पालन करता है और ऐसे किसी देश से किसी भी सलाह की आवश्यकता नहीं है, जिसका अवैध निर्यात का एक सिद्ध इतिहास है। '' उन्होंने कहा, '' भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताएं एक क्षेत्र तक ही सीमित नहीं हैं और इसलिए, भारत ने हमेशा वैश्विक संदर्भ में इन मुद्दों पर गौर किया है।''

तालिबान ने नहीं भरा बिजली का बिल! पूरे काबुल पर छा सकता है अंधेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जब से अफगानिस्तान में तालिबान का सत्ता आया है तभी से लोगों की जिंदगी में अंधकार छा गया है। इस तालिबानी हुकुमत में अफगान के लोगों पर एक पर एक मुसीबतों का पहाड़ टूट रहा है। बता दें कि अफगानिस्तान जहां एक तरफ ठंड बढ़ती जा रही है वहीं राजदानी काबुल में अंधेरा छा गया है।

एक खबर के मुताबिक, नए तालिबान शासकों ने सेंट्रल एशियन इलेक्ट्रिकसिटी सप्लायर्स के बकाया बिल का भुगतान ही नहीं किया है।वाल स्ट्रीट जरनल के अनुसार, तालिबान शासन के आते ही अफगानिस्तान के सरकारी ऊर्जा प्राधिकरण दाऊद नूरजई ने इस्तीफा दे दिया था और इस्तीफा देते समय चेतावनी भी दी थी कि, बिजली के बिल का भुगतान नहीं किया गया है और अगर इसका भुगतान जल्द ही नहीं कराया गया तो आने वाले समय में हालात काफी विनाशकारी हो सकते है। 15 अगस्त को काबुल की धरती पर तालिबानियों ने अपने पैर जमाए थे और इससे दो हफ्ते पहले ही दाऊद नूरजई ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा कि, हालात नहीं संभले तो काबुल ही नहीं पूरे अफगानिस्तान में ब्लैकआउट हो जाएगा जो कि बेहद घातक साबित होगा।

क्या चीन सैनिकों की है अफगानिस्तान पर मौजूदगी

बताया जा रहा है कि, अफगानिस्तान पर चीनी और विदेशी सैनिकों की मौजूदगी है लेकिन इस बात को इंकार करते हुए सांस्कृतिक आयोग के सदस्य ओमर मंसूर ने बताया कि, चीनी समेत किसी भी विदेशी सेना की अफगानिस्तान पर मौजुदगी नहीं है। वहीं , निवासियों के मुताबिक, एयरबेस पर लाइट जलती दिखाई दी है, लेकिन मंसूर ने जानकारी देते हुए सफाई दी कि यह बत्तियां तालिबानियों ने जलाई है।

चेहरे की किताब के अनसुने पन्ने हुए उजागर, विभिन्न देशों की राजनीति को प्रभावित करने के साथ ही हेट स्पीच को भी बढ़ावा देता है फेसबुक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चेहरे की किताब यानी फेसबुक जिसके जरिए हम दोस्तों से जुड़े रिश्तेदारों से जुड़े। एक ऐसा सोशल मीडिया प्लेटफार्म जहां आप पोस्ट या फोटोज डालकर ये बता सकते हैं कि क्या कर रहे हैं, क्या सोच रहे हैं। इसके सबसे ज्यादा यूजर भारत में हैं। फेसबुक के जरिए हमें दोस्तों का रिश्तेदारों का और खबरों का भी हाल पता चलता है। यूं तो दुनियाभर में फेसबुक और उसके दोनों प्लेटफॉर्म व्हाट्सअप और इंस्टाग्राम का जलवा है। लेकिन भारत में इनकी लोकप्रियता चौंकाने वाली है। तीनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने बीते डेढ़ दशक के भीतर खास मुकाम हासिल किया है। लेकिन बीते दिन फेसबुक और उसके दोनों प्लेटफॉर्म के ठप्प होने की खबरें सुर्खियों में रही। जिसकी वजह से ट्विटर पर लोगों की खूब प्रतिक्रिया भी देखने को मिली। लेकिन इन सब बातों से इतर आज बात इससे आगे की करेंगे। एक खुलासे की करेंगे जिसने फेसबुक की विश्वसनियता को एक बार फिर सवालों के कटघरे में खड़ा कर दिया है।

दरअसल, एक डेटा साइंटिस्ट और फेसबुक व्हिसलब्लोअर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को लेकर कई विस्फोटक खुलासे किए हैं और गंभीर सवाल भी उठाए हैं। फ्रांसेस हॉगन नामक व्हिसलब्लोअर ने 60 मिनट के अपने इंटरव्यू में फेसबुक से संबंधित कई ऐसी बातें बताईं हैं जिससे उसकी निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। टेलीविजन शो 60 मिनट पर सामने आईं फ्रांसेस हॉगन ने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया कंपनी लाभ कमाने के लिए हेट स्पीच बढ़ावा देता है और अपने दावे से इतर हमेशा झूठ बोलता है। हॉगन की तरफ से किए गए दावे के अनुसार वो हमेशा नफरत फैलाने वाली बातों पर रोक लगाने की बजाय अपने हित और फायदों को ज्यादा तवज्यो देता है।

कौन हैं फेसबुक पर खुलासा करने वाली हॉगेन

फ्रांसेस हॉगेन 37 वर्ष की एक डेटा साइंटिस्ट हैं। जिनके पास कंप्यूटर इंजीनियरिंग में डिग्री और व्यवसाय में हार्वर्ड मास्टर डिग्री है। 15 वर्षों तक उन्होंने Google और Pinterest जैसी कंपनियों के लिए काम किया है। उनका कहना है कि मैंने सोशल नेटवर्क का एक समूह देखा है और यह फेसबुक पर पहले की तुलना में काफी खराब था।

पैसा कमाने को दी अहमियत

फ्रांसेस हॉगेन ने दावा किया कि फेसबुक ने हमेशा अपने यूजर्स की सुरक्षा से ज्यादा प्रॉफिट को अहमियत दी। 2021 की दूसरी तिमाही तक फेसबुक के लगभग 2.8 बिलियन एक्टिव यूजर्स थे। 60 मिनट के होस्ट स्कॉर्ट पेले से बात करने हुए वो कहती हैं कि लोगों के लिए क्या अच्छा था और फेसबुक के लिए क्या अच्छा था। इन दोनों को लेकर संघर्ष था और फेसबुक ने खुद के हितों के लिए बार-बार अधिक पैसा कमाने को चुना। हॉगेन ने जिन एल्गोरिदम का उल्लेख किया था, उन्हें 2018 में प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया गया था। फेसबुक ने इसका इस्तेमाल अपने यूजर्स में भय और नफरत पैदा करके प्लेटफॉर्म पर लोगों की मौजूदगी को बढ़ाने के लिए किया। उन्होंने कहा कि कल्पना कीजिए कि आप जानते हैं कि फेसबुक के अंदर क्या चल रहा है और आप जानते हैं कि बाहर कोई नहीं जानता। मुझे पता था कि अगर मैं फेसबुक के अंदर रहना जारी रखता हूं तो मेरा भविष्य कैसा दिखता।

कई देशों की राजनीति को प्रभावित कर रहा फेसबुक

फ्रांसेस ने फेसबुक में नौकरी की थी और उन्होंने कई दस्तावेज कॉपी भी किये, क्योंकि उन्हें कहीं न कहीं फेसबुक की कथनी और करनी में अंतर लगा था। फ्रांसेस ने एक स्टडी में बताया कि फेसबुक ने हेट स्पीच पर 3 से 5 प्रतिशत ही कदम उठाए हैं और 'हिंसा और भड़काने' वाली गतिविधियों के अंतर्गत केवल 1त्न पर। इसके साथ ही हॉगन ने कहा कि जब हम एक ऐसे सूचना वातावरण में रहते हैं जो क्रोधित, घृणास्पद, ध्रुवीकरण वाली सामग्री से भरा होता है, तो यह हमारे सामाजिक समरसता को प्रभावित करता है और एक-दूसरे में हमारे विश्वास को भी संदेहास्पद बना देता है। फेसबुक पर आज भी ऐसे संस्करण मौजूद हैं जो हमारे समाजों को तोड़ रहे हैं और दुनिया भर में जातीय हिंसा का कारण भी बन रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने 2018 में म्यांमार सहित जातीय हिंसा का जिक्र कर कहा कि 'सेना ने नरसंहार शुरू करने के लिए फेसबुक का इस्तेमाल किया।

दिल्ली में बगैर राशन कार्ड वालों को केजरीवाल सरकार ने दी बड़ी राहत

जरूरतमंद लोगों को मिलता रहेगा मुफ्त राशन

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)।

केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में रह रहे आर्थिक रूप से कमजोर उन जरूरतमंदों को बड़ी राहत दी है, जिनके पास राशन कार्ड नहीं है। ऐसे जरूरतमंद लोगों को आगे भी मुफ्त राशन मिलता रहेगा। दिल्ली सरकार ने कोरोना के दौरान लॉकडाउन के चलने प्रभावित हुए प्रवासी श्रमिकों, असंगठित श्रमिकों, भवन निर्माण श्रमिकों, घरेलू नौकरों आदि, जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, उन जरूरतमंदों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से 25 मई 2021 को मुफ्त राशन देने का निर्णय लिया था।

इस संबंध में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न कैबिनेट की बैठक में इसे आगे जारी रखने निर्णय लिया गया है। कैबिनेट के इस फैसले से दिल्ली में करीब 40 लाख गैर-पीडीएस लाभार्थी लाभांवित होंगे। कैबिनेट ने खाद्यान्न खरीदने, वितरण और परिवहन के लिए 48.12448 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में कोविड-19 महामारी के जारी रहने तक गैर पीडीएस लाभार्थियों को, प्रवासी कामगारों और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आगे भी

- केजरीवाल की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में लिया निर्णय
- दिल्ली में 40 लाख गैर-पीडीएस लाभार्थी होंगे लाभांवित

मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे कैबिनेट ने सर्व सम्मति से मंजूरी प्रदान कर दी। कैबिनेट में प्रस्ताव रखा गया कि कोविड-19 के दौरान लगाए गए लॉकडाउन के दौरान आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है, जिसमें विशेष रूप से जिनके पास राशन कार्ड नहीं है।

इसमें प्रवासी श्रमिक, असंगठित श्रमिक, भवन और निर्माण श्रमिक, घरेलू नौकर आदि शामिल हैं। दिल्ली कैबिनेट 25 मई 2021 ऐसे जरूरतमंद लोगों को मुफ्त सूखा राशन देने का निर्णय लिया था। एनएफएस अधिनियम 2013 के तहत निर्धारित पात्रता के अनुसार, प्रवासी श्रमिकों, असंगठित श्रमिकों, निर्माण श्रमिकों, घरेलू सहायिका सहित जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, उन जरूरतमंद लोगों को 5 किलो खाद्यान्न मुफ्त दिया गया।

इसके तहत प्रति व्यक्ति प्रति माह 4 किलो गेहूं और एक किलो चावल शामिल है। कैबिनेट के इस फैसले से दिल्ली में रह रहे करीब 20 लाख लोग लाभांवित हुए और अब लाभार्थियों की संख्या में काफी इजाफा हो गया है। इसके अलावा, एनएफएसए के तहत नियमित आवंटन के तहत 72.78 लाख पीडीएस लाभार्थियों को मुफ्त में खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

घर-घर राशन पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है सरकार : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में राशन की डोरस्टेप डिलीवरी योजना को लागू करने के लिए एक बार फिर इसकी फाइल उपराज्यपाल को भेजी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने पिछले सप्ताह दिल्ली सरकार को दिल्ली में राशन की डोरस्टेप डिलीवरी योजना को सशर्त लागू करने की अनुमति दी है, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने इसका प्रस्ताव उपराज्यपाल के पास भेजा है। मुख्यमंत्री ने उपराज्यपाल से अनुरोध किया है कि उच्च न्यायालय ने योजना को लागू करने की अनुमति दे दी है, अब आप भी दिल्ली कैबिनेट के पूर्व के निर्णय को लागू करने की मंजूरी दे दें, जिससे दिल्ली की जनता को राशन की डोरस्टेप डिलीवरी हो सके। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 27 सितंबर को एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए 22 मार्च को दिए अपने आदेश को संशोधित किया है। हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को राशन की डोरस्टेप डिलीवरी योजना को लागू करने और डोरस्टेप डिलीवरी का विकल्प चुनने वाले लाभार्थियों के अनुपात में एफपीएस को दी जा रही आपूर्ति में कटौती करने की अनुमति दी है।

अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि डोरस्टेप डिलीवरी मॉडल लाभार्थियों के लिए वैकल्पिक था और वे एफपीएस के जरिए राशन वितरण प्रणाली में वापस जाने का विकल्प चुन सकते हैं। केजरीवाल ने कहा कि अब दिल्ली उच्च न्यायालय ने राशन की डोरस्टेप डिलीवरी योजना को लागू करने का रास्ता साफ कर दिया है।

संपत्ति बदरंग अधिनियम ताख पर, दीवारों और खंभों पर लग रहे नेताओं के पोस्टर

नई दिल्ली । अगले वर्ष होने वाले निगम चुनाव को लेकर तैयारियों का दौर अभी से शुरू हो गया है। दीवारों और खंभों पर लगे बैनर और होर्डिंग्स इस बात का प्रमाण दे रहे हैं। यह स्थिति तब है, जब ऐसा करना कानूनन अपराध है। एक तरफ दक्षिणी निगम के चारों जोन में स्वच्छता अभियान पर जोर दिया जा रहा है और दूसरी तरफ विभिन्न राजनीतिक दल और निजी संस्थान संपत्ति बदरंग अधिनियम की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

उत्तम नगर, पालम, राजनगर, जनकपुरी, राजौरी गार्डन, टैगोर गार्डन, महावीर एंक्लेव, सीतापुरी, नजफगढ़, कैर गांव समेत सभी इलाकों में इस तरह की समस्याएं इन दिनों देखने को मिल रही हैं। हालांकि ये समस्या अब आम हो चुकी है, क्योंकि निगम के पास इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं है। निगम पार्षद एक तरफ खुद स्वच्छता बनाए रखने का दावा करते हैं और दूसरी तरफ मौका मिलने पर अधिकांश निगम पार्षद बैनर और पोस्टर लगाकर स्वच्छता अभियान को तार-तार कर देते हैं। गौर करने वाली बात यह है कि फंड की किल्लत से जूझ रहे निगम ने राजस्व को बढ़ाने के लिए जगह-जगह बैनर लगाने के लिए कुछ जगह संरक्षित कर रखी है। कई लोग राजस्व के भुगतान से बचने के लिए उस स्थान पर बैनर लगाने से बचते हैं। संपत्ति बदरंग अधिनियम के तहत राजधानी की सुंदरता को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रविधान है। इस अधिनियम के तहत दोषी पाए जाने पर दोषी को अधिकतम एक वर्ष की सजा या 50 हजार रुपए जुर्माने का प्रविधान है।

नहीं बरती जाती सख्ती

अवैध पोस्टरों और बैनरों को लगाने का सिलसिला बदस्तूर जारी रहता है। खासकर नजफगढ़ रोड पर स्थित मेट्रो के खंभे, द्वारका में लगी स्ट्रीट लाइटों के खंभे, फुटपाथ के पेड़ों पर यह समस्या ज्यादातर देखने को मिलती है। इसमें दुकानों, निजी शिक्षण संस्थानों के अलावा कई अन्य प्रतिष्ठानों और इलाके में होने वाले आयोजनों के पोस्टर शामिल रहते हैं। द्वारका इलाके में लोगों की शिकायत के बाद एक-दो दिनों तक सख्ती दिखाई देती है, लेकिन बाद में स्थिति जस की तस हो जाती है। इस कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर इन पोस्टरों के कारण वाहन चालकों का ध्यान भटकने का अंदेशा हर समय रहता है। ऐसे में कभी भी दुर्घटना हो सकती है।

सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर लगाना गलत

सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर लगाना बिल्कुल गलत है। निगम की ओर से इसको लेकर कार्रवाई की जाती है। हफ्ते में एक बार असिस्टेंट पब्लिक रिलेशन आफिसर पूरे इलाके का जायजा लेते हैं और जहां भी पोस्टर लगे रहते हैं, उन्हें उतारा जाता है। जरूरत पड़ने पर मामला दर्ज कराया जाता है। लोगों से अपील है कि निगम द्वारा चिह्नित स्थानों पर अनुमति के बाद ही पोस्टर लगाएं।

संक्षिप्त खबर

महापौर ने टीकाकरण केंद्र का किया औचक निरीक्षण

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के महापौर मुकेश सुर्यान ने मंगलवार को नजफगढ़ जोन के द्वारका सेक्टर-4 प्राथमिक विद्यालय में चल रहे टीकाकरण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने टीककरण केंद्र पर जाकर टीकाकरण से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया ओर साथ ही केंद्र पर आए नागरिकों से बातचीत की। निरीक्षण के दौरान

महापौर ने सुनिश्चित किया कि केंद्र पर व्यवस्थित व सुचारू रूप से टीकाकरण प्रक्रिया चल रही है। महापौर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। दक्षिणी निगम भी इस अभियान को सफल बनाने अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। दक्षिणी निगम के 49 कोविड़ टीकाकरण केंद्रों का अभी तक 12 लाख से अधिक नागरिकों का टीकाकरण किया गया। इसके अतिरिक्त महापौर ने यह भी सुनिश्चित किया कि प्राथमिक स्कूल द्वारा नियमित रूप से विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन क्लास चलाई जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि विद्यालय में सभी व्यवस्थाएं नियम के अनुसार है। दक्षिणी निगम बच्चों को उच्च स्तर की शिक्षा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ग्रीन दिल्ली ऐप लॉन्च

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए मंगलवार को एडवांस ग्रीन वार रूम और ग्रीन दिल्ली ऐप को लॉन्च किया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में पिछले साल 13 हॉट स्पॉट चिन्हित किए गए थे, इस बार 150 हॉटस्पॉट चिन्हित किए गए हैं। ग्रीन वार रूम के लिए 21 सदस्यीय टीम बनाई है। पूरे विंटर सेशन में टीम 24 घंटे सातों दिन काम करेगी। ग्रीन दिल्ली एप के माध्यम से दिल्ली का कोई भी नागरिक प्रदूषण संबंधी शिकायत ग्रीन वार रूम तक पहुंचा सकता है। जिसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले साल ऐप के माध्यम से 27 हजार शिकायतें आई थीं। जिनमें से 23 हजार से ज्यादा शिकायत दूर हुई हैं। सबसे ज्यादा शिकायत एमसीडी, डीडीए और पीडब्ल्यूडी के आयीं थी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में एडवांस ग्रीन वार रूम और ग्रीन दिल्ली ऐप लॉन्च की है। इस दौरान पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर प्रदूषण के खिलाफ अभियान के लिए कल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विंटर एक्शन प्लान की घोषणा की है। विंटर एक्शन प्लान तैयार करने के लिए अलग-अलग विभागों, एजेंसियों, आरडब्लूए सहित तमाम लोगों के साथ बैठक की। सभी लोगों से विंटर एक्शन प्लान को लेकर सुझाव लिए गए। पर्यावरण विभाग की तरफ से कल दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विंटर एक्शन प्लान का ऐलान किया। जिसमें टॉप टेन प्वाइंट हैं, जिसके आधार पर सरकार काम करेगी।

निर्माणाधीन इमारत से गिरकर मजदूर की मौत

नई दिल्ली। मैदानगढ़ी इलाके में सोमवार दोपहर निर्माणाधीन इमारत की 8 वीं मंजिल से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। मजदूर 19 वर्षीय मशरूल हक के शव को कब्जे में लेकर मैदानगढ़ी थाना पुलिस ने एम्स में पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। बताया जाता है कि मामले में पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

एमएसएन लैब्स ने परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन के लिए नई दवा की लांच

नई दिल्ली (संवाददाता)। भारत की अग्रणी अनुसंधान आधारित फार्मास्यूटिकल कंपनी एमएसएन लैबोरेट्रीज ने जैनेरिक कैनरियलटीएम इंजेक्शन (कैनग्रेलर) लांच करने वाली पहली कंपनी बन गई है। इस कंपनी को एपीआई, फिनिश्ड डोसेज और ब्रांडेड जैनेरिक्स में विशेषज्ञता प्राप्त है। बायोइक्विलैंट जैनेरिक कैनरियलटीम (कैनग्रेलर) एकमात्र इंट्रावीनस पी2वाय12 प्लेटलैट इनहिबिटर है, यह प्लेटलैट के रैपिड ऑनसेट व ऑफसैट के लिए जाना जाता है, इसे देर से होने वाली और लंबी चलने वाली ऐंटी प्लेटलैट गतिविधि से उबरने के लिए बनाया गया है। यह दवा डीसीजीआई (भारत के औषधी महानियंत्रक) द्वारा मंजूर है। देश में इंट्रावीनस तेजी से कार्य करने वाली, रिवर्सिबल ऐंटी प्लेटलैट एजेंट की कमी है और उसे पूरा करने में यह दवा मददगार साबित होगी। यह परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन (पीसीआई) में सहायक है। यह पेरिप्रोस्युजरल मायोकार्डियल इनफार्क्शन (एमआई), रिपीट कोरोनरी रिवर्सकुलराइजेशन और स्टैंट थ्रॉम्बोसिस का जोखिम कम करता है।

दिल्ली सरकार व आईआईटी कानपुर के बीच तकनीक को लेकर हुआ करार

वायु प्रदूषण के स्रोतों को वास्तविक समय में किया जाएगा ट्रैक

(प्रवीण कुमार सिंह)

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हुई कैबिनेट की बैठक में आईआईटी कानपुर और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के बीच एमओयू को मंजूरी दे दी है। केजरीवाल सरकार और आईआईटी कानपुर के बीच तकनीक को लेकर समझौता हुआ है। जिसके बाद दिल्ली में अब वायु प्रदूषण के रीयल-टाइम सोर्स की सटीक जानकारी मिलेगी। वायु प्रदूषण के स्रोतों को वास्तविक समय में ट्रैक किया जाएगा। दिल्ली में वायु प्रदूषण प्रबंधन के लिए पूर्वानुमान जारी किया जाएगा। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इससे दिल्ली के प्रदूषण के विभिन्न कारकों की पहचान करने और उनका

समाधान करने में काफी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक की हुई।

जिसमें आईआईटी कानपुर और डीपीसीसी के बीच वायु प्रदूषण के रीयल-टाइम सोर्स अपार्शन्मन्ट संबंधी एमओयू को मंजूरी दी गई है। जिसके तहत आईआईटी-कानपुर व टीम द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के संबंध में अध्ययन किया जाएगा। इसकी मदद से दिल्ली में वायु प्रदूषण के स्रोतों की वास्तविक समय के आधार पर पहचान की जाएगी। इसके अलावा वायु प्रदूषण प्रबंधन के लिए पूर्वानुमान भी जारी किया जाएगा।

एमओयू के तहत आईआईटी कानपुर की तरफ से पीएम 2.5, एनओ2, सीओ2, एलिमेंटल कार्बन सहित अन्य वायु प्रदूषण की निगरानी के लिए अत्याधुनिक सुपरसाइट स्थापित की जाएंगी।

दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर एक्यूआई के स्तर को लेकर पूर्वानुमान जारी किया जाएगा। इसके अलावा वायु प्रदूषण को लेकर प्रति दिन, साप्ताहिक, मासिक और वार्षिक डाटा का विश्लेषण कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

प्लॉस्टिक के बर्तनों के उपयोग से बचने के लिए किया प्रेरित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष को आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाने की श्रृंखला में, मंगलवार को संजय कैंप जेजे क्लस्टर, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में हेल्थ इज वेल्थ विषय पर स्लम क्षेत्र का दौरा करते हुए वहां के निवासियों, विशेषकर बच्चों को प्रोत्साहित किया। यहां सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए एक बर्तन भंडार का उद्घाटन करने के बाद, उन्होंने संजय कैंप में सिंगल यूज प्लास्टिक के बर्तनों के उपयोग से बचने के लिए सरोजिनी नगर मार्केट एसोसिएशन द्वारा प्रदान किए गए 50 स्टील के प्लेट और कुल्हड़ उपहार के रूप में प्रदान किए। इस क्लस्टर क्षेत्र के सैकड़ों बच्चों, महिलाओं और पुरुषों को संबोधित करते हुए लेखी ने व्यक्तिगत स्वच्छता, स्रोत पर ही कचरे को अलग करने, स्वच्छ पर्यावरण के रखरखाव, दैनिक जीवन में महिलाओं में सैनिटरी नैपकिन के उपयोग तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने पर जोर दिया।

पूर्वी निगम ने अंबेडकर खेल परिसर को किया आउटसोर्स

(रविशंकर तिवारी)

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने त्रिलोकपुरी स्थित पूर्वी दिल्ली नगर निगम के अंबेडकर खेल परिसर का आउटसोर्स किए जाने को अग्रिम स्वीकृति दे दी है।

महापौर ने बताया कि मेसर्स वीर सर्विसेज नामक कंपनी को 5 वर्ष की अवधि के लिए परिसर को संचालित करने का अधिकार होगा जिसे आयुक्त के अनुमोदन और पक्षों से आपसी सहमति से कार्यकाल को आगे 5 वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है। महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने बताया कि अंबेडकर खेल परिसर में दो इंडोर बैडमिंटन कोर्ट, फुटबॉल मैदान, क्रिकेट ग्राउंड तथा जिम है। महापौर ने बताया कि बुनियादी ढांचे के विकास और दिन-प्रतिदिन के संचालन के लिए आवश्यक वित्त पोषण की जिम्मेदारी मेसर्स वीर सर्विसेस की होगी। परियोजना की अवधि के लिए परिसर के रखरखाव, सुरक्षा, संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी आउटसोर्स कंपनी की होगी और इसकी एवज में पूर्वी दिल्ली नगर निगम को 55,750 रुपये प्रतिमाह का भुगतान करेगी।

पूर्वी निगम में अनुकंपा के आधार पर कार्यरत दैनिक वेतन होंगे नियमित

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल तथा पूर्वी दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति अध्यक्ष बीर सिंह पंवार द्वारा 2006 तक अनुकंपा के आधार पर कार्यरत दैनिक वेतन भोगियों को नियमित करने के लिए अग्रिम स्वीकृति दी है। महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने बताया कि इसके लिए शाहदरा उत्तरी तथा दक्षिणी क्षेत्रों के सहायक आयुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि 2006 तक के अनुकंपा के आधार पर कार्यरत दैनिक वेतन भोगियों के नियमितिकरण के लिए उनकी फाइलों को वरिष्ठता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा करें और संबंधित जोन के उपायुक्त के अनुमोदन के पश्चात सहायक आयुक्त मुख्यालय पर्यावरण सेवा प्रबंधन विभाग के पास यथाशीघ्र भेजे। इसके पश्चात पर्यावरण प्रबंधन सेवा विभाग द्वारा फाइलों की उचित जांच की जायेगी। महापौर ने बताया कि प्रत्येक मामले में नियमितीकरण कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगा। इस संबंध में स्थायी समिति अध्यक्ष बीर सिंह पंवार ने बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम पर्यावरण सहायकों के हितों को लेकर संवेदनशील है और इसी वजह से पूर्वी दिल्ली नगर निगम न 2006 तक लगे अनुकंपा के आधार पर कार्यरत दैनिक वेतन भोगियों के नियमितिकरण के आदेश दिए हैं।

नवरात्र में झंडेवाला देवी मंदिर के लाइव दर्शन होंगे और श्रद्धालु सुनेंगे स्तुति

नई दिल्ली । राजधानी के मंदिरों में नवरात्र की तैयारियां जोरों पर शुरू हो गई हैं। बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे नवरात्र को लेकर मंदिरों में विशेष व्यवस्था की जा रही है।

भक्तों को दर्शन करने में किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए झंडेवालान स्थित झंडेवाला देवी मंदिर की समिति ने एक एप तैयार किया है। जिसके माध्यम से भक्त मां झंडेवाली के दर्शन कर सकेंगे। इसके माध्यम से भक्त मां के विशेष दर्शन करने के लिए भी अपनी बुकिंग करा सकेंगे, जो पूरी तरह से निशुल्क रहेगी।

कोरोना संक्रमण से श्रद्धालुओं को बचाने के लिए समिति ने एप तैयार किया है। इसके साथ ही मंदिर में कोरोना गाइडलाइन्स का पालन करना भी जरूरी होगा। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि सरकार की ओर से देर से मंदिर खुलने की इजाजत मिलने के बाद भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यह चुनौती का समय होगा, जिसमें कम समय में अधिक से अधिक तैयारियां करनी होगी।

मंदिर में प्रवेश से लेकर प्रसाद बांटने तक की व्यवस्था में मंदिर के सेवादार ही शामिल रहेंगे, जो भक्तों के बीच शारीरिक दूरी समेत कोरोना के सभी दिशा-निर्देशों का पालन कराते हुए रहेंगे।

मंदिर के प्रबंधक रविंद्र गोयल ने बताया कि मंदिर की ओर से गूगल प्ले स्टोर पर मां झंडेवाला देवी मंदिर का एप अपलोड किया गया है। इस एप को जैसे ही भक्त अपने मोबाइल पर स्टोर करेंगे तो उन्हें मां के दर्शन होंगे। साथ ही उन्हें मां भगवती की स्तुति सुनाई देगी। इसके बाद भक्त मंदिर खुलने और आरती के समय की जानकारी ले सकेंगे। एप पर बुकिंग के बाद भक्तों को क्यूआर कोड मिलेगा।

वह इसे प्रवेश द्वार पर दिखाकर विशेष दर्शन कर सकेंगे। हर साल नवरात्र में मंदिर में पूजा अर्चना के लिए भक्तों की काफी भीड़ रहती है। पिछले साल से कोरोना महामारी के चलते मंदिर में पूजा अर्चना करने की इजाजत नहीं थी। लेकिन इस बार कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए मंदिर में नवरात्र की पूजा होगी।

दिल्ली के लोगों को वेस्ट टू वंडर पार्क के बाद अब जल्द मिलेगा भारत दर्शन पार्क का तोहफा, जानिए खासियतें

नई दिल्ली । दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के महापौर मुकेश सुर्यान ने पश्चिमी जोन के उपायुक्त राहुल सिंह, नेता सदन इन्द्रजीत सहरावत के साथ पंजाबी बाग क्षेत्र में निर्माणाधीन भारत दर्शन पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने पार्क के निर्माण कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिये कि दक्षिणी निगम की इस महत्वाकांक्षी योजना के शेष कार्यों को भी अतिशीघ्र पूरा किया जाए। इस अवसर पर पश्चिमी जोन की अध्यक्ष श्वेता सैनी, उद्यान विभाग के निदेशक डा. आलोक सिंह, स्थानीय निगम पार्षद कैलाश सांकला मौजूद रहे।

महापौर ने कहा कि भारत दर्शन पार्क का निर्माण कार्य अंतिम चरण में चल रहा है और अक्टूबर के अंत तक हम इसे दिल्ली की जनता को समर्पित कर देंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी और लाकडाउन के चलते निर्माण कार्य में कुछ देरी जरूर हुई है, लेकिन अब कार्य पूरे जोरों पर है। महापौर ने बताया कि दक्षिणी निगम ने वेस्ट टू वेल्थ की नई अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए पंजाबी बाग में यह भव्य पार्क बनाया है, जहां वेस्ट से बनाई गई भारत की प्रमुख ऐतिहासिक स्मारकों की प्रतिकृतियां हैं। इस पार्क की थीम विविधता में एकता है, जहां भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को एक स्थल पर निर्मित किया जा रहा है। वेस्ट टू वंडर पार्क की भांति ही यह पार्क भी दिल्ली का लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनेगा। उन्होंने बताया कि सैर के लिए 1.5 किमी का ट्रैक, बच्चों के खेलने का विशेष स्थान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए स्टाल, फूड कोर्ट, फोटोग्राफी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग स्थान होंगे। उन्होंने कहा कि यहां पर कुतुबमीनार, ताजमहल, चारमीनार, गेटवे आफ इंडिया, नालंदा स्मारक, मैसूर पैलेस सहित कई अन्य ऐतिहासिक इमारतों की प्रतिकृति का निर्माण किया गया है। यह प्रतिकृतियां निगम स्टोर में बेकार पड़ी पुरानी गाड़ी, नट बोल्ट, पंखे से बनाई गई है।

दिल्ली की सभी जिला अदालतों में 230 लोक अदालतों का आयोजन, 10 अक्टूबर को निपटाएं वाहन का चालान

नई दिल्ली । दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएसएलएसए) द्वारा यातायात पुलिस के सहयोग से 10 अक्टूबर को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान दिल्ली की सभी जिला अदालतों में कुल 230 लोक अदालतों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सभी वाहन चालक 30 जून 2020 तक के अपने सभी चालान का निपटारा करा सकेंगे। लोक अदालत का आयोजन सुबह 10 से शाम चार बजे तक किया जाएगा।

इसके बारे में बात करते हुए डीएसएलएसए के सदस्य सचिव कंवलजीत अरोड़ा ने बताया कि चालान का निपटारा कराने के लिए वाहन स्वामी दिल्ली यातायात पुलिस की वेबसाइट पर लाग इन कर दिए गए लोक अदालत के लिंक से अपने चालान का प्रिंट आउट निकाल सकेंगे। प्रिंट आउट डाउनलोड करने के लिए लिंक सात अक्टूबर को सुबह 10 से आठ अक्टूबर को शाम पांच बजे या चालान की सीमा समाप्त होने तक उपलब्ध रहेगा।

सभी 230 लोक अदालतों में से प्रत्येक में 750 चालान लिए जाएंगे। प्रिंट आउट को दिखाकर वाहन स्वामी किसी भी कोर्ट में अपने चालान का निपटारा करा सकेंगे। प्रिंट आउट निकालने की सुविधा अदालत परिसर में उपलब्ध नहीं होगी। किसी भी सहायता के लिए 24 घंटे यातायात हेल्पलाइन नंबर (011-25844444) या 1095 की भी मदद ली जा सकती है।

उधर दिल्ली परिवहन विभाग ने सोमवार को एक सर्कुलर जारी कर वाहन ऋण प्रदाता बैंकों, वित्तीय संस्थानों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को 31 अक्टूबर 2021 तक वाहन पोर्टल के साथ अपनी वाहन ऋण संबंधी सेवाओं को एकीकृत करने का निर्देश दिया है। इस सर्कुलर के बाद बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से हाइपोथीकेशन समाप्ति के लिए नो आब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआइसी) के वाहन प्लेटफार्म पर केवल डिजिटल प्रारूप में प्राप्त किया जाएगा।

सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि 1 नवंबर 2021 से वे बैंक या वित्तीय संस्थान जो वाहन पोर्टल के साथ डेटा को एकीकृत करने में विफल रहते हैं, उन्हें परिवहन विभाग के डेटाबेस में हाइपोथेकेशन के अपने डेटा को दर्ज करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, सर्कुलर बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश देता है कि वे वाहन मालिक से एनओसी जारी करने के किसी भी अनुरोध की प्रतीक्षा न करें बल्कि ऋणी द्वारा ऋण चुकाने के तुरंत बाद खुद ही परिवहन विभाग के साथ सभी वाहनों का डेटा साझा करें।

हम पूरी तरह से फेसलेस होने की दिशा में उठा रहे कदम

दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने एक बयान में कहा कि हमने पिछले महीने हाइपोथीकेशन हटाने की अनुमति के लिए सभी बैंकों को अपने डेटा वाहन पोर्टल के साथ एकीकृत करने के लिए कहा था और मुझे यह देखकर खुशी हुई कि इस प्रक्रिया ने गति पकड़ ली है और लगभग पूरी हो गई है। यह एक बड़ा कदम है जो हम पूरी तरह से फेसलेस होने की दिशा में उठा रहे, और न केवल हमारे आरटीओ, बल्कि परिवहन विभाग द्वारा सेवाओं के वितरण में शामिल किसी भी स्थान पर लंबी कतारें अब देखने को नहीं मिलेंगी।

सुल्तानपुरी इलाके में चोरी करने आए युवक की संदिग्ध हालात में मौत

नई दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवा दिया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि युवक चोरी की नीयत से घर में घुसा था, जहां लोगों ने उसकी पिटाई कर दी। भागने के क्रम में छत से कूदने के कारण उसकी मौत की बात भी कही जा रही है। ऐसे में पुलिस शव का पोस्टमार्टम बोर्ड से कराएगी और उसकी रिपोर्ट के आधार पर ही कार्रवाई करेगी।

अमन विहार के सुमित ने पुलिस को बताया कि उसके घर में अज्ञात युवक चोरी की नीयत से घुसा था, लेकिन उसकी मां जग गई तो वह युवक छत से कूदकर घायल हो गया। बाहरी जिले के डीसीपी परविंदर सिंह ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे सुल्तानपुरी थाने में इस बाबत सूचना मिली थी। स्थानीय स्तर पर जांच में मालूम हुआ कि लोगों ने घर में घुसे युवक की पिटाई भी की थी। पुलिस ने घायल को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान 22 वर्षीय विशाल के रूप में हुई। सुमित की शिकायत पर पुलिस ने विशाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

संपादकीय

खेती पर भारी पड़ता यह टकराव

महापंचायतों के साथ किसान आंदोलन भी फिर से गति पकड़ने लगा है। जहां-जहां महापंचायत हो रही है, वहां-वहां किसान कहीं अधिक मुखर तरीके से अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। उनकी मूलत- एक ही मांग है, केंद्र सरकार जबरन उन पर नए कृषि कानून न लगाए। इसे वे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस आंदोलन के पक्ष और विपक्ष में तमाम तर्क दिए जा चुके हैं, मगर कुछ अन्य बातें भी हैं, जिन पर गौर किया जाना चाहिए। यह तो अच्छी पहल है कि हरियाणा सरकार ने उस अधिकारी का तबादला कर दिया है, जिसने किसानों के सिर फोड़ने की बात कही थी। लेकिन असली मुद्दे की बात यही है कि जिन तीन कृषि विधेयकों पर संसद की मुहर लग चुकी है, और वे कानून बन चुके हैं, उनको फिलहाल लागू नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि अभी महामारी का वक्त है और यह समय विशेषकर किसानों के लिए काफी मुश्किल भरा है।

किसानों की तकलीफ का एक निजी अनुभव साझा करता हूं। महामारी के दौरान आवाजाही बंद हो जाने से व्यापार या तो संभव नहीं हो पाता या फिर काफी कठिन होता है। मेरी पत्नी पहले सुबह की सैर के वक्त ही फल-सब्जी ले आया करती थीं, मगर आजकल वह इसके लिए अहले सुबह नहीं, बल्कि कुछ देर से बाहर निकलती हैं। आखिर क्यों? दरअसल, जो किसान अहमदाबाद जिले से सुबह चार बजे अपनी गाड़ी में फल-सब्जी लेकर मुख्य बाजारों में आया करते थे, वे रात्रिकालीन कर्फ्यू के कारण सुबह छह बजे के बाद घर से निकलते हैं। नतीजतन, न सिर्फ उनके उत्पाद कम बिकते हैं, बल्कि वे बहुत दूर तक अपनी सब्जियां भी नहीं बेच पाते, क्योंकि दूर जाते-जाते दोपहर चढ़ आती है और फिर सब्जियां खराब होने लगती हैं। पहले अहले सुबह निकल जाने के कारण ऐसा नहीं होता था। और यह परेशानी सिर्फ अहमदाबाद जिले में नहीं है। अभी मेहसाणा से नवसारी 'मिल्क ट्रेन' भी नहीं चल रही है, और नासिक-मुंबई के बीच फलों के ट्रक भी नहीं दौड़ रहे। मेरा मानना है कि ऐसी परेशानियों से देश भर के किसान प्रभावित हो रहे हैं। इस संदर्भ में देखें, तो कानून में जो बात कही गई है कि किसान कृषि उत्पाद बाजार समिति (एपीएमसी) नहीं जाते, सही जान पड़ती है। वाकई, जहां किसान जाते हैं, उनको ही बाजार माना जाना चाहिए। इसलिए, ये कानून मूलत- किसानों की मदद ही करेंगे। फिर भी, जबरन इनको लागू करने का कोई तुक नहीं है। किसानों से सरकार को बात करनी चाहिए। वार्ता ही नहीं, उन्हें यह गारंटी देनी चाहिए कि उनकी शिकायतों पर गौर किया जाएगा। आखिरकार, इस तथ्य से भला कोई कैसे इनकार कर सकता है कि संसद सत्र के आखिरी दिन बिना किसी सार्थक बहस के कृषि विधेयक को पारित कर दिया गया था।

देखा जाए, तो सरकार ने एक और गलती की। उसने न सिर्फ आनन-फानन में ये विधेयक पारित किए, बल्कि उनको लागू करने में भी जल्दबाजी की। इससे उसके खिलाफ और ज्यादा माहौल बन गया। ऐसा संदेश गया कि कुछ न कुछ अंदरूनी बात तो है कि सरकार इन कानूनों को बिना बहस के और इतनी जल्दबाजी में लागू करने जा रही है। इसलिए समाधान की यदि बात करें, तो सरकार को फिलहाल जल्दबाजी से बचना चाहिए। किसानों को यह भरोसा देना चाहिए कि अभी इन कानूनों को टाल दिया जाएगा और अगले साल पर्याप्त बहस के बाद ही इनको लागू किया जाएगा। उनको यह भी समझाया जाना चाहिए कि कानून उनके हित में है और जरूरत के मुताबिक इनमें कुछ बदलाव भी किए जा सकते हैं। हां, मारपीट या झगड़े-फसाद से इस मसले का हल कतई नहीं निकलेगा। वैसे भी, भारत कृषि प्रधान देश है और किसानों से मारपीट इसका ध्येय नहीं हो सकता।

यहां मुझे रमेश चांद याद आ रहे हैं। वह नीति आयोग के सदस्य हैं। उन्होंने बाकायदा एक शोधपत्र तैयार किया है कि आखिर किस तरह से इन कानूनों को लागू करना चाहिए, ताकि इनका अपेक्षित लाभ हासिल किया जा सके। अपने शोधपत्र में उन्होंने विस्तार से बताया है कि कैसे इन कृषि सुधारों का फायदा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा। संभव हो, तो उनके अध्ययन पर विचार-विमर्श होना चाहिए, ताकि किसान और सरकार के टकराव में बीच का कोई रास्ता निकल सके।

दिक्कत यह है कि इस तनातनी में हम कृषि के वास्तविक संकट को नजरंदाज कर रहे हैं। मसलन, इस बार खरीफ फसल बुरी तरह से प्रभावित हुई है। अमूमन बारिश अगस्त के महीने में होती थी। सरकार की तरफ से किसानों को नए बीज देने, उन्हें क्रेडिट मुहैया कराने अथवा अन्य राहत देने की घोषणाएं भी की जाती थीं। मगर इस साल सितंबर महीने में अप्रत्याशित रूप से तेज बारिश हो रही है, और सरकार उदासीन है। जून-जुलाई में बोई गई फसलें बिल्कुल तैयार होने को थीं, लेकिन अब वे जमीन पर लोटने लगी हैं। साफ है, खरीफ के इस नुकसान का असर भारतीय कृषि पर पड़ेगा। रबी की फसलें अच्छी होने के बावजूद 'एग्रीकल्चर आउटपुट' कम रहेगा। लेकिन, इस गंभीर पहलू पर कोई बात करने को तैयार नहीं।

जाहिर है, किसानों के इस लंबे आंदोलन और सरकार की उदासीनता का सबसे अधिक नुकसान कृषि को हो रहा है, और परोक्ष रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था और कृषि से जुड़ी कंपनियों के मुश्किलों में रहने के कारण रोजगार विकास दर नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रही है। हालांकि, अब भी मौका है। सरकार पहल करे और अपना हाथ बढ़ाए। किसानों से बिना शर्त बातचीत होनी ही चाहिए। मेरे शिक्षक प्रोफेसर लॉरेंस क्लेन ने, जो अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार विजेता थे, मुझे सिखाया था कि अर्थशास्त्र के कानूनों को यदि बिना अक्ल के इस्तेमाल किया जाएगा, तो अर्थव्यवस्था को नुकसान होता है। मौजूदा हालात भी कुछ ऐसे ही हैं। अभी सोच-समझकर आगे बढ़ने की जरूरत है। किसानों और सरकार के बीच यह टकराव अब और लंबा नहीं खिंचना चाहिए।

प्रवीण कुमार सिंह

पितृपक्ष में पौधारोपण का लें संकल्प, हरे-भरे और हरियाली युक्त ग्रह का करें निर्माण

पितृपक्ष के श्रेष्ठ अवसर पर हम कुछ ऐसा करें, जो पितरों और भावी पीढ़ी दोनों के लिए श्रेयस्कर हो। पितरों की याद में पौधारोपण या पौधा दान अवश्य करें। पौधारोपण से तात्पर्य किसी के लिए आश्रय का दान, किसी के लिए प्राणवायु आक्सीजन का दान और किसी के लिए मां के आंचल की तरह छाया का दान होगा। इससे पितरों को शांति और मोक्ष प्राप्त होगा। इसलिए आइए पितृ तर्पण और पेड़ अर्पण की दिव्य परंपरा को अंगीकार करें। हमारी सभी परंपराओं का उद्देश्य अपनी धरती माता और पर्यावरण का संरक्षण करना है। भारतीय संस्कृति के मूल में स्थित पर्यावरण संरक्षण को अपने में समाहित करना होगा।

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। यह सदियों से मां गंगा की गोद, हिमालय की छत्रछाया और भारत के जनमन में विकसित होती चली आ रही है। भारत की सभ्यता और संस्कृति में विविधता में एकता की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत शामिल है। भारतीय संस्कृति समस्त मानवता का कल्याण चाहती है। इसमें जीवन जीने की कला, ज्ञान-विज्ञान, चिकित्सा, राजनीति और भी बहुत कुछ समाहित हैं। भारतीय संस्कृति में भारत की आत्मा बसती है। सनातन और वैदिक काल से चली आ रही हमारी संस्कृति में हमारे समस्त संस्कार समाहित हैं। यह अत्यंत उदात्त, समन्वयवादी, समरसता से युक्त, शाश्वत एवं जीवंत रही है, जिसमें जीवन के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा आध्यात्मिकता का अद्भुत मेल है। 'उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुंबकम' और 'सर्वे भवंतु सुखिन-' के दिव्य सूत्रों में हमारी गहरी आस्था रही है।

धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है, परंतु मानवता के सिद्धांत हमेशा से हमारे लिए सर्वोपरि रहे हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि भारतीय संस्कृति सच्चे अर्थ में मानवता की संस्कृति है। उन्नत संस्कृति एवं सभ्यता के विकास के लिए नितांत आवश्यक है कि समाज के संस्कार पक्ष को समुन्नत, सशक्त एवं सबल बनाए रखा जाए।

प्रकृति, पर्यावरण और मानवता के सर्वत्र विकसित स्वरूप से ही उन्नत समाज का निर्माण होता है, जिसमें न केवल अतीत की परंपराओं, संस्कारों, रीति-रिवाजों, भाषा, बोली और रिश्ते-नातों को समुचित स्थान दिया जाता है, अपितु नई पीढ़ी को पारंपरिक मान्यताओं से भी जोड़ा जाता है, ताकि परंपराओं के साथ-साथ पर्यावरण को भी संरक्षित किया जा सके। पितृपक्ष-श्रद्ध और तर्पण भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा हैं। सनातन संस्कृति में पितृपक्ष का बड़ा ही महत्व है। पितृपक्ष में पितरों का श्रद्ध (तर्पण) किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान पितरों के नाम से पूजन, अर्चन, दान से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। पितृपक्ष की शुरुआत भाद्रपद मास में शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि से होती है। यह आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि तक रहता है। शास्त्रों के अनुसार पितरों का स्थान पूजनीय है। श्रद्ध कर्म के पश्चात जरूरतमंदों की सहायता करने से भी पितरों को पुण्य प्राप्त होता है। साथ ही इससे स्वयं को भी संतुष्टि मिलती है। पितृपक्ष की परंपरा को समझा जाए तो यह वास्तव में स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सह अस्तित्व एवं समस्त प्राणी जगत के प्रति मानव का मातृत्व भाव प्रकट करने की परंपरा रही है। श्रद्ध पक्ष में पितरों को भोजन देना वास्तव में प्राणी जगत के प्रति मानव का सहअस्तित्व एवं मातृत्व की भावना है। तीन माह तक चलने वाली लंबी वर्षा ऋतु के पश्चात पर्यावरण में विभिन्न प्रकार के परिवर्तन देखने को मिलते हैं। वर्षा के दौरान अनेक जीव-जंतु और पशु-पक्षी बेघर हो जाते हैं। जमीन पर पानी की वजह से उनके भोजन की व्यवस्था में भी कठिनाइयां आती हैं। इसलिए सहअस्तित्व एवं सर्वे भवंतु सुखिन- की भावना से हमारे ऋषियों-मुनियों ने पितृपक्ष में पितरों को भोजन अर्पित करने की दिव्य परंपरा की शुरुआत की थी। हमारे ऋषि-मुनि जानते थे कि पुरखे शरीर से भोजन नहीं कर सकते, परंतु उनके प्रति भोजन अर्पण का भाव ही पर्याप्त है। इस तरह पितरों को भोजन अर्पण की परंपरा को रीति-रिवाजों और संस्कारों के साथ जोड़ा गया, ताकि पितरों को अर्पित भोजन पशु-पक्षियों एवं घर पर रहने वाले अन्य छोटे जीव-जंतुओं को प्राप्त हो सके। यह आने वाली पीढ़ियों को सहअस्तित्व, समभाव तथा समस्त प्राणी जगत के लिए सर्वे भवंतु सुखिन- का संदेश देता है।

अब हमें पितृ तर्पण के साथ पेड़ अर्पण के सूत्र को भी अंगीकार करना होगा, क्योंकि विकास के नाम पर धरती पर प्रदूषण बढ़ रहा है। पेड़ काटे जा रहे हैं और नदियां प्रदूषित हो रही हैं। हम अपनी हरी-भरी और हरियाली युक्त पृथ्वी के स्थान पर एक ऐसे ग्रह के निर्माण की ओर अग्रसर हैं, जहां पर प्रतिदिन जंगल काटे जा रहे हैं और चारों ओर प्रदूषण बढ़ रहा है। ऐसे में एक प्रश्न उठता है कि क्या हम पितृदोष से बचने के लिए पितरों को खीर ही अर्पण करते रहें और पृथ्वी से घटती आक्सीजन एवं कम होते जल के प्रति उदासीन बने रहें? पृथ्वी से कम होता जल और आक्सीजन वर्तमान और भविष्य दोनों पीढ़ियों के लिए अत्यंत भयावह है। हमें यह ध्यान रखना होगा कि जब तक पर्यावरण सुरक्षित है, तब तक ही मानव का अस्तित्व संभव है। अत- पर्यावरण की रक्षा के लिए वनों, पहाड़ों और इस धरती का प्रदूषण रहित होना नितांत आवश्यक है। प्रदूषण को कम करने के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। पेड़ों की शीतल छाया मां के आंचल के समान होती है। पेड़ों को सुरक्षित कर हम मानव सभ्यता को सुरक्षित कर सकते हैं। वर्तमान और भावी पीढ़ी को सुरक्षित एवं स्वस्थ्य रखने के लिए प्रत्येक मनुष्य को पौधारोपण की संस्कृति को जीवन में धारण करना ही पड़ेगा। पितृपक्ष के श्रेष्ठ अवसर पर हम कुछ ऐसा करें, जो पितरों और भावी पीढ़ी दोनों के लिए श्रेयस्कर हो। पितरों की याद में पौधारोपण या पौधा दान अवश्य करें। पौधारोपण से तात्पर्य किसी के लिए आश्रय का दान, किसी के लिए प्राणवायु आक्सीजन का दान और किसी के लिए मां के आंचल की तरह छाया का दान होगा। इससे पितरों को शांति और मोक्ष प्राप्त होगा। इसलिए आइए पितृ तर्पण और पेड़ अर्पण की दिव्य परंपरा को अंगीकार करें। हमारी सभी परंपराओं का उद्देश्य अपनी धरती माता और पर्यावरण का संरक्षण करना है। भारतीय संस्कृति के मूल में स्थित पर्यावरण संरक्षण को अपने में समाहित करना होगा। इसके लिए प्रकृति और हमारे विकास के बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा।

क्वाड के रूप में भारत के पास चालबाज चीन को पटखनी देने का सुनहरा अवसर

चीन की बेचैनी बढ़ती जा रही है। पिछले हफ्ते अंतरराष्ट्रीय मंच पर चले घटनाक्रम ने उसकी उद्विग्नता की आग में घी डालने का काम किया है। वह कितना छटपटाया हुआ है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसने भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान के संगठन क्वाड को समय के साथ खत्म हो जाने वाला करार दिया है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में इस बयान का मतलब है कि वह इस नए संगठन से सहज नहीं है। उसे दक्षिण चीन सागर में अपनी बादशाहत खतरे में लग रही है। चीन के इस बुरे सपने को सच करने के लिए भारत हर पल सक्रिय है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में संबोधन से पूर्व की क्वाड की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन को घेरने का पूरा इंतजाम कर दिया। चीन की आर्थिक शक्ति को खत्म करने का संकेत देते हुए न्यूयार्क से पहले वाशिंगटन में प्रधानमंत्री और अमेरिका की प्रमुख कंपनियों के साथ मुलाकात के बाद यह एलान किया गया कि अब भारत पूरी दुनिया को वस्तुओं और सेवाओं की ग्लोबल सप्लाई चेन का केंद्र बनेगा। इस सप्लाई चेन का केंद्र होने के कारण ही चीन अमेरिका को भी आंखें दिखा पा रहा था। हालांकि दुनिया को अपनी ताकत दिखाने के लिए उसने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से पहले ताइवान के आसमान में अपने लड़ाकू विमान उड़ाकर कुछ लोगों के दिलों में तीसरे विश्व युद्ध की आशंका को भी जन्म दे दिया, पर उसे भी मालूम है कि उसके दिन लद रहे हैं।

बौद्धिक संपदा अधिकार (आइपीआर) की चोरी और मानवाधिकार के खराब रिकार्ड के कारण पहले से चीन से चिढ़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को जैसे कोरोना ने मौका दे दिया। उसके बाद हुई घटनाओं ने कंपनियों को हिलाकर रख दिया। चीन में जैक मा की कंपनी सहित टेक्नोलाजी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई ने भी उन्हें भड़काने का काम किया। इधर, भारत सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव (पीएलआइ) स्कीम की घोषणा कर चीन से कारोबार समेटने का मन बना रही कंपनियों को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वाशिंगटन में प्रधानमंत्री ने अमेरिकी कंपनियों की बैठक में पीएलआइ स्कीम का खासतौर पर उल्लेख किया। इस स्कीम के जरिये 153 अरब डालर का निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया है।

अब तक तीन औद्योगिक क्रांतियों का पूरी तरह लाभ उठाने से वंचित भारत अब चौथी औद्योगिक क्रांति के मौके से चूकना नहीं चाहता है। चौथी औद्योगिक क्रांति यानी अब तक की सभी टेक्नोलाजी के सम्मिश्रण से पैदा हुआ अनोखा संसार। पहली औद्योगिक क्रांति भाप की ताकत पर चली, दूसरी इलेक्टिक पर और तीसरी इलेक्ट्रानिक्स पर। अब चौथी औद्योगिक क्रांति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अक्षय ऊर्जा पर जोर है। इन क्षेत्रों में भारत को अगुआ बनाने के लिए परिस्थितियां भी अनुकूल हैं। अफगानिस्तान में बदले हालात ने अमेरिका के सुपर पावर की छवि को नुकसान पहुंचाया है। अब उसके वहां से निकलने के बाद चीन और पाकिस्तान मिलकर अफगानिस्तान को अपनी दुरभि संधियों का केंद्र बनाना चाहते हैं। अमेरिका ऐसा होने नहीं देगा और इस काम में उसे भारत से बढ़िया कोई दूसरा साझीदार नहीं मिल सकता है।

बहरहाल, भारत की राह आसान नहीं है। दो युद्ध और कश्मीर में प्राक्सी वार हार चुका पाकिस्तान अब भारत को अस्थिर करने के लिए ड्रोन को हथियार बना रहा है। नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम के बाद से पाकिस्तान ड्रोन के जरिये पंजाब और जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में आतंकियों को हथियार और नशीली दवाएं भेजने की लगातार कई घटनाएं हो चुकी हैं। वह ड्रोन से हमले भी कर चुका है। इस काम में उसे अब तक चीन से मदद मिल रही है। वर्ष 2016 में पहली बार पाकिस्तान की मियांवाली हवाईअड्डे पर चीन निर्मित मानवरहित विमान (ड्रोन) देखे गए थे। सैटेलाइट तस्वीरों में उसके बाद से 2017 और बीते जुलाई में वहां के अलग-अलग जगहों पर चीन निर्मित ड्रोन देखे गए हैं।

एक आनलाइन डिफेंस पोर्टल के मुताबिक पाकिस्तान ने चीन से 'काई हांग 4' नामक पांच ड्रोन खरीदे हैं। पाकिस्तान की नजर तुर्की निर्मित ड्रोन पर भी है। अजरबैजान और आर्मेनिया की लड़ाई में अजरबैजान की ओर से तुर्की में बने ड्रोन इस्तेमाल किए गए। इन्हीं की बमबारी का नतीजा था कि पिछले साल नवंबर में आर्मेनिया को हथियार डालने पर मजबूर होना पड़ा। ये ड्रोन पाकिस्तान तक पहुंच सकते हैं। पाकिस्तान की कूटनीति तुर्की को साधने में जुटी है। सऊदी अरब और यूएई से निराश पाकिस्तान तुर्की से करीबी बढ़ा रहा है।

कभी रूस का हिस्सा रहे अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच हुई लड़ाई ने सभी देशों के नीति-नियंताओं के सामने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य के युद्ध कैसे होंगे। दोनों देशों के बीच नगर्नो कराबाख का इलाका विवाद का विषय बना हुआ है। परंपरागत रूप से यह इलाका अरजबैजान का हिस्सा माना जाता है, लेकिन 1994 से इस हिस्से पर आर्मेनियाई सेना का कब्जा है। दोनों देशों के बीच की यह लड़ाई बता रही है कि युद्ध के रंगमंच का हुलिया अब बदल रहा है। परंपरागत हथियारों और परमाणु अस्त्रों के साथ-साथ अब सभी देशों का ध्यान ड्रोन टेक्नोलाजी में महारत हासिल करने पर है। यह सुखद है कि प्रधानमंत्री ने वाशिंगटन में पिछले हफ्ते ड्रोन टेक्नोलाजी में दुनिया की जिस शीर्ष कंपनी जनरल एटामिक्स को निवेश के लिए आमंत्रित किया उसके सीईओ विवेक लाल भारतीय मूल के हैं।

कोई लापरवाही नहीं

केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार को दी गई यह सूचना राहत देने वाली है कि देश में 18 साल से ऊपर की कुल आबादी का 69 फीसदी हिस्सा टीके का कम से कम एक डोज ले चुका है। एक चौथाई यानी 25 फीसदी आबादी को टीके के दोनों डोज लग चुके हैं। तय किए गए लक्ष्य के हिसाब से भले ही कम हो, लेकिन जिन सीमाओं और मजबूरियों के बीच टीकाकरण अभियान चलाना पड़ा है उन्हें देखते हुए यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं कही जाएगी।

देश में अब तक 88.9 करोड़ शॉट लगाए जा चुके हैं। प्रति सौ व्यक्तियों पर 63 शॉट का यह अनुपात 79.4 शॉट के वैश्विक औसत के लिहाज से बुरा नहीं है। इस बीच कोरोना संक्रमण के मोर्चे पर भी देश में हालात संतोषजनक दिख रहे हैं। सितंबर में पूरे महीने कोरोना से हुई मौत का प्रतिशत एक से कम (0.97 फीसदी) रहा। इस साल अप्रैल के बाद से यह पहला मौका है जब सीएफआर (मौत दर) इतनी कम पाई गई हो। पिछले हफ्ते कोरोना संक्रमण के कुल मामलों का 59.66 फीसदी केवल केरल में रेकॉर्ड किए गए हैं। यानी बाकी पूरे देश में हालात काफी हद तक काबू में हैं। निश्चित रूप से ये सारे तथ्य उत्साह बढ़ाने वाले हैं। लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि यह वायरस न केवल रूप बदलने बल्कि जाते-जाते भी पलटकर हमला करने की अपनी क्षमता दिखा चुका है।

दुनिया के कई देशों में जब इस चुनौती को करीब करीब समाप्त मान लिया गया, तब इसका पहले से भी ज्यादा गंभीर रूप सामने आ गया। अपने देश में भी जब कोरोना से सफलतापूर्वक निपटने की घोषणाएं होने लगीं, उसके लिए बधाइयां दी जाने लगीं, तब इसकी दूसरी लहर आई, जिसने पहली लहर के कहर को पीछे छोड़ दिया। इसलिए ठीक ही सरकार ने टीकाकरण मुहिम की उपलब्धियां दर्शाते हुए भी लोगों को आगाह किया है कि किसी भी सूरत में सावधानियां बरतना कम न करें।

अभी त्योहारों का सीजन आने वाला है। सामूहिकता इन त्योहारों की खास विशेषता होती है। बाजारों में जाकर खरीदारी करना भी इन त्योहारों का अनिवार्य माना जाने वाला हिस्सा होता है। लेकिन यह भी साफ है कि सार्वजनिक स्थानों पर भीड़भाड़ संक्रमण फैलाने का सबसे बड़ा जरिया होती है। चुनाव रैलियों का रेला और कुंभ में जुटी भीड़ दूसरी लहर के लिए खास तौर पर जिम्मेदार माने जाते हैं। ऐसे में खास ध्यान रखने की जरूरत है कि इस बार वायरस को हमारी लापरवाहियों की ढाल न मिले। दुर्गापूजा से लेकर छठ तक तमाम त्योहारों में भीड़भाड़ से बचने को लेकर गाइडलाइन सरकार ने जारी कर दी है। मगर उस पर पालन हम सबको ही सुनिश्चित करना होगा। आखिर इसका नफा-नुकसान भी प्राथमिक तौर पर हमारे ही हिस्से में आना है।

मतांतरण भारत की राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा, रोकनी होगी ये मुहिम

ऐसी धारणाओं के बावजूद मतांतरण में सक्रिय तबकों को किसी का कोई डर नहीं। मूलभूत प्रश्न है कि क्या कोई एक आस्था सारी दुनिया को अपनी आस्था की छतरी के नीचे ला सकती है?

आरंभ से ही ईसाई और इस्लाम जैसी पंथिक मान्यताएं दुनिया को अपने विश्वास से रंगना चाहती हैं। धन के प्रलोभन और धोखाधड़ी के बावजूद उन्हें कामयाबी नहीं मिली। इसके बावजूद वे बाज नहीं आ रहे। मोदी सरकार ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई कर रही है। सिद्दीकी और अन्य सहयोगियों पर कानूनी शिकंजा कस चुका है। वास्तव में यह समय की मांग है कि भारत के सभी पंथ, रिलीजन और मजहब परस्पर संवाद करें। सब अपनी आस्था आस्तिकता और संस्कृति के रस का आनंद लें।

किसी व्यक्ति को छल, बल, भय और लोभ से मतांतरित करना मानवता के विरुद्ध अपराध है। भारत लंबे समय से इस अपराध का भुक्तभोगी रहा है। बीते दिनों यह एक बार फिर पुष्ट हुआ जब अवैध मतांतरण में संलग्न मौलाना कलीम सिद्दीकी की गिरफ्तारी हुई। इससे पहले 20 जून को अवैध मतांतरण में जुटे एक बड़े गिरोह के 10 लोग गिरफ्तार हुए थे। उसमें गिरफ्तार उमर गौतम और सहयोगियों को विदेशी संस्थाओं से करीब 57 करोड़ रुपये मिले थे, जिसका वे विवरण नहीं दे सके। इसी जांच में कलीम के गिरोह का नाम आया। उप्र पुलिस के एडीजी प्रशांत कुमार के अनुसार, सिद्दीकी भारत में सबसे बड़े मतांतरण गिरोह से जुड़ा है। वह जामिया इमाम वालीउल्ला ट्रस्ट चलाता है। ट्रस्ट के खाते में तीन करोड़ बहरीन से आए हैं। अवैध मतांतरण सामान्य घटना नहीं है। मतांतरित व्यक्ति मूल धर्म का ही त्याग नहीं करता। उसके पूर्वज बदल जाते हैं। उसकी आस्था बदल जाती है। वह अपनी संस्कृति पर गर्व नहीं करता। नए पंथ के रीति-रिवाज अपना लेता है। उनके प्रभाव में भारत माता के प्रति निष्ठा नहीं रखता। उसकी भूसांस्कृतिक निष्ठा बदल जाती है। भूसांस्कृतिक निष्ठा ही राष्ट्र गठन का मूल है। इसीलिए मतांतरण को राष्ट्रांतरण की संज्ञा दी गई है। इस प्रकार मतांतरण भारत की राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा है।

इस्लाम और ईसाई विशेष मान्यता वाले मजहब हैं। दोनों अपने पंथिक विश्वास के वशीभूत पूरी दुनिया को ईसाई या इस्लामी बनाने पर आमादा हैं। ईसाई मिशनरियों ने इसके लिए दूसरी राह खोजी है। वे स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सेवाओं की आड़ में

गरीबों का मतांतरण करते हैं। महात्मा गांधी ईसाई मिशनरियों के मतांतरण पर बहुत क्षुब्ध थे। उन्होंने 'हरिजन' में लिखा, 'आप पुरस्कार के रूप में चाहते हैं कि आपके मरीज ईसाई बन जाएं।' उनकी सेवा निष्काम नहीं।

डा. बीआर आंबेडकर अपने अंतःकरण की अनुभूति से बौद्ध बने थे। वह धोखाधड़ी वाले मतांतरण के विरोधी थे। उन्होंने गांधी जी की टिप्पणी पर कहा, 'मिस्टर गांधी ने तर्क दिए हैं। इनका कोई खंडन नहीं करेगा, लेकिन उन्हें मिशनों से दो टूक कहना चाहिए कि अपना काम रोक दो।' अनेक ऐतिहासिक घटनाओं के हवाले से उन्होंने मतांतरण को धोखाधड़ी बताया। उन्होंने क्लोविस व इर्थलवर्ट के सहयोग से हुए बड़े मतांतरणों के साथ रूस के व्लादिमीर के ईसाई होने और भारी जनसंख्या के मतांतरित किए जाने के उदाहरण देते हुए लिखा, 'इतिहास गवाह है कि मजबूरी या धोखाधड़ी के कारण मतांतरण हुए हैं।' मो. बिन कासिम के सिंध हमले में भी जबरन मतांतरण हुए थे। गजनी के महमूद ने भी यही किया। इस्लाम में मूर्ति-मंदिर पूजा की मनाही है। भारत में मंदिर ध्वंस का इतिहास त्रसद है। 27 मंदिरों को तोड़कर दिल्ली में कुव्वत-उल इस्लाम (इस्लाम की ताकत) मस्जिद बनी। इस्लाम की ताकत का प्रदर्शन आमजनों में डर व खौफ पैदा करने व जबरन मतांतरण के लिए हुआ।

मत, मजहब, रिलीजन और धर्म, आस्था एवं विवेक के विषय हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद-25 में 'अंतःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता है।' हालांकि, यह स्वतंत्रता निर्बाध नहीं, लोक व्यवस्था और सदाचार के अधीन है। संविधान के मूल पाठ में धर्म की जगह रिलीजन शब्द आया है। रिलीजन और धर्म में मौलिक अंतर है। धर्म भारत के लोगों की जीवनशैली है। इसे धर्म प्रचार नहीं कहा जा सकता। संविधान सभा का बहुमत धर्म प्रचार के अधिकार के विरुद्ध था। संविधान सभा में तज्जमुल हुसैन ने कहा था कि मैं आपसे मेरे तरीके से मुक्ति पाने का आग्रह क्यों करूं? आप भी मुझसे ऐसा ही क्यों कहे? इस सिद्धांत में धर्म प्रचार की आवश्यकता क्या है? दूसरे पर अपनी आस्था नहीं थोपी जा सकती। बहस लंबी चली थी। लोकनाथ मिश्र ने धर्म प्रचार के प्रस्ताव को गुलामी का दस्तावेज बताया था। उन्होंने भारत विभाजन को मतांतरण का परिणाम बताया। ऐसे बहुत उदाहरण हैं, जहां अनुचित मतांतरण कराए गए हैं। के. संथानम ने ईसाई मतांतरण पर आम जनता की आपत्तियां बताई और कहा कि अगर कोई अनुचित प्रभाव डालकर लोगों को अपने पंथ में लाता है, तो ऐसे कार्य के अनियमन का राज्य को पूरा अधिकार है।' प्रबल विरोध देखकर केएम मुंशी ने कहा 'भारतीय ईसाई समुदाय ने इस शब्द के रखने पर बहुत जोर दिया है। परिणाम कुछ भी हो हमने जो समझौते किए हैं, उन्हें हमें मानना चाहिए।' परिणाम सामने आ गए। भारत ईसाई और इस्लामी अवैध मतांतरण की गिरफ्त में है। अपनी अस्तिकता और विश्वास आनंददायी होते हैं। इस्लाम और ईसाई मत के मतावलंबियों को अपने पंथ-मजहब का आनंद और अन्य की आस्था का सम्मान करना चाहिए। उन्हें यह सत्य भी स्वीकार करना चाहिए कि केवल इस्लाम और ईसाई धारा ही पूरी दुनिया को नहीं बदल सकती। दुर्भाग्यवश इसका विपरीत ही होता आया है। ईसाई और इस्लाम मत के लोग अपनी संख्या बढ़ाने के लिए मतांतरण पर आक्रामक हैं। भय और प्रलोभन का सहारा लेते हैं। इससे सामाजिक परिवेश कलुषित होता है। मध्य प्रदेश में ईसाई मतांतरण से पीड़ित पूर्व मुख्यमंत्री रविशंकर शुक्ल ने न्यायमूर्ति भवानी शंकर की अध्यक्षता में जांच समिति बनाई थी। समिति ने मतांतरण के मकसद से आए विदेशी तत्वों को बाहर निकालने की सिफारिश भी की थी। वे अब भी विदेशी धन से मतांतरण की मुहिम में संलग्न हैं। रेगे जांच समिति (1982) ने भी मतांतरण को दंगों का कारण बताया था। ऐसी धारणाओं के बावजूद मतांतरण में सक्रिय तबकों को किसी का कोई डर नहीं। मूलभूत प्रश्न है कि क्या कोई एक आस्था सारी दुनिया को अपनी आस्था की छतरी के नीचे ला सकती है?

आरंभ से ही ईसाई और इस्लाम जैसी पंथिक मान्यताएं दुनिया को अपने विश्वास से रंगना चाहती हैं। धन के प्रलोभन और धोखाधड़ी के बावजूद उन्हें कामयाबी नहीं मिली। इसके बावजूद वे बाज नहीं आ रहे। मोदी सरकार ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई कर रही है। सिद्दीकी और अन्य सहयोगियों पर कानूनी शिकंजा कस चुका है। वास्तव में यह समय की मांग है कि भारत के सभी पंथ, रिलीजन और मजहब परस्पर संवाद करें। सब अपनी आस्था आस्तिकता और संस्कृति के रस का आनंद लें। भय प्रलोभन द्वारा मतांतरण का निकृष्ट कार्य बंद होना चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बीते 28 घंटे से पुलिस हिरासत में, नरेन्द्र मोदी सरकार पर उठाया सवाल

लखनऊ । लखीमपुर खीरी में रविवार को किसानों के उपद्रव के बाद भड़की हिंसा में चार किसान सहित आठ लोगों की मौत के बाद सियासत ने तेजी पकड़ ली। इसी क्रम में रविवार रात को ही लखनऊ पहुंची प्रियंका गांधी वाड्रा को लखीमपुर खीरी जाते समय सीतापुर में रोका गया है। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी बीते 28 घंटे से सीतापुर में सेकेंड बटालियन पीएसी के गेस्ट हाउस में हिरासत में हैं। अब वह नरेन्द्र मोदी सरकार से जानना चाहती हैं कि बिना कोई मामला दर्ज किए उनको हिरासत में कैसे रखा गया है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी हिरासत को लेकर मंगलवार को एक ट्वीट किया है। उन्होंने नरेन्द्र मोदी सरकार पर सवाल उठाया है कि बिना किसी एफआइआर के उनको 28 घंटे से हिरासत में कैसे रखा गया है। उन्होंने कहा कि आपकी सरकार ने बगैर किसी आर्डर के और एफआइआर के मुझे पिछले 28 घंटे से हिरासत में रखा है। अन्नदाता को कुचल देने वाला यह व्यक्ति अब तक क्यों गिरफ्तार नहीं हुआ। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मुझे कोई ऑर्डर नहीं दिखाया गया, कोई एफआईआर दर्ज नहीं किया गया है। जब तक यहाँ रखा जायेगा मैं यहीं रहूंगी। मुझे इस कमरे में 6 महीने रखें, 15 दिन रखें, मुझे 6 साल रखें, मैं खुशी से रहूंगी। आवाज उठाने का अधिकार हमें संविधान ने दिया है। हमारे संवैधानिक अधिकार को भाजपा छीन रही है। मेरा मकसद है कि लखीमपुर में किसानों से मिलूं उनके साथ सहानभूति दिखाऊँ। सीतापुर के द्वितीय वाहिनी पीएससी के गेस्ट हाउस में मौजूद कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट कर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने प्रधानमंत्री को टैग करते हुए लिखा है कि आपकी सरकार ने बगैर किसी ऑर्डर और एफआइआर के मुझे 28 घंटे से हिरासत में रखा है।

उन्होंने लिखा है कि अन्नदाता को कुचल देने वाला व्यक्ति अब तक गिरफ्तार नहीं हुआ है। उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें कुछ गाडियों का काफिला किसानों को कुचलते हुए दिखाई दे रहा है। इस दौरान पीएसी बटालियन की सुरक्षा बढ़ाई गई है। पीएसी बटालियन के चारों तरफ सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। चारों तरफ भारी पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है।

इसके साथ ही प्रियंका गांधी ने बहुजन समाज पार्टी व समाजवादी पार्टी पर भी हमला बोला है। सीतापुर में हिरासत के दौरान कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का एक बयान आया है, जिसमें उन्होंने समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी पर निशाना साधा है। प्रियंका गांधी ने अपने बयान में कहा कि अखिलेश यादव या मायावती कभी आपको सड़क पर हमारी तरह संघर्ष करते दिखे। मैं अब भी हिरासत में हूं, लेकिन बाकी लोगों को तो दो चार घंटों बाद बाकी लोगों को छोड़ दिया गया। योगी आदित्यनाथ सरकार के इस बड़े अन्याय के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

मुरादाबाद में किशोरी के साथ दुष्कर्म का प्रयास, एसएसपी ने दिए मुकदमा दर्ज करने के आदेश

मुरादाबाद। मूढ़ापांड़े थाना क्षेत्र के एक में किशोरी के घर में घुसकर युवक ने दुष्कर्म का प्रयास किया। शोर मचाने पर पहुंची मां के साथ भी आरोपित मारपीट करके भाग गया। पीड़ित की शिकायत पर एसएसपी ने मूंढापांडे थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए।

मूंढापांडे थानाक्षेत्र निवासी महिला ने बताया कि गांव का एक युवक उसकी नाबालिग पुत्री के साथ दो महीने से छेड़छाड़ के साथ ही अश्लील हरकतें कर रहा था। बीते एक अक्टूबर को आरोपित मुबारक सुबह के समय उनके घर में घुस आया और बेटी के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। शोर सुनकर वह बेटी को बचाने पहुंची तो आरोपित डंडे से उन्हें पीटा और मौके से भाग गया। पीड़िता की शिकायत सुनने के बाद एसएसपी बबलू कुमार ने मूंढापांड़े थाना पुलिस को जांच कर मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए।

बहजोई पुलिस ने 24 घंटे के अंदर किया लूट के आरोपित को गिरफ्तार ा सम्भल के बहजोई में अपनी ससुराल से मायके लौट रही महिला के साथ बाइक सवार दो बदमाशों के द्वारा लूटपाट की गई थी। इस दौरान महिला के पति के साथ मारपीट भी की गई थी। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर एक लुटेरे को कुछ सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया है जबकि उसका एक साथी फरार है। बदायूं जनपद के थाना जरीफनगर क्षेत्र के गांव नवाबगंज के सत्यप्रकाश अपनी पत्नी कमलेश को बाइक पर बैठाकर बहजोई कोतवाली स्थित अपनी ससुराल विसारू गांव जा रहे थे। रविवार के दोपहर बाद करीब तीन बजे गांव के ही निकट उनकी बाइक को बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने रोक लिया था और लूटपाट करने लगे थे। विरोध करने पर सत्यप्रकाश के साथ मारपीट भी की गई तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी गई थी। महिला से चांदी का गुच्छा, हसली, सोने की बेसर और पेंडल लूट लिया था। दोनों लुटेरे वहां से फरार हो गए हालांकि इस दौरान दंपती के द्वारा जब शोर मचाया गया तो गांव के लोगों ने एक युवक को पकड़ लिया। उप निरीक्षक राजवीर सिंह ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा पकड़ा गया आरोपित वास्तव में लुटेरा नहीं था। वह किसी से कहासुनी कर रहा था, तभी उसे ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था। लूट के पीड़ित दंपती के द्वारा उसे पहचानने से इन्कार किया गया। बाद में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपित उदयपाल गांव अचलपुर को टिकटा रोड से गिरफ्तार किया है। जिसके पास से सफेद धातु के कुछ जेवर और अन्य सामान बरामद हुआ है। पूछताछ में उसने बताया कि उसका एक अन्य साथी सुखवीर गांव मुलहेटा थाना बहजोई जो अभी फरार है, कुछ सामान उसके पास है। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

मुजफ्फरपुर में एटीएम काट 20 लाख की चोरी में कांटी और अहियापुर से दो पकड़ाए

मुजफ्फरपुर । सदर थाना क्षेत्र के कच्ची-पक्की स्थित एक्सिस बैंक का एटीएम काटकर 20 लाख रुपये की चोरी मामले में सोमवार की रात भर चली छापेमारी में दो संदिग्धों को पुलिस ने उठाया है। इन दोनों से पूछताछ कर सत्यापन की कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि एसएसपी जयंत कांत के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने सूचना संग्रह कर वैशाली व उसके आसपास के इलाके में छापेमारी की थी। इसी बीच सोमवार की रात अहियापुर व कांटी इलाके से दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। इन दोनों से अभी पूछताछ चल रही है। साथ ही घटना प्रकाश में आने के बाद जांच के दौरान हिरासत में लिए गए सफाईकर्मी को भी अभी थाने पर ही रखा गया है। हालांकि अब तक की पूछताछ में सफाईकर्मी ने कोई संतोषजनक जबाव नहीं दिया। साथ ही सीसीटीवी फुटेज में भी स्पष्ट तस्वीर नहीं आने से चोरों की पहचान करना पुलिस के लिए चुनौती बनी है। जांच में जुटे एक पुलिस पदाधिकारी की मानें तो अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। मगर गुत्थी सुलझाने को आसपास के जिलों की पुलिस से संपर्क किया गया है। इसके लिए आसपास के जिलों में एटीएम काटकर हुई चोरी मामले के फुटेज से मिलान किया जा रहा है। बता दें कि कच्ची-पक्की स्थित कई दुकानों में लगे सीसी कैमरे को जब पुलिस ने खंगाला था तो घटना की रात रात ढाई बजे एक सफेद रंग की कार रास्ते से निकला था। इसलिए पुलिस को आशंका है कि एटीएम काटकर चोरी करने वाले शातिर कार से ही आए थे। मगर इस दिशा में जब तक ठोस साक्ष्य नहीं मिल जाता। तब तक पुलिस की चुनौती बढ़ी हुई है। इधर, घटना के संबंध में एटीएम मेंटनेंस एजेंसी के कर्मी विवेक सिंह के बयान पर सदर थाने में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इसमें 19.99 लाख रुपये चोरी की बात बताया गया है। पुलिस का कहना है कि कर्मियों का भी मोबाइल डिटेल्स का अवलोकन किया जा रहा है।

रोहतास के डेहरी में मिले सर्वाधिक ब्लैक स्पॉट, जानिए कहां होती है सर्वाधिक दुर्घटनाएं

सासाराम । जिले के सर्वाधिक दुर्घटना वाले जगहों को जिला प्रशासन ने ब्लैक स्पाट के रूप में चिन्हित किया है। अधिकांश जगहों पर संकेतक या जागरूकता को लेकर कोई संकेतक नहीं लग पाया है, जिससे दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। हादसों को रोकने के लिए तमाम प्रशासनिक उपाय सिर्फ फाइलों तक ही सिमट के रह गए हैं। प्रशासन के द्वारा 16 जगहों पर 69 ब्लैक स्पाट चिह्नित किए गए हैं। सड़क के किनाो ट्रकों व अन्य वाहनों को खड़ा करने, ढाबा आदि जगहों पर भी बेतरतीब वाहनों को लगाने से दुर्घटनाएं कम नहीं हो पा रही हैं। सड़क सुरक्षा के लिए तमाम कवायद के बावजूद उसका अनुपालन नहीं हो पा रहा है। गत एक साल में 221 लोगों ने सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाई है। जिनमें हिट और रन के 63 मामले तथा अन्य तरीके से सड़क दुर्घटना में 158 लोगों की मौत हुई हैं। दुर्घटनाएं अधिकांश वैसे ही स्थान पर हुई हैं जहां ब्लैक स्पाट के रूप में प्रशासन चिह्नित किया है। जिले के चेनारी थाना क्षेत्र के खुर्माबाद से लेकर शिवसागर के टोल प्लाजा तक आधा दर्जन स्थानों को दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। डेहरी अनुमंडल क्षेत्र में सर्वाधिक ब्लैक स्पाट बनाए गए हैं।

डिहरी नगर थाना क्षेत्र के मनौरा पुल ,गैमन पुल ,सुअरा चकिया ,कोयला डिपो ,डालमियानगर थाना क्षेत्र में मकराइन ,इंद्रपुरी थाना क्षेत्र में शंकरपुर बालू घाट ,पाटनवा ,बस्तीपुर ,अकोढ़ीगोला थाना क्षेत्र में अकोढ़ीगोला ,दरिहट थाना क्षेत्र के देलबा लख तथा बैरकप ,रोहतास थाना क्षेत्र में कर्मा भुइंटोला ,अमझोर थाना क्षेत्र में रामडिहरा, सासाराम नगर थाना क्षेत्र में बौलिया मोड़ ,सासाराम, सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अमरातालाब , दरिगांव थाना क्षेत्र में महरानिया चेक पोस्ट, करगहर थाना के शोभाडीह ,कोचस थाना के फुली और कुछिला मोड़ ,शिवसागर थाना क्षेत्र में घोरघट, टोलप्लाजा, अउआं गेट ,कोनार ,बम्हौर ,नोखा थाना क्षेत्र में खरारी, अगरेर थाना क्षेत्र में मोकर ,नासरीगंज में बरडीहां तथा बिक्रमगंज में रेलवे गुमटी के कुल 69 जगहों को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है।

तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश पर किया पलटवार, बोले- सरकार ने अब देखना और सुनना भी बंद कर दिया

पटना। बिहार में नीति आयोग की रिपोर्ट को लेकर लगातार सियासत जारी है। स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर नीति आयोग की रिपोर्ट में बिहार को नीचले पायदान पर रखा गया है। इसको लेकर सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। सीएम नीतीश कुमार ने इशारों इशारों में राजद के शासन काल पर हमला किया। उन्होंने कहा कि, हमसे पहले वाले राज में हास्पिटल के बेड पर कुत्ता टहलता था। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने मंगलवार को ट्वीट कर लिखा है कि, अब बिहार सरकार देखने और सुनने में भी सक्षम नहीं है।

तेजस्वी यादव ने किया पलटवार-मंगलवार को लालू यादव के बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने ट्वीट कर कुछ खबरों की कटिंग को पोस्ट किया है और लिखा है कि, बिहार की सरकार पहले ही थक चुकी थी अब डबल इंजन की सरकार ने सुनना और दिखना भी बंद कर दिया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दरबार कार्यक्रम के बाद नीति आयोग की रिपोर्ट पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि, स्वास्थ्य के क्षेत्र में बिहार में बहुत काम हुए हैं और लगातार हो रहे हैं। पहले क्या हाल था,ये बात सब जानते हैं। पहली की सरकार में अस्पतालों में कुत्ता बेड पर टहला करता था, ऐसे हालात को मैंने खुद देखा है। गौरतलब है कि, नीति आयोग की रिपोर्ट को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार बिहार सरकार पर हमलावर हैं। इसको लेकर उन्होंने बकायदा डाक्टरों से संवाद भी किया था। इस दौरान उन्होंने बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े किए थे। तेजस्वी रिपोर्ट को मुद्दा बनाकर बिहार सरकार पर हमला कर रहे थे इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय और मुख्यमंत्री का वीडियो को भी ट्वीट किया था।

17 साल बाद श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी को मिलेगा नया महंत, बलवीर गिरि ने गुरु की समाधि पर मत्था टेका

प्रयागराज। सनातन धर्म के वैभव, शक्ति व समर्पण के केंद्र श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी को लगभग 17 साल नया महंत मिलेगा। आज 13 अखाड़ों के महात्माओं की मौजूदगी में श्रीनिरंजनी अखाड़ा के उपमहंत बलवीर गिरि का श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी के महंत के रूप में पट्टाभिषेक किया जाएगा। तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। श्रीनिरंजनी अखाड़ा पांच सदस्यीय सुपरवाइजरी कमेटी में शामिल महात्माओं का नाम भी घोषित करेगा। कमेटी महंत के कार्यों पर नजर रखेगी।

बलवीर गिरि ने नरेंद्र गिरि की समाधि पर मत्था टेका, किया पूजन- श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी में अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की श्रद्धांजलि समारोह शुरू हो गया है। श्रीनिरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि की अध्यक्षता में कार्यक्रम चल रहा है। निर्मल अखाड़ा के अध्यक्ष ज्ञानदेव, अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि, विहिप नेता दिनेश जी, शिक्षक विधायक सुरेश त्रिपाठी, सहित प्रमुख महात्मा मौजूद हैं। श्रद्धांजलि सभा के बाद बलवीर गिरि का पट्टाभिषेक किया जाएगा। बलवीर ने नरेंद्र गिरि की समाधि में माथा टेककर पूजन किया। आइजी केपी सिंह भी समारोह स्थल पर पहुंचे हैं।

श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी में भंडारा शुरू- श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी में पट्टाभिषेक समारोह के दौरान भंडारा शुरू हो गया है। पंगत में साधु-संत, संन्यासी बैठकर प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। पट्टाभिषेक समारोह में 10 अखाड़े के महात्मा ही शामिल हैं। वैष्णव के दिगंबर अनी, निर्वाणी अनी व निर्मोही अनी अखाड़े के महात्मा कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।

महंत नरेंद्र गिरि 2004 में बने थे मठ के महंत- अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि वर्ष 2004 में श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी के महंत बने थे। उनकी मृत्यु के बाद महंत का पद खाली था। नरेंद्र गिरि ने बलवीर गिरि का अपना उत्तराधिकारी बनाए जाने की रजिस्टर्ड वसीयत की थी, इसलिए श्रीनिरंजनी अखाड़ा के पंच परमेश्वर ने महंत के रूप में उनके पट्टाभिषेक पर सहमति दी है।

श्रद्धांजलि सभा से कार्यक्रम शुरू- आज मंगलवार को सर्वप्रथम सुबह 11 बजे श्रीमहंत विचारानंद संस्कृत महाविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा से समारोह की शुरूआत हुई। 13 अखाड़ों सहित प्रमुख महात्मा नरेंद्र गिरि को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। फिर बलवीर गिरि का पट्टाभिषेक होगा। श्रीनिरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि व पंचपरमेश्वर पहली चादर ओढ़ाएंगे। तत्पश्चात महात्मा चादर ओढ़ाकर आशीर्वाद देंगे। पट्टाभिषेक के बाद गुद्दड़ अखाड़ों के महात्माओं को भोजन कराकर दान दिया जाएगा। फिर महात्माओं के लिए भंडारा शुरू होगा।

ये विशिष्ट संत प्रयागराज पहुंच चुके हैं

इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल होने के लिए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि, जूना अखाड़ा के अध्यक्ष श्रीमहंत प्रेम गिरि, प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि, श्रीनिरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि, आनंद अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर बालकानंद, महामंडलेश्वर यतींद्रानंद सहित प्रमुख महात्मा प्रयागराज पहुंच गए हैं। संतों के आने का क्रम देर रात तक जारी रहा।

10 हजार लोगों के भोजन का है प्रबंध

श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी में अहम आयोजन की तैयारी पूरी कर ली गई है। पूरे मठ परिसर की आकर्षक सजावट की गई है। श्रद्धांजलि सभा के लिए फूल व माला का विशेष प्रबंध होगा। लगभग 10 हजार लोगों के भोजन का प्रबंध रहेगा। कारीगर सोमवार से तैयारी में जुट गए थे।

बलवीर गिरि की बढ़ी सक्रियता- पट्टाभिषेक से पहले बलवीर गिरि ने सक्रियता बढ़ा दी है। मठ में चलने वाले भंडारा की व्यवस्था अपने हाथ में ले ली है। सोमवार को वह बाहर से आने वाले महात्माओं के रुकने व भोजन का प्रबंध कराते नजर आए।

राजद के खिलाफ पप्पू यादव को उम्मीदवार बनाने की तैयारी में कांग्रेस, दोनों सीटों पर चुनौती देने की तैयारी

पटना । बिहार में राजद और कांग्रेस के बीच जंग अब खुलकर सामने आ गई है। राजद के नेता कांग्रेस की औकात पर बात कर रहे हैं तो कांग्रेस ने राजद को सबक सिखाने के लिए मजबूत उम्मीदवार तलाश लिया है। ऐसी चर्चाएं हैं कि कांग्रेस ने बिहार विधानसभा उप चुनाव के लिए जाप के सुप्रीमो पप्पू यादव को उम्मीदवार बनने के लिए आफर दिया है। पप्पू को कांग्रेस अपने टिकट पर चुनाव मैदान में उतारना चाहती है। पप्पू की पत्नी रंजीत रंजन कांग्रेस की नेता हैं और सांसद भी रह चुकी हैं। यह सामने नहीं आया है कि पप्पू यादव ने इस आफर पर क्या फैसला लिया है। कांग्रेस ने अभी आधिकारिक तौर पर इस बारे में कुछ भी नहीं कहा है, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों सीटों पर शाम तक उम्मीदवार का एलान कर ही दिया जाएगा। राजद इन दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार की घोषणा पहले ही कर चुका है।

कांग्रेस और राजद के बीच बयानबाजी चरम पर- इधर, कांग्रेस के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी को उनके कार्यकर्ता तक वोट नहीं देने वाले हैं, तो कांग्रेस के विधान पार्षद प्रेमचंद मिश्रा ने कहा कि कभी-कभार कुछ लोगों को मुगालता हो जाता है। विधानसभा चुनाव में कुशेश्वरस्थान की सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी की हार मामूली अंतर से हुई थी। जहां तक पार्टी की ताकत की बात है तो यह समझना चाहिए कि कांग्रेस और राजद के अलावा माले के भी मत महागठबंधन के सभी प्रत्याशियों को मिले थे। उन्होंने पप्पू यादव के बारे में कहा कि उन्हें उम्मीदवार बनाए जाने की जानकारी तो नहीं है, लेकिन वे हमारे नजदीक हैं और शाम तक तस्वीर क्लीयर हो जाएगी।

बिहार विधानसभा की दो सीटों पर होनेवाले उप चुनाव से ठीक पहले राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के बीच की कड़वाहट खुलकर सामने आ गई है। राजद ने साफ संकेत दे दिए हैं कि महागठबंधन में अगर रहना है तो बाकी सभी दलों को उनके रहमोकरम पर ही रहना होगा। यहां तक कि राजद ने इस बात के भी संकेत दे दिया है कि अगला चुनाव पार्टी अपने बूते पर भी लड़ सकती है। राजद की इस चुनौती का सामना कांग्रेस कैसे करेगी, इसका खुलासा आज हो जाएगा। पूरी उम्मीद है कि कांग्रेस आज इस बात का आधिकारिक फैसला ले लेगी कि उनकी पार्टी राजद के पीछे-पीछे चलेगी या फिर उप चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी। चुनाव के पहले महागठबंधन के दो प्रमुख दल अलग-अलग ध्रुव पर खड़े नजर आ रहे हैं। राजद ने दोनों सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं, जिसे देखते हुए कांग्रेस भी दोनों सीट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटी है। कुशेश्वरस्थान से पार्टी ने पूर्व मंत्री पुत्र का नाम करीब-करीब तय कर लिया है। मंगलवार को दोनों प्रत्याशियों के नाम घोषित करने की पार्टी की तैयारी है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा और विधानमंडल दल के नेता अजीत शर्मा ने कहा कि दोनों सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा मंगलवार हो जाएगी। आलाकमान के ग्रीन सिग्नल का इंतजार है, जैसे ही अनुमति मिलेगी नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। इधर पार्टी के सूत्रों ने बताया कि कुशेश्वरस्थान से पार्टी पूर्व मंत्री और 2020 के उम्मीदवार डा. अशोक कुमार के पुत्र अतिरेक को टिकट देने की तैयारी है। जबकि तारापुर के लिए पार्टी के एक कार्यकारी अध्यक्ष की पुत्री व दो अन्य नामों पर मंथन जारी है। अजीत शर्मा ने कहा कि राजद ने बीच का कोई रास्ता रहने नहीं दिया है। अब हम दोनों सीट पर अपने प्रत्याशी उतारेंगे और उनकी जीत भी सुनिश्चित करेंगे।

तीन थ्री-डी माडल में पीएम मोदी देखेंगे रामनगरी के विकास का प्रारूप, पर्यटन सुविधा केंद्र से लेकर दिखया जाएगा घाटों का स्वरूप

अयोध्या । लखनऊ में आरंभ हो रहे तीन दिवसीय न्यू इंडिया अरबन कान्क्लेव में अयोध्या का विकास मॉडल आकर्षण का केंद्र होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अवलोकन के लिए प्रस्तुत होने वाले विकास योजनाओं के मॉडल में रामनगरी का प्रारूप महत्वपूर्ण होगा। यह पहले ही स्पष्ट है कि पीएम के समक्ष विकास योजनाओं का थ्री-डी मॉडल प्रस्तुत किया जाएगा। इस मॉडल को लेकर कुछ और भी जानकारियां सामने आई हैं। कार्यक्रम में रामनगरी के समग्र विकास पर आधारित तीन थ्री-डी मॉडल पीएम के अवलोकन के लिए होंगे। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह की देखरेख में ये प्रारूप बनवाए गए हैं। अयोध्या का मॉडल प्रमुख होगा, इसलिए मॉडलों का स्थान सुनिश्चित कराने के लिए विशाल सिंह पिछले एक हफ्ते से लखनऊ में हैं।

इसी वर्ष पीएम ने 26 जून को रामनगरी के विकास की वर्चुअल समीक्षा की थी और कुछ आवश्यक सुझाव भी दिए थे, जिसके बाद विजन डॉक्यूमेंट का शीर्षक विजन 2051 से बदल कर विजन 2047 कर दिया गया। एक बार फिर रामनगरी के विकास का मॉडल पीएम के सामने होगा। अयोध्या के विकास का पूरा खाका तीन थ्री-डी मॉडल में पीएम के समक्ष रखा जाएगा।

इसमें पहला मॉडल ग्रीन फील्ड टाउनशिप(भव्य अयोध्या) का होगा। 1190 एकड़ में भव्य अयोध्या टाउनशिप का निर्माण होगा, जिसके लिए भूमि खरीद की प्रक्रिया आवास विकास कर रहा है। दूसरा मॉडल पर्यटन विकास से जुड़ी योजना पर आधारित है। इसमें बस स्टेशन, पर्यटन सुविधा केंद्र, घाटों का विकास आदि शामिल हैं, जबकि तीसरे मॉडल में रामनगरी में मूलभूत सुविधाओं के विकास से जुड़ा होगा।

कार्यक्रम के बाद मास्टर प्लान को मिलेगा अंतिम स्पर्श‑ रामनगरी के सुनियोजित विकास के लिए तैयार कराए गए मॉस्टर प्लान को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बाद अंतिम स्पर्श मिलेगा। माना जा रहा है कि कार्यक्रम में रामनगरी का मास्टर प्लान भी पीएम के ध्यानार्थ प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद मॉस्टर प्लान को मुख्य नगर एवं ग्राम्य नियोजक के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

चिराग पासवान और पशुपति पारस दोनों से छिना बंगला, चुनाव आयोग ने अलाट किया नया सिंबल

पटना । चाचा-भतीजा (पशुपति कुमार पारस व चिराग पासवान) की राजनीतिक लड़ाई में आखिरकार लोक जनशक्ति पार्टी में औपचारिक विभाजन हो गया। चुनाव आयोग ने मंगलवार को पारस और चिराग के नाम से पार्टी का अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया। पारस के हिस्से में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी और चुनाव चिह्न सिलाई मशीन आया तो चिराग को लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) और हेलीकाप्टर चुनाव चिह्न मिला। हालांकि मूल पार्टी लोजपा और उसका चुनाव चिह्न बंगला पर आयोग का अंतिम फैसला 5 नवंबर को आएगा।

सिंबल को चुनाव आयोग ने किया था फ्रीज- इससे पहले चुनाव आयोग ने लोजपा का चुनाव चिह्न बंगला को फ्रिज करते हुए इसके इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। तब चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा की दो सीटों पर होने वाले उपचुनाव में अपना प्रत्याशी उतारने के लिए चुनाव आयोग से नई पार्टी और चुनाव चिह्न देने का अनुरोध किया था। चुनाव आयोग के फैसले का दोनों पक्ष ने स्वागत किया है।

फैसला हमारे पक्ष में आएगा- केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री पशुपति कुमार पारस ने चुनाव आयोग से आवंटित नई पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर कहा कि आयोग का जो भी फैसला आया है वो मान्य है, लेकिन आयोग से 5 नवंबर को लोजपा और बंगला चुनाव चिह्न पर अंतिम फैसला हमारे पक्ष में आएगा क्योंकि असली लोजपा हमारी है। इधर, लोजपा (चिराग गुट) के प्रधान महासचिव संजय पासवान ने कहा कि चुनाव आयोग का यह अंतरिम फैसला है जो हमारे नेता चिराग पासवान को मान्य है। नई पार्टी और नये सिंबल पर हमारे नेता उपचुनाव में प्रत्याशियों को पूरी ताकत से उतारेंगे और जीत दिलाएंगे।

गौरतलब है कि, पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के निधन के बाद से पार्टी के अंदर खींचतान शुरू हो गई थी। 16 जून 2021 को लोजपा की संसदीय बोर्ड की बैठक में चिराग पासवान को साइड कर दिया गया और पशुपति कुमार पारस को संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष चुन लिया गया था। इसके बाद से ही लोजपा पर कब्जे को लेकर चिराग और पशुपति कुमार पारस के बीच रस्साकशी जारी थी। दोनों गुट लोजपा पर अपने दावेदारी ठोक रहे थे।

परित्यक्त मां-बाप को वृद्धा आश्रम से निकालने पर लखनऊ हाई कोर्ट ने लगाई रोक

लखनऊ । इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गायत्री परिवार ट्रस्ट की ओर से शहर के आदिल नगर में चल रहे समर्पण वृद्धा आश्रम से एक वृद्ध माता-पिता को निकालने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस सबंध में सिविल जज द्वारा पारित आदेश को बहाल रखा है। यह आदेश जस्टिस जसप्रीत सिंह की एकल पीठ ने वृद्धों की ओर से दाखिल रिट याचिका पर पारित किया। कोर्ट ने कहा कि रहने, खाने व बिजली के बिल के रूप में ये याचीगण वृद्धा आश्रम के प्रबंधतंत्र को 12 हजार रुपये प्रति माह जमा करेंगे जिसे सिविल विचारण के निस्तारण के समय समायोजित किया जायेगा।

याची वृद्ध माता-पिता को उनके अपने ही बच्चों ने बेसहारा छोड़ दिया है। इसके बाद उन्होने शहर के आदिल नगर में चल रहे समर्पण वृद्धा आश्रम में शरण ली। यह आश्रम गायत्री परिवार संचालित कर रहा है। इसके लिए नगर निगम ने पट्टे पर जमीन दी है।

आश्रम में रहने के लिए नियमों के मुताबिक याचियों ने 75 हजार रुपये की रकम बतौर पेशगी भरी व प्रति माह नियमित चार्ज देने की शर्त मान ली। इसके बाद उन्हें कमरा नंबर 108 आवंटित कर दिया गया। 2019 में आश्रम के प्रबंधतंत्र ने याचियों पर आश्रम खाली करने का दबाव बनाना प्रारंभ कर दिया और आरोप लगाया कि वे कर्मचारियों व अन्य अंतःवासियों से दुर्व्यवहार करते हैं। इस पर याचियों ने सिविल जज जूनियर डिवीजन की अदालत में दीवानी मुकदमा दायर कर दिया।

सिविल जज ने सात दिसंबर 2019 को उनके निष्कासन पर रोक लगा दी। बाद में आश्रम की अपील पर अपर जिला जज ने 20 अक्टूबर 2020 को सिविल जज के आदेश का खारिज कर दिय जिसके खिलाफ याचियों ने हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की।

सामुदायिक शौचालयों के निर्माण की गति धीमी पर पंचायती राज मंत्री ने जताई नाराजगी, अफसरों को निर्देश

प्रयागराज । पंचायती राज विभाग के मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी का प्रयागराज आगमन हुआ। इस दौरान उन्होंने सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों के साथ मंडलीय समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में उन्होंने मंडल में निर्माणाधीन सामुदायिक शौचालयों के प्रगति की जानकारी ली। सामुदायिक शौचालयों के निर्माण की प्रतापगढ़ में धीमी गति पर मंत्री नाखुश हुए। उन्होंने शौचालयों का निर्माण गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिया। साथ ही अफसरों से कहा कि जो सामुदायिक शौचालय बन गए हैं, उन्हें स्वयं सहायता समूहों को सौंप दिए जाएं।

प्रतापगढ़ में सामुदायिक शौचालयों के निर्माण की गति धीमी- प्रतापगढ़ में सामुदायिक शौचालयों के निर्माण की धीमी गति होने पर नाराजगी जताते हुए कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश उन्होंने दिए। साथ ही तैयार हो चुके सामुदायिक शौचालयों की जिओ टैगिंग कराए जाने के लिए स्पष्ट रूप से कहा है।

कौशांबी में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण में तेजी लाने का निर्देश- पंचायती राज विभाग के मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने निर्देशित किया कि जो सामुदायिक शौचालय खुल चुके हैं, उनका संचालन भी समय से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसी क्रम में कौशांबी और फतेहपुर जिलों में निर्माणाधीन सामुदायिक शौचालयों की प्रगति की भी जानकारी ली। मंत्री ने कौशांबी में व्यक्तिगत शौचालयों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायतों में अच्छा कार्य करने वालों के लिए मुख्यमंत्री पुरस्कार योजना के तहत आए आवेदनों के बारे में भी पंचायती राज विभाग के मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सभी एडीओ पंचायत से जानकारी ली गई। कई ब्लाकों से एक भी आवेदन न आने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जिस ब्लाक से एक भी

मुख्यमंत्री की दो घोषणाएं वनवासियों के जीवन में लाएगी बड़े बदलाव

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की दो घोषणाएं वनवासियों जीवन में बड़े बदलाव लाएगी। पहली घोषणा मप्र आबकारी नीति में होगा संशोधन कर महुआ से मदिरा बनाने की छूट और दूसरी पेसा एक्ट 1996 को प्रदेश में लागू करना। यह दोनों ही घोषणा वन अंचलों में रहने वाले वनवासियों के जीवन स्तर को सुधारने सहायक होगी। इससे वनवासियों पर दर्ज होने वाले अपराधिक प्रकरणों में कमी आएगी।

मप्र के वनवासियों को महुआ से मदिरा बनाने की मिलेगी छूट

प्रदेश सरकार वनवासियों को महुआ से मदिरा बनाने छूट देगी। इसके लिए आबकारी नीति में होगा संशोधन में संशोधन किया जाएगा। आबकारी नीति में संशोधन का खाका जल्द ही तैयार किया जाएगा। आबकारी नीति में होगा संशोधन होने के बाद प्रदेश वन अंचलों में रहने वाले वनवासियों को महुआ से मदिरा बनाने पर पुलिस या आबकारी विभाग अपराधिक प्रकरण दर्ज नही करेंगे। सरकार के इस कदम से वनवासियों पर आबकारी एक्ट के तहत दर्ज होने वाले प्रकरणों में कमी आएगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह घोषणा मंगलवार को अपनी झाबुआ यात्रा के दौरान की है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वनवासी समाज में जन्म-मृत्यु और पूजा के अनेक अवसरों पर मदिरा की जरूरत पड़ती है। ऐसे में इस समाज की संस्कृति और परंपरा के निर्वाह के लिए महुआ से मदिरा बनाने की छूट भी दी जाएगी। इसके लिए आबकारी नीति में संशोधन किया जाएगा।

श्री चौहान ने कहा कि कई मामलों में वनवासी मूल रूप से अपराधी नहीं होते हैं, लेकिन आबकारी एक्ट में मदिरा बनाना अपराध है तो प्रकरण दर्ज होते हैं। इसलिए आबकारी एक्ट में संशोधन कर वनवासियों को परंपरा के निर्वाह के लिए स्वंत्रत किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अनेक छोटे-छोटे मामलों में जनजातीय समाज को कोर्ट -कचहरी के चक्कर लगाने पड़ते हैं, ऐसे मामले जो गंभीर प्रकृति के नहीं हैं उन्हें वापस लिया जाएगा।

पेसा एक्ट लागू होने से अर्थिक स्थिति होगी मजबूत

प्रदेश में पेसा एक्ट 1996 लागू होने के बाद तेंदूपत्ता बेचने का काम वन समिति करेगी। इससे तेंदूपत्ता का संग्रहण करने वाले वनवासियों को अधिक आमदनी होगी। पेसा एक्ट के तहत स्थानीय संसाधनों पर स्थानीय वन समिति को अधिकार दिए जाएंगे। एक्ट में ग्राम पंचायतों को सामुदायिक संसाधन जैसे जमीन, खनिज संपदा, लघु वनोपज की सुरक्षा और संरक्षण का अधिकार मिल जाएगा। पेसा एक्ट लागू होने के बाद सामुदायिक वन प्रबंधन समितियां वर्किंग प्लान के अनुसार, हर साल माइक्रो प्लान बनाएंगे और उसे ग्राम सभा से अनुमोदित कराएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि झाबुआ के स्व. दिलीप सिंह भूरिया ने पेसा एक्ट को बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। सन 1996 में बना यह एक्ट तत्कालीन सरकार ने लागू नहीं किया, लेकिन हमारी सरकार इसे लागू करेगी। उन्होंने कहा कि यह एक्ट किसी भी समाज के खिलाफ नहीं है, इसे सामाजिक न्याय और समरसता के साथ लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि तेंदूपत्ता के कारोबार का पैसा वन समितियों के माध्यम से वनवासियों को दिलाया जाएगा।

झाबुआ के जनजातीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने विकास के लिए चढ़ाया कमान पर तीर

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को झाबुआ में जनजातीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य शासन जनजातीय समाज के विकास, उत्थान और उनके मान-सम्मान की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। वनवासी अंचलों का तेजी से विस्तार किया जा रहा है और आगे भी किया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि आज मैंने तीर कमान पर चढ़ाया है, जिससे मध्यप्रदेश में विकास परवान चढ़े। उन्होंने कहा कि मैं आज दोनों बाहें फैलाकर जनजातीय समाज का आह्वान करता हूं कि वे अपनी जिंदगी बदलें। मध्यप्रदेश की सरकार उनके लिए योजनाओं की बिसात बिछाकर बैठी है। मुख्यमंत्री ने जनजातीय सम्मेलन में 140 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यहां हर साल झाबुआ उत्सव मनाया जाएगा। इसमें स्थानीय कलाकारों को अवसर मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने पत्रकार की पत्नी को दिया दस लाख का चेक

भोपाल । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा के पत्रकार स्व. रामबाबू सिंह दांगी की पत्नी श्रीमती अंजलि दांगी को 10 लाख रुपए का चेक प्रदान किया। श्री रामबाबू सिंह दांगी की 20 अगस्त 2020 को सड़क दुर्घटना में असामयिक मृत्यु हो गई थी। पत्रकार स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना के अंतर्गत उनकी पत्नी श्रीमती अंजलि दांगी को 10 लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया। इस दौरान आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े, अपर संचालक जनसंपर्क सुरेश गुप्ता और यूनाइटेड इंडिया इंश्यूरेंस के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक मदन मोहन खींची उपस्थित थे। यूनाइटेड इंडिया इंश्यूरेंस कंपनी द्वारा स्व. राम बाबू सिंह दांगी का बीमा किया गया था।

12,043 चयनित शिक्षकों की सूची जारी

भोपाल । प्रोफेशनल एग्जाम बोर्ड द्वारा शिक्षक परीक्षा से चयनित अभ्यार्थियों की दस्तावेज सत्यापन उपरांत सूची जारी कर दी गई है। लंबे समय की प्रतीक्षा करने के बाद लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा बुधवार को यह सूची जारी की गई है। आयुक्त लोक शिक्षण अभय वर्मा ने बताया कि शिक्षक पात्रता परीक्षा 2018 में उच्च माध्यमिक शिक्षक तथा माध्यमिक शिक्षकों के कुल 12043 पदों की अंतिम चयन सूची जारी की गई है। इसमें 8342 उच्च माध्यमिक शिक्षक और 3701 माध्यमिक शिक्षक शामिल हैं। प्रावधिक चयन सूची और प्रतीक्षा सूची का पूर्व में प्रकाशन किया गया था, जिसमें शामिल अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के सत्यापन उपरांत उपर्युक्त पदों की अंतिम चयन सूची जारी की गई है।

शिवराज सिंह के आरोपों पर कमलनाथ का पलटवार

भोपाल । मंगलवार को झाबुआ में आयोजित जनजातीय सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह द्वारा कांग्रेस पर लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि शिवराज जी कैसे आप इतना झूठ बोल लेते हैं, कैसे आप इतनी झूठी घोषणाएं कर लेते हैं, आपके झूठ और झूठी घोषणाओं से तो झूठ भी शर्मा जाता है। नाथ ने पूछा कि आप कह रहे हैं कांग्रेस ने आदिवासी वर्ग के लिए कुछ नहीं किया। आदिवासी वर्ग इस सच्चाई को भलीभांति जानता है कि आजादी के बाद से ही कांग्रेस सरकार ने जो काम आदिवासी वर्ग के लिए किया है, वह आज तक किसी भी सरकार ने नहीं किया। कमलनाथ ने कहा कि शिवराज जी हमने आदिवासी वर्ग के हित के लिए 15 माह की सरकार में वह काम किए जो इतिहास में दर्ज हैं। आप जो आज यह झूठी घोषणाएं व झूठी नौटंकी कर रहे हैं, यह सब सिर्फ प्रदेश में होने वाले उपचुनावों को देखते हुए कर रहे हैं। आपकी यह घोषणाए सिर्फ चुनाव तक ही सीमित हैं, चुनाव के बाद तो यह घोषणाएं तो आपको खुद को भी याद नहीं रहेगी।

कुलदीप इंदौरा कल खंडवा के दौरे पर

भोपाल । कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी कुलदीप इंदौरा 07 अक्टूबर को खंडवा लोकसभा चुनाव को लेकर खंडवा में संगठनात्मक बैठक लेंगे। प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री राजीव सिंह ने बताया कि श्री इंदौरा 06 अक्टूबर को रात्रि 8.35 बजे इंदौर पहुंचेंगे और वहां रात्रि विश्राम करेंगे। श्री इंदौरा दूसरे दिन 07 अक्टूबर को सुबह 8.00 बजे इंदौर से खंडवा के लिए रवाना होंगे। वे पूर्वान्ह 11 बजे खंडवा पहुंचकर खंडवा में लोकसभा चुनाव के संबंध में संगठनात्मक बैठक लेंगे।

कांग्रेस ने की आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा झाबुआ जिले में जनजातीय कार्यक्रम के तहत की गई घोषणाओं को लेकर प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री एवं चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने चुनाव आयोग से शिकायत कर इसे आचार सहिता का खुला उल्लंघन बताते हुए कार्यक्रम का खर्चा भाजपा से वसूलने की मांग करते हुए प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है। श्री धनोपिया ने मांग की है कि खंडवा लोकसभा और पृथ्वीपुर, रैगांव, और जोबट में विधानसभा उपचुनाव प्रभावशील है। इस स्थिति में किसी प्रकार की शासकीय घोषणाएं की जाना आचार संहिता के उल्लंघन के दायरे में आती हैं। लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री और मंत्रीगण इन क्षेत्रों में अथवा सटे हुए क्षेत्रों में लोक लुभावनी घोषणाएं कर जनता को गुमराह कर रहे हैं। धनोपिया ने चुनाव आयोग से मांग की है कि झाबुआ में आयोजित जनजातीय कार्यक्रम का संपूर्ण खर्च भाजपा से वसूला जावे एवं मुख्यमंत्री द्वारा चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से की गई घोषणाओं को चुनाव प्रक्रिया के चलते स्थगित रखा जावे तथा शिवराज सिंह चौहान, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत एवं ओमप्रकाश सखलेचा के विरुद्ध आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जाए।

किसान कांग्रेस ने लखीमपुर घटना पर जताया विरोध

भोपाल। लखीमपुर में किसानों की हत्या के विरोध में मप्र किसान कांग्रेस ने मंगलवार को यहां राजधानी भोपाल के रेडक्रॉस चौराहे पर पीएम मोदी और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुतला दहन किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी उपस्थित थे। मप्र किसान कांग्रेस ने उप्र के लखीमपुर में किसानों की हत्या करने वाले हत्यारों को फांसी देने, अभा कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी को तुरंत रिहा करने तथा दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफकार्रवाई करने की मांग करते हुए राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। वहीं खाद, बिजली, पानी की कीमतों में कमी किए जाने की मांग भी किसान कांग्रेस ने भाजपा सरकार से की। मप्र किसान कांग्रेस केअध्यक्ष दिनेश गुर्जर ने कहा कि प्रियंका गांधी की गिरफ्तारी का किसान कांग्रेस विरोध करती है तथा उन्हें तुरंत रिहा किया जाए वरना किसान कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी।

परिवहन मंत्री की पहल पर लगभग 35 हजार बसों को होगा फायदा

बस ऑपरेटरों का 110 करोड़ रु. का टैक्स होगा माफ : राजपूत

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के बस ऑपरेटरों द्वारा कोरोनाकाल के तीन माह का टैक्स माफ करने की बहुप्रतीक्षित मांग को परिवहन एवं राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की पहल पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट द्वारा स्वीकार करते हुए मंजूरी प्रदान कर दी गई है।

दरअसल मध्यप्रदेश के समस्त बस ऑपरेटर परिवहन मंत्री एवं राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत से मिलकर कोरोनाकाल के तीन माह अप्रैल, मई और जून का यात्री बसों का टैक्स माफ करने की मांग कर रहे थे। परिवहन मंत्री श्री राजपूत ने बस ऑपरेटरों को आश्वासन दिया था कि मुख्यमंत्री से चर्चा करने के बाद इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा। मंगलवार को झाबुआ से लौटते वक्त परिवहन मंत्री श्री राजपूत ने मुख्यमंत्री श्री चौहान से उक्त संबंध में एक बार फिर चर्चा की। मुख्यमंत्री चौहान ने परिवहन मंत्री राजपूत की पहल को स्वीकार करते हुए कैबिनेट की बैठक में मंजूर कर दिया।

सीएम ने दिए जल्द आदेश जारी करने के निर्देश

सीएम ने अफसरों को कड़े निर्देश जारी किए कि कल ही इस संबंध में आदेश जारी कर दिए जाएं। सरकार के इस जनोपयोगी निर्णय से प्रदेश के लगभग 35 हजार बसों को लाभ मिलेगा। इसके लिए प्रदेश सरकार पर लगभग 110 करोड़ का भार आएगा। परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बस ऑपरेटरों की इस बहुप्रतीक्षित मांग को मंजूर करने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

अटल प्रगति पथ निर्माण के लिए निजी भूमि की शासकीय भूमि से अदला-बदली को मंजूरी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की वर्चुअल बैठक में 4-लेन अटल प्रगति पथ का भारतमाता परियोजना में निर्माण के लिऐ निजी भूमि की शासकीय भूमि से अदला-बदली करने के संबंध में निर्णय लिया गया। अटल प्रगति पथ परियोजना विशेष निर्माण कार्य में अर्जित की जाने वाली प्रभावित निजी भूमि के मूल्य से समतुल्य दोगुनी राशि की शासकीय भूमि अदला-बदली में प्रभावित व्यक्तियों को स्थानान्तरित करने की अनुमति दी गई। साथ ही परियोजना में आने वाली भूमि पर स्थित परिसंपत्तियों के मूल्य से दोगुनी राशि प्रभावित भूमि स्वामी को देने की अनुमति दी गई। अटल प्रगति पथ मध्यप्रदेश के श्योपुर, मुरैना और भिंड जिले से होकर गुजरेगा। पथ की कुल लंबाई मध्यप्रदेश में 313 किलोमीटर है। इस पथ को भारत सरकार द्वारा भारतमाला परियोजना में शामिल किया गया है। परियोजना में 4-लेन सड़क निर्माण के लिए राज्य की ओर से नि:शुल्क भूमि उपलब्ध कराई जानी है। परियोजना में तीनों जिलों को मिलाकर कुल 1300 हेक्टेयर निजी भूमि, 1523 हेक्टेयर शासकीय भूमि और 270 हेक्टेयर वन भूमि है। इस प्रकार कुल 3093 हेक्टेयर भूमि प्रभावित हो रही है। तीनों जिलों में 1523 हेक्टेयर शासकीय भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सितंबर, 2020 में हस्तांतरित कर दी गई है। कुल 270 हेक्टेयर वन भूमि के व्यपवर्तन की कार्यवाही प्रचलित है। परियोजना में 1300 हेक्टेयर निजी भूमि प्रभावित हो रही है। वर्तमान प्रावधानों में निजी भूमि के समतुल्य शासकीय भूमि अदला-बदली कर उपलब्ध करायी जाना है। यह कार्य दिसंबर-2021 तक पूरा किया जाना है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में लिया गया फैसला

मिल्क पावडर प्लांट : कैबिनेट ने इंदौर दुग्ध संघ में 80 करोड़ 14 लाख 79 हजार की लागत से 30 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता के मिल्क पावडर प्लांट की स्थापना के लिए 50 करोड़ रुपए का ऋण एनसीडीसी से प्राप्त करने के प्रस्ताव को अनुमोदन देने तथा उक्त ऋण पर मध्यप्रदेश सरकार के प्रत्याभूति नियम 2009 के अधीन शासकीय प्रत्याभूति की स्वीकृति देने का निर्णय लिया।

उपचुनावों के लिए भाजपा जल्द करेगी प्रत्याशियों की घोषणा

भोपाल (एजेंसी)। उपचुनाव में उम्मीदवार चयन को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भाजपा वंशवाद और परिवारवाद की पार्टी नहीं है। भाजपा में उम्मीदवार चयन की निर्धारित प्रक्रिया है, जिसमें कार्यकर्ता की राय बहुत महत्वपूर्ण है।

भाजपा ही एक मात्र ऐसी पार्टी है,जिसमें पहले स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ता और नेता मिलकर उम्मीदवारों के नाम पर विचार करते हैं, फिर नाम के पैनल को केंद्रीय स्तर पर भेजा जाता है। केंद्रीय नेतृत्व उम्मीदवार का नाम घोषित करता है। यहां पैनल में कुछ नाम और उम्मीदवार का नाम कुछ और तय नहीं किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपचुनाव में भाजपा जल्दी ही उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करेंगी। अभी पितृपक्ष चल रहे हैं, उम्मीदवार नवरात्र शुरू होने के बाद ही नमांकन पत्र जमा करेंगे।

पीएम मोदी के सम्मेलन- सह-एक्सपो के उद्घाटन में शामिल हुए भूपेंद्र सिंह

भोपाल । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में आजादी@75-नया शहरी भारत शहरी परिदृश्य में बदलाव सम्मेलन-सह-एक्सपो का उद्घाटन किया। सम्मेलन में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह शामिल हुए। लखनऊ में आयोजित सम्मेलन-सह-एक्सपो में इंदौर के लाइट हाउस प्रोजेक्ट, बॉयो मेथेशन (बॉयो सीएनजी) प्लांट, द फूड स्ट्रीट-छप्पन दुकान का जीर्णोद्धार और मेटेरियल रिकवरी फेसिलिटी से संबंधित गतिविधियों की प्रदर्शनी लगाई गई है। सम्मेलन में शामिल होने आए विभिन्न प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर देश के स्वच्छतम शहर इंदौर में संचालित इन गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

भाजपा के पास उम्मीदवार भी नहीं, बिकाऊ के भरोसे लड़ती है चुनाव

दिग्विजय सिंह ने आदिवासी विभाग के कार्यक्रम में साधा निशाना

भोपाल (एजेंसी)। मप्र में होने वाले उपचुनावों में भाजपा द्वारा उभी तक उम्मीदवारों के नाम की घोषणा न किरने को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कटाक्ष करते हुए कहा है कि भाजपा के पास उम्मीदवार भी नहीं हैं, बिकाऊ के भरोसे चुनाव लड़ती है। यह बात श्री सिंह ने मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आदिवासी विभाग के कार्यक्रम में कही।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से आदिवासी भाइयों और जनजाति के हितों के लिए काम करती रही है, लेकिन भाजपा का 16 साल का शिवराज इस बात का गवाह है कि किस तरह आदिवासियों को धोखा दिया गया है, भोजन के अधिकार में कांग्रेस की सरकार ने जो मातृत्व लाभ की योजना बनाई थी भाजपा की सरकार उसे भी पूर्णता लागू नहीं कर सकी, आदिवासी क्षेत्रों में कुपोषण 16 साल में समाप्त नहीं हो सका और सरकार आज वहां पर विद्यालय बंद कर शिक्षा का क्षेत्र में अंधेरा फैलाना चाहती है।

दिग्विजय ने आदिवासी विभाग से अपेक्षा कि कि वह जनयात्रा निकाले जो बुंदेलखंड, महाकौशल और विंध्य क्षेत्र से गुजरे। इस यात्रा में आदिवासी भाइयों की समस्याओं, आदिवासी फंड के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार की ग्राऊंड रिपोर्ट लें। सिंह ने रानी दुर्गावती के शौर्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि रानी लक्ष्मीबाई, अवंतिबाई की तरह वे अपनी जनता के लिए संघर्षरत थीं। उन्होंने कहा, बहादुर महिला नेताओं में इंदिरा जी ऐसी नेता थीं जिन्होंने इतिहास ही नहीं भूगोल भी बदल दिया। पाकिस्तान के चीरकर दो टुकड़े कर दिए और सिक्किम को भारत का हिस्सा बना दिया। सिंह ने कहा कि भाजपा चार दशक में न तो नेतृत्व विकसित कर पाई न नीति, आज भी बिकाऊ के भरोसे चुनाव लड़ती है और कांग्रेस को योजनाओं पर नाम बदलकर नीति की बात करती है। यह उनका चरित्र है।

एनसीपीसीआर द्वारा बच्चों के लिए समर्पण कार्यक्रम

भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग द्वारा बच्चों के लिए समर्पण कार्यक्रम की शुरूआत की है। इसमें ऐसे बच्चों की वित्तीय सहायता की जायेगी, जिन्होंने कोरोना महामारी के कारण अपने माता-पिता में से किसी एक को या दोनों को खो दिया है।

बच्चों के लिए समर्पण कार्यक्रमों में अपर मुख्य सचिव महिला बाल विकास श्रअशोक शाह के नेतृत्व में 4 अक्टूबर को ऑनलाइन माध्यम से इस कार्यक्रम को लांच किया गया। आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगों ने बताया कि बच्चों लिए समर्पण कार्यक्रम की शुरुआत मध्यप्रदेश के तीन जिलों विदिशा, रायसेन और सीहोर से की गई है। भविष्य में इसका विस्तार किया जायेगा। उन्होंने बताया कि वेदांतु इनोवेशन लिमिटेड द्वारा प्रदेश के तीन जिलों के आयोग द्वारा चिन्हित 83 बच्चों को निजी स्पॉन्सरशिप के अन्तर्गत बच्चों एवं उनके संरक्षकों के खातों में प्रति बच्चा प्रति माह दो हजार रूपये के मान से एक लाख 66 हजार रुपए की प्रथम किश्त आंतरित की गई।

प्रदेश के तीन जिलों से की गई शुरुआत

कोविड-19 की महामारी से बच्चें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं। आयोग द्वारा ऐसे सभी बच्चों का डाटा एकत्र किया गया है जो असुरक्षित हो गए है, जिन्हें देखभाल और सुरक्षा की जरूरत है तथा जिन्होंने अपने एकल या माता-पिता दोनों को कोविड-19 या मार्च 2020 के बाद किसी अन्य कारणों से खो दिया है। उन्हें लाभ पहुँचाने के लिए अशासकीय संगठनों को भी जोड़ा गया है। वेदांतु इनोवेशन लिमिटेड के संस्थापक पुलकित जैन ने तीन जिलों के 53 बच्चों को न सिर्फ आर्थिक सहायता दी बल्कि उनके निरंतर संपर्क में रहकर उनके समग्र विकास की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं वामपंथी और कांग्रेसी : अग्रवाल

भोपाल । आज भारत में शहरी नक्सली, वामपंथी और कांग्रेसी वही भाषा बोल रहे हैं, जिस भाषा का प्रयोग पाकिस्तान बोल रहा है। मुद्दा कोई भी हो, इन दलों के नेता पाकिस्तानी सुर में ही बात करते हैं। सर्जिकल स्ट्राइक पर तो इन नेताओं ने जो सवाल उठाए, जो बयान दिए, वो बयान और इन नेताओं के वीडियो पाकिस्तान ने अपने डोजियर में शामिल किए हैं। यह बात भाजपा के प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल ने नानाजी देशमुख ग्रंथालय एवं प्रलेखन विभाग में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कही। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में स्थित नानाजी देशमुख ग्रंथालय एवं प्रलेखन विभाग में मंगलवार को 155 वां स्वाध्याय मंडल संपन्न हुआ। अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाएं जनजन को लाभ पहुंचा रही हैं। विपक्षी दल इन योजनाओं और सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हैं, जिसका उन्हें कोई अधिकार नहीं है। श्री अग्रवाल ने कहा कि आजादी के बाद जो काम 70 वर्षों में नहीं हो पाए, वो काम आज प्रधनमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। ग्रंथालय एवं प्रलेखन विभाग द्वारा रजनीश अग्रवाल का स्वागत हिन्दू धर्म मानव धर्म नामक पुस्तक भेंट कर किया गया।

एक से 15 नवंबर तक मनाया जाएगा अभिलेख शुद्धिकरण पखवाड़ा

खसरा-खतौनी एवं नक्शा के लिए परेशान नहीं होंगे आवेदक

भोपाल (एजेंसी)।

राजस्व अभिलेख में दर्ज त्रुटियां सुधारेगा विभाग

राजस्व अभिलेखों में दर्ज त्रुटियों को सुधारने के लिए प्रदेश का राजस्व विभाग एक नया प्रयोग करने जा रहा है। राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए राजस्व विभाग ने मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस एक नवंबर से लेकर 15 नवंबर तक अभिलेख शुद्धिकरण पखवाड़ा मनाने का निर्णय लिया है। इस पखवाड़े में प्रदेश स्तर से राजस्व अभिलेख में दर्ज त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि अभियान के रूप में ठीक की जाएंगी। इसके लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। दो अक्टूबर से प्रदेश भर में विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की जा रही हैं। इन विशेष ग्राम सभाओं में की जा रही कार्यशालाओं से इसकी तैयारी भी शुरू हो गई है। ग्राम सभाओं में रिकॉर्ड संबंधी जो त्रुटियां सामने आएंगी, उनका निराकरण इसी पखवाड़े के बीच किया जाएगा। रिकॉर्ड शुद्धिकरण पखवाड़े में कुछ त्रुटियों को राज्य स्तर पर, कुछ को जिला स्तर पर सुधारा जाएगा। इस पखवाड़े में मुख्य रूप से फौती नामांतरण और भूमि स्वामी का नाम आधार कार्ड अनुसार सुधारा जाएगा, क्योंकि इस त्रुटि के कारण कई बार किसानों को पीएम किसान और सीएम किसान योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों एवं नागरिकों से अनुरोध किया है कि ग्राम सभाओं में उपस्थित हो कर रिकॉर्ड में जो भी त्रुटि हो उसे सामने लाएं। आमजन मानस की सुविधा के लिए यह पखवाड़ा बहुत ही महत्वपूर्ण है।

नियमों के सरलीकरण से राह हुई आसान

आम जनमानस को राहत देने के लिए प्रदेश में भू राजस्व संहिता एवं उसके नियम व निर्देशों में सरलीकरण का कार्य पिछले पांच सालों से किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि नागरिकों को घर बैठे 24 घंटा एवं सप्ताह में सातों दिन आसानी से खसरा-खतौनी की प्रतिलिपि प्राप्त हो जाती है। आज कंप्यूटर एवं इंटरनेट के माध्यम से घर से ही नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन व डायवर्सन के आवेदन कर पा रहे हैं। इसके अलावा भू राजस्व ऑनलाइन जमा करने की सुविधा भी नागरिकों को प्रदान की जा रही है।

प्रधानमंत्री आज हरदा से करेंगे स्वामित्व योजना का शुभारंभ

मध्यप्रदेश में स्वामित्व योजना का शुभारंभ हरदा जिले से छह अक्टूबर से किया जाएगा। हरदा के समस्त हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख का वितरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से होगा। इस दिन ग्रामीण क्षेत्र में आबादी की भूमि पर निवास करने वाले नागरिकों को अधिकार अभिलेख का वितरण किया जाएगा। अब प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी में कोई भी नागरिक बिना भूमि के नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व तथा राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में प्रदेश में राजस्व विभाग द्वारा भू स्वामित्व की योजना को सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है।

इनका कहना है

राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटि सुधार के लिए भूमिस्वामी, किसान या आम नागरिक भी सीधे आवेदन कर सकते हैं। मेरी कोशिश रहेगी कि कोई भी भू धारक खसरा, खतौनी एवं नक्शा के लिए परेशान न हो।

गोविंद सिंह राजपूत, मंत्री राजस्व एवं परिवहन, मप्र

फिल्म 'रंगीला' के गाने में उर्मिला मातोंडकर ने जैकी श्रॉफ की बनियान पहन लगाई थी समंदर किनारे दौड़

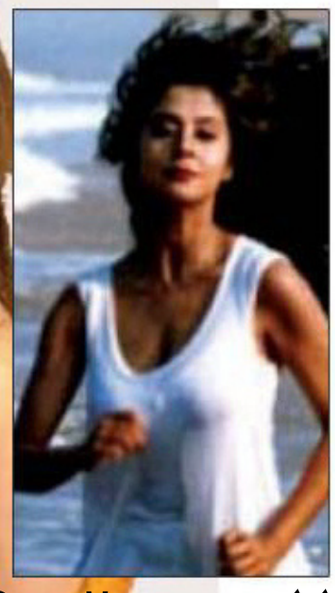

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर साल 1995 में रिलीज हुई फिल्म 'रंगीला' में जैकी श्रॉफ और आमिर खान के साथ नजर आई थी। यह फिल्म जबरदस्त हिट हुई थी, इसके बाद उर्मिला को रंगीला गर्ल के तौर पर पहचाना जाने लगा। हाल ही में उर्मिला मातोंडकर ने इस फिल्म से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उर्मिला मातोंडर 'जी कॉमेडी शो' में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने फिल्म रंगीला का किस्सा साझा करते हुए बताया कि फिल्म के सुपरहिट गाने तन्हा तन्हा में उन्होंने समंदर की लहरों पर भागते हुए व्हाइट ड्रेस पहनी थी। वो दरअसल जैकी श्रॉफ की बनियान थी। हालांकि शुरुआत में उर्मिला को ये थोड़ा अजीब लगा था लेकिन फिर वो इसके लिए तैयार हो गईं। फिल्म के मेकर्स ने कास्ट को पहले ही बताया था कि गाना इस तरह शूट होगा कि वो किसी भी तरह से कॉपी ना हो। सब कुछ ऑरिजिनल आइडिया के साथ फिल्माया जाएगा जिसके बाद खुद जैकी श्रॉफ ने ये आइडिया दिया था कि उर्मिला को उनकी बनियान पहन लेनी चाहिए। बता दें कि इस गाने में उर्मिला मातोंडकर समंदर किनारे एक लॉन्ग बनियान पहने दौड़ती नजर आती हैं। यह फिल्म इतनी हिट हुई कि इसे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में भी दिखाया गया। इस फिल्म को उस साल 7 फिल्मफेयर अवॉर्ड मिले थे।

बिग बॉस15 का होने जा रहा आगाज

सलमान खान का रियलिटी शो 'बिग बॉस 15' टीवी पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। इस शो का ग्रैंड प्रीमियर 2 अक्टूबर को कलर्स चैनल पर होने जा रहा है। शो में आने वाले सभी कंटेस्टेंट्स को इस बार जंगल से गुजकर घर में एंट्री मिलेगी। हम आपको बताते हैं कि बिग बॉस के दीवाने इसे कब, कहां और कैसे देख सकते हैं। बिग बॉस 15 का प्रीमियर 2 अक्टूबर को रात 9.30 बजे किया जाएगा। यह शो सोमवार से शुक्रवार रात 10.30 बजे दिखाया जाएगा, जबकि शनिवार और रविवार को यह 9.30 बजे टेलीकास्ट होगा। हर शनिवार और रविवार वीकेंड का वार एपिसोड़ आएगा, जिसमें सलमान खान प्रतियोगियों के साथ बातचीत करते नजर आएंगे। दर्शक इस शो को ओटीटी प्लेटफार्म वूट पर भी टीवी पर टेलीकास्ट होने के बाद देख सकते हैं।

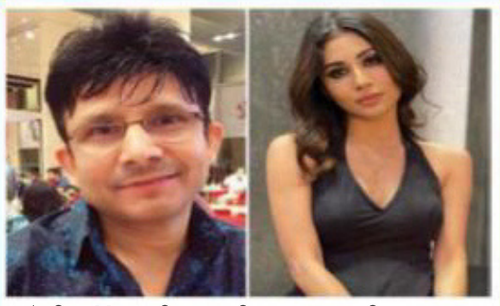

मौनी रॉय की बढ़ती खूबसूरती का केआरके ने उड़ाया मजाक, बोले- पैसा लुक्स भी बदल सकता है

कमाल राशिद खान यानि केआरके अक्सर बॉलीवुड सेलेब्स से पंगा लेते रहते हैं। वहीं इस बार उन्होंने टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय पर निशाना साधा है। केआरके ने मौनी रॉय की हर साल बढ़ती खूबसूरती और ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर कमेंट किया है। केआरके ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मौनी रॉय की तस्वीरों का एक कोलाज शेयर किया है। इस कोलाज की हर तस्वीर में मौनी रॉय का अलग लुक नजर आ रहा है। केआरके ने नाम ना लेते हुए मौनी के लुक्स में बदलाव के पीछे का राज प्लास्टिक सर्जरी बताया है। उन्होंने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा, पैसा लुक्स भी बदल सकता है। यहां देखिए एक्ट्रेस मौनी रॉय अपने लुक्स बदलती रहती हैं।बता दें कि मौनी रॉय के लुक्स में बहुत बदलाव आया है। उनका ट्रांसफॉर्मेशन देख हर कोई चौंक जाता है। उन्होंने कभी स्वीकार नहीं किया है कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। हालांकि कई बार वह अपने लुक के लिए ट्रोल भी हुई हैं।

दीपिका पादुकोण ने अपने नाम किया 'ग्लोबल अचीवर्स अवॉर्ड'

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण अपनी एक्टिंग के दम पर लाखों लोगों के दिलों पर राज करती हैं। दीपिका की फैन फॉलोइंग दुनिया के हर कोने में हैं। ग्लोबल डॉमिनेंस की ताकत साबित करते हुए, दीपिका पादुकोण ने एक अंतरराष्ट्रीय मंच द्वारा 'बॉलीवुड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' के लिए फिल्म बिरादरी में उनकी उपलब्धियों के लिए ग्लोबल अचीवर्स अवॉर्ड 2021 हासिल किया है। ग्लोबल अवॉर्ड 2021, को इस वर्ष 3000 से अधिक नामांकन प्राप्त हुए है। जूरी के लिए विजेताओं को शॉर्ट-लिस्ट करना कठिन था क्योंकि सभी नामांकनों का अपने-अपने क्षेत्र में एक सफल ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। दीपिका इंडस्ट्री में एकमात्र भारतीय अभिनेता होने के नाते यह पुरस्कार जीतने में सफल रहीं है। वह एक वैश्विक आइकन हैं, जो न केवल अपने फैशन स्टेटमेंट से बल्कि अपनी फिल्मों और परफॉर्मेंस स्किल्स से अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। भारत में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के रूप में जानी जाने वाली, दीपिका ने अपनी कड़ी मेहनत से सफलतापूर्वक अपना नाम कमाया है। साल 2018 में, टाइम मैगज़ीन ने उन्हें दुनिया भर के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक का नाम दिया था। वह सूची में स्थान हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय अभिनेत्री बनी थीं। एक साल बाद, दीपिका को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 26वें वार्षिक क्रिस्टल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, जिसके साथ वह दावोस 2020 विजेताओं की सूची में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय अभिनेत्री बनी थीं। दीपिका पादुकोण वैराइटी की लगातार दूसरी बार 'इंटरनेशनल वीमेन इम्पैक्ट रिपोर्ट' में प्रदर्शित होने वाली एकमात्र भारतीय अभिनेत्री थीं, जो दुनिया भर में मनोरंजन में महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाती है। इन वर्षों में, दीपिका ने सभी को अपनी आवाज़ सुनाई है, जिसने वैश्विक प्रभाव पैदा किया है, फिर चाहे वह उनकी फिल्म चॉइस हो या उनका फाउंडेशन 'लिव लव लाफ'।

गांधी जयंती के मौके पर बीच क्लीनिंग अभियान में शामिल हुई जैकलीन फर्नांडिस

गांधी जयंती और स्वच्छ भारत अभियान की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर, जैकलीन फर्नांडिस ने योलो फाउंडेशन के तहत समुद्र तटों को साफ करने का मिशन शुरू किया है। जैकलीन, जिन्होंने 'काइंडनेस की कहानियों को बनाने और साझा करने' के लिए योलो फाउंडेशन की स्थापना की है, उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मुंबई समुद्र तट की सफाई करने का अपना अनुभव साझा किया है और दूसरों को भी सुंदर और ग्रह को एक स्वच्छ स्थान बनाने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया है। जैकलीन पोस्ट में लिखती हैं, 2 अक्टूबर, एक तारीख जो लाखों दिलों में अंकित है क्योंकि इस दिन मोहनदास करमचंद गांधी की जयंती होती है। आज, यह और भी खास है क्योंकि स्वच्छ भारत अभियान के 4 साल पूरे हो गए है। एक स्वच्छ शहर सबसे अच्छा उपहार है जो हम खुद को और अन्य नागरिकों को दें सकते हैं। उन्होंने लिखा, इस दिन अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए, मैंने @jlyolofoundation और @beachplyindia से @kalambemalhar के साथ मीठी नदी के तट पर जाने का फैसला किया, यह समझने के लिए कि हम कैसे योगदान दे सकते हैं। @beachplyindia हमारे शहर को साफ रखने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। वे नियमित रूप से समुद्र तट की सफाई करते हैं जिसमें हम सभी भी वालंटियर कर सकते हैं !! आइए हम सब मिलकर इस खूबसूरत शहर, देश और ग्रह को बचाने का संकल्प लें। जैकलीन मानवता के प्रति अपनी दयालुता के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में वह सड़कों पर जरूरतमंदों की मदद करती नजर आई थीं। काम पर जाते समय, अभिनेत्री ने अपनी कार रोक कर, मदद का हाथ आगे बढ़ाते हुए एक जरूरतमंद व्यक्ति के साथ बातचीत की थी और इन तस्वीरों ने खूब प्रशंसा बटोरी थी। इस बीच वर्क फ्रंट पर, जैकलीन जिन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर 55 मिलियन फॉलोअर्स का माइलस्टोन पार किया है, एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत पुलिस' में नज़र आई थीं। इसके अलावा, उनके पास 'किक 2', 'बच्चन पांडे', 'राम सेतु' जैसी बिग बजट फिल्में हैं।

पंकज त्रिपाठी का खुलासा, स्ट्रगल के दिनों में पत्नी ने किया था इस तरह सपोर्ट

पंकज ने अपने शानदार अभिनय से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। पंकज त्रिपाठी ने बिहार के गोपालगंज जिले में स्थित एक गांव से निकलकर अपनी एक्टिंग से सबका दिल जीत लिया है। पंकज त्रिपाठी ने मनोरंजन जगत में इस मुकाम को हासिल करने के लिए काफी मुश्किलों का सामना किया है। वह न सिर्फ एक कमरे के मकान में रहे बल्कि उन?होंने गुजारे के लिए कई छोटे मोटे काम भी किए। पंकज त्रिपाठी क्रीज शो कौन बनेगा करोड़पति 13 के शानदार शुक्रवार एपिसोड़ में प्रतीक गांधक्ष संग नजर आने वाले हैं। इस दौरान पंकज त्रिपाठी ने अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए शो के होस्ट अमिताभ बच्चन के साथ बात की। पंकज त्रिपाठी ने यह भी खुलासा किया कि दूसरे स्ट्रगलिंग एक्टर्स की तरह, वह अपनी पत्नी मृदुला त्रिपाठी की बदौलत अंधेरी स्टेशन पर नहीं सो पाए। पंकज ने अमिताभ बच्चन संग बात करते हुए बताया कि मैं 2004 में मुंबई आया था और 2012 में गैंग्स ऑफ वासेपुर मिली थी। आठ साल से, कोई नहीं जानता था कि मैं क्या कर रहा था। जब लोग मुझसे पूछते हैं, 'आपके स्ट्रगल के दिन कैसे थे', तभी मुझे एहसास हुआ कि 'ओह, वह मेरे स्ट्रगल के दिन थे?' उन्होंने कहा, उस समय मुझे नहीं पता था कि यह एक कठिन दौर था। मुझे कठिनाई का एहसास नहीं था क्योंकि मेरी पत्नी बच्चों को पढ़ाती थीं, हमारी जरूरतें भी बहुत सीमित थीं। हम एक छोटे से घर में रहते थे और वह कमाती थीं इसलिए मैं आसानी से रहता था। उसकी वजह से मैं कभी अंधेरी स्टेशन पे नहीं सोया। बता दें कि पंकज त्रिपाठी ने साल 2003 में कन्नड़ फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद साल 2004 में उन्होंने हिन्दी फिल्म 'रन' में काम किया. पंकज ने इसके बाद कई फिल्मों में काम किया। उन्हें फिल्म गैंग्स ऑफ़ वासेपुर से जबरदस्त पहचान मिली।

'द नाइट मैनेजर' से बाहर हुए रितिक रोशन

बॉलीवुड एक्टर रितिक रोशन के पास इन दिनों कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। बीते दिनों खबर आई थी कि वह ब्रिटिश वेब सीरीज 'द नाइट मैनेजर' के हिन्दी रीमेक के जरिए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंट्री करेंगे। ताजा खबरों की माने तो इस वेब सीरीज से रितिक रोशन अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। बताया जा रहा है कि इस वेब सीरीज के लिए मेकर्स उन्हें 75 करोड़ रुपए देने को तैयार थे लेकिन रितिक रोशन ने यह ऑफर ठुकरा दिया है। अब द नाइट मैनेजर रीमेक में आदित्य रॉय कपूर की एंट्री हुई है। यह आदित्य रॉय कपूर की पहली वेब सीरीज होगी। यह सीरीज बहुत पड़े पैमाने पर शूट की जाएगी। सीरीज में आदित्य वही किरदार निभाएंगे, जो ओरिजिनल में टॉम हिडलटन ने निभाया था। अनिल कपूर भी इस सीरीज़ का हिस्सा हो सकते हैं। ये दोनों कलाकार मलंग में साथ काम कर चुके हैं। इस वेब सीरीज को मेकर्स अलग-अलग लोकेशन्स पर शूट करेंगे, जिसके लिए जबरदस्त तैयारी की जा रही है। द नाइट मैनेजर का डायरेक्शन संदीप मोदी करेंगे।

सनराइजर्स को हराकर शीर्ष दो में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार रखने उतरेगा आरसीबी

एजेंसी ■ अबुधाबी

प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित करने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) शीर्ष दो में पहुंचने की उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार हार से पस्त सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगा। अपने पहले आईपीएल खिताब की कवायद में लगा आरसीबी अभी 12 मैचों में 16 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स 20 अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि उसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स (18) का नंबर आता है। सनराइजर्स पर जीत से आरसीबी का शुक्रवार को दिल्ली के खिलाफ होने वाले लीग चरण के अपने अंतिम मैच से पहले मनोबल बढ़ेगा। अगर आरसीबी अपने दोनों मैच जीत लेता है तो उसके 20 अंक हो जाएंगे और उसके पास शीर्ष दो में पहुंचने का मौका होगा। दूसरे चरण के शुरू में कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई से हारने के बाद आरसीबी ने अच्छी वापसी की और लगातार तीन मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाई।

विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम जीत का अपना यह अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी। कोहली अभी तक बड़ा स्कोर नहीं बना पाए हैं लेकिन वे अच्छी लय में दिख रहे हैं। उनके साथ युवा सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने भी अच्छी भूमिका निभाई है। लेकिन आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने पिछले मैच में लगातार तीसरा अर्धशतक जमाया था। मैक्सवेल ने 33 गेंदों पर 57 रन बनाए जिससे आरसीबी ने सात विकेट पर 164 रन का स्कोर खड़ा किया जिसका उसके गेंदबाजों ने आसानी से बचाव किया। एबी डिविलियर्स को इस सत्र में अधिक मौके नहीं मिले हैं जिससे पता चलता है कि उसका शीर्ष क्रम कितना अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। आरसीबी के गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। मोहम्मद सिराज, जॉर्ज गार्टन और हर्षल पटेल तेज गेंदबाजी विभाग जबकि युजवेंद्र चहल स्पिन विभाग में अच्छी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। दूसरी तरफ सनराइजर्स इस सत्र को याद भी नहीं करना चाहेगा। लगातार हार से उसकी टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है।

टीमें इस प्रकार हैं :

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर: विराट कोहली (कप्तान), नवदीप सैनी, ग्लेन मैक्सवेल, डैन क्रिस्टियन, रजत पाटीदार, दुष्मंथा चमीरा, पवन देशपांडे, मोहम्मद सिराज, हर्षल पटेल, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन बेबी, वनिन्दु हसरंगा, जॉर्ज गार्टन, युजवेंद्र चहल, शाहबाज अहमद, देवदत्त पडिक्कल, काइल जैमीसन, सुयश प्रभुदेसाई, केएस भरत, टिम डेविड, आकाश दीप, एबी डिविलियर्स।

सनराइजर्स हैदराबाद: केन विलियमसन (कप्तान), डेविड वार्नर, मनीष पांडे, शेरफेन रदरफोर्ड, रिद्धिमान साहा, श्रीवत्स गोस्वामी, राशिद खान, विजय शंकर, मोहम्मद नबी, अभिषेक शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, सिद्धार्थ कौल, खलील अहमद, उरमान मलिक, बासिल थम्पी , संदीप शर्मा, शाहबाज नदीम, अब्दुल समद, जे सुचित, जैसन होल्डर, विराट सिंह, प्रियम गर्ग, केदार जाधव, मुजीब-उर-रहमान, जैसन रॉय।

मैच शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

अश्विन ने मोर्गन पर कहा: निश्चित तौर पर निजी जंग नहीं, सभी अलग होते हैं

एजेंसी ■ दुबई

भारत के सीनियर आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान इंग्लैंड और कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान इयोन मोर्गन के साथ मैदान पर बहस से जुड़े विवाद को खत्म करने का प्रयास करते हुए कहा कि यह निजी लड़ाई नहीं थी बल्कि खेल कैसे खेला जाना चाहिए इसे लेकर नजरिए में अंतर था। पिछले हफ्ते दिल्ली कैपिटल्स और नाइट राइडर्स के बीच आईपीएल मैच के दौरान ऋषभ पंत के शरीर से टकराकर गेंद के दूर जाने पर अश्विन ने एक रन लेने का प्रयास किया था। अश्विन की इसके बाद इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान के साथ बहस हुई थी जिसने भारतीय क्रिकेटर पर खेल भावना के तहत नहीं खेलने का आरोप लगाया था। एमसीसी के नियमों में हालांकि स्पष्ट किया गया है कि बल्लेबाज के शरीर से गेंद लगने के बाद रन लेने की स्वीकृति है।

इंग्लैंड को भी इस तरह की घटना में फायदा मिला था जब 2019 विश्व कप फाइनल में बाउंड्री के करीब से फेंकी गई थ्रो बेन स्टोक्स के बल्ले से लगकर चार रन के लिए चली गई थी और अंपायर ने ओवरथ्रो के रन दिए थे और अंततः इंग्लैंड खिताब जीतने में सफल रहा था। अश्विन ने कल रात चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मुकाबले के बाद कहा, मुझे लगता है कि यह निश्चित तौर पर निजी लड़ाई नहीं है और मैं इसे इस तरह देखता भी नहीं हूं।

एक नजर

पाकिस्तान छोड़कर अमेरिका मे लीग क्रिकेट खेलेगा उमर अकमल

कराची। पाकिस्तान के विवादास्पद क्रिकेटर उमर अकमल ने अमेरिका में लीग क्रिकेट खेलने के लिए देश छोड़ दिया है। अकमल पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के तहत प्रतिबंध लगा था जो हाल में समाप्त हुआ। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार इस 31 वर्षीय क्रिकेटर ने नार्दर्न क्रिकेट कैलिफोर्निया एसोसिएशन के साथ अल्पकालिक अनुबंध किया है लेकिन उन्होंने इसे भविष्य में आगे बढ़ाने का विकल्प खुला रखा जिससे उनके पाकिस्तान क्रिकेट के साथ रिश्ते समाप्त हो जाएंगे। अकमल ने इस सत्र में पीसीबी क्रिकेट एसोसिएशन टी20 टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था जिसमें उन्होंने सेंट्रल पंजाब सेकंड इलेवन की तरफ से 0, 14, 7, 16 और 29 रन की पारियां खेली थी। इसके बाद ही उन्होंने कैलिफोर्निया जाने का फैसला किया। कायदे आजम ट्राफी 20 अक्टूबर से शुरू होगी और यह स्पष्ट नहीं है कि अकमल इस शीर्ष घरेलू टूर्नामेंट में खेलने के लिए वापसी करेगा या नहीं। वेबसाइट ने दावा किया है कि अकमल की वापसी का क्रिकेट समुदाय में स्वागत नहीं किया गया था और उन्हें नेशनल टी20 कप के लिए नहीं चुना गया था।

हेटमायर के प्रयासो को ड्रेसिंग रूम में सराहा जाता है : अश्विन

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शिमरोन हेटमायर की प्रशंसा करते हुए कहा कि वेस्टइंडीज के इस आक्रामक बल्लेबाज ने इस साल टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है और ड्रेसिंग रूम में उनके प्रयासों को सराहा जाता है। हेटमायर के 18 गेंदों पर नाबाद 28 रन की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स को तीन विकेट से हराया। अश्विन ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लगता है कि छह से आठ अंक दिलाने का श्रेय हेटी (हेटमायर) को जाता है क्योंकि वह टीम को आखिर में जीत दिलाता है।

संक्षिप्त खबर

महिला आईपीएल होगा लेकिन मजबूत घरेलू ढांचा होना अधिक महत्वपूर्ण: करीम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

महिलाओं की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मांग तेज हो रही है लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में महिला क्रिकेट के पूर्व प्रमुख सबा करीम का मानना है कि मजबूत घरेलू ढांचा अधिक महत्वपूर्ण है जिसमें कई दिन के लाल गेंद के क्रिकेट को बहाल करना भी शामिल है। बीसीसीआई के क्रिकेट संचालन महाप्रबंधक के रूप में महिला क्रिकेट की जिम्मेदारी संभाल चुके पूर्व भारतीय विकेटकीपर करीम ने कहा कि बोर्ड अंततः महिला आईपीएल का आयोजन करेगा लेकिन शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया और रिचा घोष जैसी और प्रतिभाओं को तलाशने के लिए मजबूत घरेलू ढांचे की जरूरत है। महिला आईपीएल के आयोजन के खिलाफ एक तर्क यह भी है कि घरेलू स्तर पर चुनने के लिए पर्याप्त खिलाड़ी उपलब्ध नहीं हैं। करीम ने कहा, भविष्य में हां, बीसीसीआई महिला आईपीएल के आयोजन पर गौर करेगा लेकिन मेरा यह भी मानना है कि बेहद मजबूत घरेलू ढांचा होना अधिक महत्वपूर्ण है जिससे कि युवा प्रतिभाएं सामने आती रहें जो उस स्तर पर खेल पाएं। उन्होंने कहा, मेरे कहने का मतलब है कि पुरुष आईपीएल क्यों सफल है क्योंकि जो ढांचा मौजूद है, घरेलू स्तर से जिस तरह की प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। और मुझे लगता है कि महिला क्रिकेट के लिए भी इसी तरह की चीज की जरूरत है। करीम ने कहा कि यह अच्छा संकेत है कि आस्ट्रेलिया में टी20 श्रृंखला के बाद भारत की सात खिलाड़ी महिला बिग बैश लीग में हिस्सा लेंगी।

महिला घरेलू क्रिकेट में 2018 से लाल गेंद का क्रिकेट नहीं खेला गया है लेकिन भारत के टेस्ट क्रिकेट बहाल करने के बाद करीम का मानना है कि कई दिनों के प्रारूप के मैचों की वापसी समझदारी भरा कदम होगा। प्रसारणकर्ता सोनी द्वारा आयोजित आनलाइन बातचीत के दौरान करीम ने कहा, इसी तरह आगे बढ़ा जा सकता है लेकिन इसके लिए सही समय चुनना बड़ी चुनौती होगी।

हॉकी टीम का राष्ट्रीय शिविर शुरू, भविष्य की प्राथमिकताओं पर ध्यान

एजेंसी ■ बेंगलुरु

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा कि तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के बाद मौजूदा राष्ट्रीय शिविर में भविष्य की प्राथमिकताएं तय करने पर ध्यान दिया जाएगा। कोच ने कोविड-19 महामारी के कारण कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद तोक्यो ओलंपिक से पहले भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) बेंगलुरु केंद्र द्वारा खिलाड़ियों को दिए गए समर्थन पर खुशी व्यक्त की। रीड ने कहा, सभी खिलाड़ी प्रशिक्षण फिर से शुरू करने के लिए उत्साहित हैं और हम भविष्य के मैचों पर ध्यान दे रहे हैं। तोक्यो ओलंपिक की सफलता के बाद खिलाड़ी छुट्टी पर थे। भारतीय हॉकी खिलाड़ियों ने सोमवार को यहां प्रशिक्षण फिर से शुरू किया। साइ द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में कोविड से संबंधित प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जा रहा था। विज्ञप्ति में बताया गया कि सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ का रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी) हुआ है और वे पृथकवास नियम के अनुसार अलग-अलग कमरों में रह रहे हैं। साइ ने कहा, वे अलग समय पर आउटडोर (बाहर खुले क्षेत्र में) अभ्यास कर रहे है। वे साइ बेंगलुरु में अन्य शिविरों में शामिल खिलाड़ियों से घुलमिल नहीं रहे हैं। साइ के संशोधित एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) में बाहर अभ्यास करने की अनुमति है। भारतीय टीम के सहायक कोच पीयूष दुबे ने कहा कि खिलाड़ी अब भविष्य की व्यस्तताओं पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, फिलहाल हमारा पूरा ध्यान इस साल दिसंबर में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पर है और इस महीने के लंबे शिविर में मुख्य रूप से खिलाड़ियों की शारीरिक स्थिति में सुधार पर ध्यान दिया जाएगा। टीम के दिसंबर में ढाका में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने की संभावना है, इसके बाद अगले साल जुलाई-अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल और सितंबर 2022 में चीन में एशियाई खेल होने हैं। भारत का अगला बड़ा कार्यक्रम जनवरी 2023 में अपने घर में एफआईएच विश्व कप होगा। इसके बाद 2024 में पेरिस ओलंपिक है। भारतीय कप्तान मनप्रीत सिंह ने तोक्यो ओलंपिक से पहले लंबी अवधि के प्रशिक्षण शिविर के दौरान उन्हें सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए साइ बेंगलुरु के अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया।

कूल्टर नाइल और नीशाम की गेंदबाजी के आगे 90 रन ही बना सकी रॉयल्स

एजेंसी ■ शारजाह

जिम्मी नीशाम और नाथन कूल्टर नाइल की अनुशासित गेंदबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग के करो या मरो के मुकाबले में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स को नौ विकेट पर 90 रन पर रोक दिया। शारजाह में पहले बल्लेबाजी करने वाली किसी भी टीम का यह न्यूनतम टी20 स्कोर है। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसे उनके गेंदबाजों ने सही साबित कर दिखाया। आईपीएल के यूएई चरण में पहला मैच खेल रहे नीशाम ने 12 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने पिच से मिल रही मदद का पूरा फायदा उठाया चूंकि यहां गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही थी। कूल्टर नाइल ने चार ओवर में 14 रन देकर चार विकेट लिए। नीशाम और कूल्टर नाइल ने मिलकर सिर्फ 26 रन दिए और सात विकेट चटकाए जिससे मैच रॉयल्स के हाथ से निकलता चला गया। जसप्रीत बुमराह ने 14 रन देकर दो विकेट लिए। रॉयल्स की पारी चार ओवर के भीतर बिखर गई। एक समय उसका स्कोर एक विकेट पर 41 रन था और पावरप्ले के आखिरी ओवर में पांच विकेट 50 रन के भीतर गिर गए। मुंबई ने उसके बाद उसे मैच में वापसी नहीं करने दी। फॉर्म में चल रहे संजू सैमसन (तीन) को जयंत यादव ने पवेलियन भेजा। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे और राहुल तेवतिया भी नहीं चल सके। कृणाल पंड्या की जगह नीशाम को टीम में शामिल करने का फैसला मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ। उन्होंने बिना प्रयोग किए सीधे विकेट पर गेंदबाजी की।

प्रो कबड्डी लीग 22 दिसंबर से बेंगलुरु में, दर्शकों को अनुमति नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सत्र का आयोजन दो साल के इंतजार के बाद 22 दिसंबर से बेंगलुरू में किया जाएगा लेकिन इसमें दर्शकों को आने की अनुमति नहीं होगी। पीकेएल के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स की यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार खिलाड़ियों और हितधारकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए दर्शकों के बिना टूर्नामेंट का आयोजन करवाने का फैसला किया गया है। कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में इस लीग का आयोजन नहीं हो पाया था। इसमें कहा गया है, लीग का आयोजन दर्शकों के बिना एक ही स्थान पर किया जाएगा जो पिछले सत्र के पारंपरिक स्वरूप से हटकर होगा। पीकेएल की वापसी भारत में आपसी संपर्क वाले इंडोर खेलों को फिर से शुरू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। आयोजकों ने मेजबान के तौर पर अहमदाबाद और जयपुर के नाम पर भी विचार किया लेकिन आखिर में बेंगलुरू को मेजबानी सौंपने का निर्णय किया। इसके लिए सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) तैयार किया जाएगा। पीकेएल में 12 टीमें भाग लेंगी। इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी अगस्त में की गई थी। लीग के आयुक्त और मशाल स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अनुपम गोस्वामी ने कहा, हमें खुशी है कि प्रो कबड्डी लीग के आठवें सत्र की मेजबानी कर्नाटक करेगा।

रोमांचक सेमीफाइनल हारने के बाद कांस्य के लिए खेलेंगी पिंकी

एजेंसी ■ ओस्लो (नार्वे)

भारतीय पहलवान पिंकी (महिला वर्ग 55 किग्रा) सोमवार को यहां विश्व चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जर्मनी की प्रतिद्वंद्वी नीना हेमर को कड़ी चुनौती देने के बाद 6-8 से हारकर फाइनल खेलने का ऐतिहासिक मौका चूक गई जबकि रोहित कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में हार गए। पिंकी ने मैच को लगभग अपने नाम कर लिया था लेकिन आखिरी क्षणों में वह मात खा गई। रोमांच से भरपूर सेमीफाइनल में पिंकी एक समय 0-4 से पीछे चल रही थी लेकिन 2020 की एशियाई चैम्पियन ने हेमर के दाएं पैर पर मजबूत पकड़ बनाकर दो अंक हासिल किए। वह एक मिनट से अधिक समय तक इस पकड़ को बनाए रखने में कामयाब रही लेकिन रेफरी ने चित का फैसला नहीं दिया। इसके बाद पिंकी ने स्कोर को बराबर किया और फिर 6-4 की बढ़त हासिल कर ली। वह हालांकि आखिर तक बढ़त को बनाए रखने में सफल नहीं रही। किसी भी भारतीय महिला पहलवान ने विश्व चैंपियनशिप का फाइनल नहीं खेला है। गीता फोगट (2012), बबीता फोगट (2012), पूजा ढांडा (2018) और विनेश फोगट (2019) विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली केवल चार भारतीय महिला पहलवान हैं। इससे पहले पिंकी को कोरिया की किम सोयोन के खिलाफ क्वालीफिकेशन दौर में 5-0 की जीत के दौरान अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। उन्होंने इसके बाद कजाखस्तान की ऐशा उलिशान को चित्त करके सेमीफाइनल में जगह बनाई। पुरुष वर्ग में भारतीय पहलवान रोहित ने तकनीकी दक्षता के आधार पर तुर्की के सेलाहतिन किलिसालयन को हराकर 65 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक प्ले आफ में जगह बनाई। रोहित रेपेचेज मुकाबले के लिए उतरे तो उन्हें शुरुआत में जूझना पड़ा। उन्होंने शुरू में अधिकांश समय रक्षात्मक रुख अपनाया और।-2 से पिछड़ गए। पहले पीरियड के अंत में हालांकि उन्होंने डबल लेग हमला किया और इसे अंक में बदलकर 5-2 की बढ़त बना ली। दूसरे पीरियड में रोहित ने बेहतर प्रदर्शन किया और लगातार अंक जुटाते हुए विजई बढ़त बनाई। कांस्य पदक के प्ले आफ में गोलिया के तुल्गा तुमुर ओचिर ने उन्हें 5 . 2 से हराया।

सत्यव्रत कादियान (97 किग्रा) और सुशील (70 किग्रा) को हालांकि अपने क्वालीफिकेशन दौर के मुकाबलों में क्रमशः कोरिया के मिनवोन सियो और जॉर्जिया के जुराबी इयाकोबिशविली के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। कादियान ने विरोधी को बाहर धकेलकर छह अंक जुटाए। सियो ने भी छह अंक हासिल किए लेकिन कोरिया के खिलाड़ी को अधिक अंक का मूव बनाने के कारण विजेता घोषित किया गया। उन्होंने दो बार दो अंक जुटाए।

फ्लेमिंग ने धोनी का बचाव किया

एजेंसी ■ दुबई

चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अपनी लय हासिल करने के लिए जूझ रहे कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का बचाव करते हुए कहा कि दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के विकेट पर किसी भी बल्लेबाज के लिए रन बनाना आसान नहीं था। धोनी को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में डेथ ओवरों में तेजी से रन बनाने की जिम्मेदारी निभानी थी लेकिन उन्होंने 20वें ओवर में आउट होने से पहले 27 गेंदों पर 18 रन बनाए। चेन्नई ने यह मैच तीन विकेट से गंवाया और फ्लेमिंग ने माना कि उनकी टीम ने 10-15 रन कम बनाए। फ्लेमिंग ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, वह (धोनी) अकेला नहीं था। इस विकेट पर रन बनाना आसान नहीं था। बड़ा स्कोर करने या बड़े शॉट खेलने के लिए यह मुश्किल विकेट था इसलिए 137 रन का स्कोर भी पर्याप्त लग रहा था। उन्होंने कहा, दोनों टीमें पारी के अंत में रन बनाने के लिए जूझ रही थी। अगर हमने 10-15 रन और बनाए होते तो परिणाम अलग हो सकता था। फ्लेमिंग ने कहा कि दिल्ली ने आखिरी पांच ओवरों में बहुत अच्छी गेंदबाजी की और ऐसे में रन बनाना मुश्किल था। उन्होंने कहा, रन बनाना मुश्किल था और दिल्ली ने इस बीच बहुत अच्छी गेंदबाजी की। उनके आखिरी पांच ओवर बहुत अच्छे थे।

आईपीएल वाडिया ने कहा कि दो नई टीमों के जुड़ने से आईपीएल के अलावा मौजूदा फ्रेंचाइजियों की कीमत में इजाफा होगा।

नई आईपीएल टीमें तीन से चार हजार करोड़ में बिक सकती हैं: वाडिया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पंजाब किंग्स के सह मालिक नेस वाडिया का मानना है कि दो नई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के लिए दो हजार करोड़ रुपए का आधार मूल्य सतर्कता बरतते हुए रखा गया है जिसमें बोली के दौरान 50 से 100 प्रतिशत का इजाफा होना चाहिए। दो नई आईपीएल फ्रेंचाइजियों की घोषणा 25 अक्टूबर को होगी जिससे आईपीएल 10 टीमों का टूर्नामेंट बनेगा। वाडिया ने कहा कि दो नई टीमों के जुड़ने से आईपीएल के अलावा मौजूदा फ्रेंचाइजियों की कीमत में इजाफा होगा। वाडिया ने पीटीआई से कहा, फिलहाल न्यूनतम आधार मूल्य दो हजार करोड़ रुपए है, इसमें काफी अधिक हजाफा होगा। आईपीएल के अपने अनुभव और जानकारी के आधार पर बताऊंतो दो हजार करोड़ सतर्कता बरतते हुए रखा गया आंकड़ा है और अगर इसमें न्यूनतम 50 से 100 प्रतिशत का इजाफा होता है तो मुझे हैरानी नहीं होगी। मुझे कम से कम तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक की उम्मीद है। उन्होंने कहा, सभी आईपीएल का हिस्सा बनना चाहते हैं लेकिन कुछ ही लोग इसका हिस्सा बन सकते हैं। यह पूछने पर कि क्या नई टीमों के शामिल होने से मौजूद टीमों को कोई चिंता है, वाडिया ने कहा, कोई चिंता नहीं है। यह अच्छा है कि दो नई टीमों को शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मेरा भी मानना है कि आईपीएल शीर्ष टूर्नामेंट है और इसमें सीमित संख्या में टीमें हैं, दो नई फ्रेंचाइजी के शामिल होने से सभी फ्रेंचाइजी की कीमत में इजाफा होगा। 10 टीमों के होने से आईपीएल में विस्तार होगा। वाडिया का मानना है कि नई टीमों के आने से आईपीएल मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा, आईपीएल बीसीसीआई के ताज का रत्न है और इसलिए इस रत्न की सही कीमत होनी चाहिए। सिर्फ दो नई टीम हो सकती है इसलिए स्वतः ही मौजूदा फ्रेंचाइजी की कीमत में भी इजाफा होगा। वाडिया ने कहा, यह एक ऐसी तय संपत्ति है जिसकी कीमत में हर साल ना सिर्फ इजाफा होगा बल्कि निरंतर रूप से वार्षिक राजस्व भी मिलेगा। उन्होंने कहा, आपको पैसा मिल रहा है, प्रत्एक साल 250 से 300 करोड़ और संपत्ति की कीमत के इजाफे के अलावा यह पैसा सीधा आपकी जेब में आ रहा है। नई टीम अपनी टीम के चेहरे के लिए भारत के स्टार खिलाड़ियों को अपने से जोड़ना चाहेंगी। इसके लिए 2022 सत्र से पहले की बड़ी नीलामी अहम होगी जिसके कई भारतीय और विदेशी खिलाड़ी नीलामी के लिए उतरेंगे। खिलाड़ियों के रिटेन करने और राइट टू मैच कार्ड के संदर्भ में वाडिया ने उम्मीद जताई कि बीसीसीआई सभी प्रतिभागियों के लिए चीजों को उचित रखेगा। आईपीएल विदेशों में भी अपने पैर पसार रहा है विशेषकर कैरेबियाई प्रीमियर लीग में जहां तीन टीमें सेंट लूसिया, त्रिनिदाद एवं टोबैगो और बारबडोस का स्वामित्व आईपीएल टीम के मालिकों के पास है। सेंट लूसिया फ्रेंचाइजी का स्वामित्व पंजाब किंग्स के पास है और वाडिया को हैरानी नहीं होगी अगर और आईपीएल टीमें इसी राह पर चलें।

नई आईपीएल टीमें

इसके लिए 2022 सत्र से पहले की बड़ी नीलामी अहम होगी जिसके कई भारतीय और विदेशी खिलाड़ी नीलामी के लिए उतरेंगे।